मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	25.5	10.6
जमशेदपुर	26.0	11.8
डालटनगंज	25.5	12.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in

गुरुवार, 04 जनवरी 2024 ● पौष कृष्ण पक्ष 09 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 257

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

* * * * *

पेज 8-9

ईडी की कार्रवाई

सीएम के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद पिंटू, साहिबगंज डीसी, डीएसपी समेत दर्जन भर ठिकानों पर छापेमारी

सौरभ सिंह। रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने साहिबगंज जिले में अवैध खनन मामले में बुधवार को सीएम हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू, साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव समेत कई अन्य लोगों के दर्जन भर ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी की. सभी ठिकानों के अंदर-बाहर सीआरपीएफ के जवान तैनात थे. न तो किसी को अंदर से बाहर निकलने दिया जा रहा था और न किसी को बाहर से अंदर हीं जाने दिया जा रहा था. गौरतलब है कि 8 जुलाई 2021 को प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने एकसाथ साहिबगंज जिले के 18 ठिकानों पर छापेमारी अभियान चलाया था. इस दौरान कुछ लोगों के घर से मोटी रकम भी मिलने की बात सामने आयी थी. अवैध खनन मामले की जांच ज्यो-ज्यों आगे बढ़ी, बरहेट के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा सहित कई लोगों की संलिप्तता की पुष्टि करते हुए ईडी नें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. इस मामले सीएम के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद, साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव और डीएसपी राजेंद्र दुबे से ईडी पूर्व में ही पूछताछ कर चुकी है.

अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू

रांची स्थित अभिषेक प्रसाद पिंटू का आवास, जहां ईडी ने बुधवार को मारा छापा.

जानें किनके ठिकानों पर हुई छापेमारी

1. सीएम के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के रातू रोड शिवपुरी का आवास.
2. साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव के सरकारी आवास और राजस्थान के जयपुर स्थित दो आवास.
3. राजधानी रांची के रातू रोड के नीलांचल कंपाउंड स्थित विनोद सिंह का आवास
4. देवघर के कास्टर टाउन मुहल्ला निवासी पूर्व विधायक राजकिशोर प्रसाद उर्फ पप्पू यादव के कंचन गोपाल अपार्टमेंट स्थित फ्लैट संख्या 502 और निर्माणाधीन होटल में.
5. साहिबगंज के नामचीन पत्थर व्यवसायी कन्हैया खुडानिया के आवास पर.
6. साहिबगंज में पदस्थापित डीएसपी राजेंद्र दुबे के हजारीबाग शिवपुरी मोहल्ला स्थित आवास.
7. अभय सरावगी के कोलकाता जेडब्लू मैरिएट होटल के पास स्थित आवास.
8. बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के एएसआई अवधेश कुमार के ठिकाने पर.
9. सीओ व एसी ऑफिस में सक्रिय रोशन कुमार का चुटिया कृष्णापुरी स्थित आवास.

साहिबगंज के पत्थर व्यवसायी कन्हाई खुडानिया से पूछताछ

साहिबगंज के नामचीन पत्थर व्यवसायी कन्हाई खुडानिया के आवास पर ईडी की टीम ने उनसे कई कागजात के मामले में पूछताछ की. साथ ही खनन से जुड़े मामलों की भी जानकारी ली. ईडी ने कई खदानों के संबंध में जानकारी ली. यह भी जानना चाहा कि अवैध खनन के लिए कौन-कौन जिम्मेवार हैं और कैसे यह पूरा सिंडिकेट काम कर रहा है.

डीसी के आवासीय कार्यालय से 8 लाख नकद व 14 कारतूस मिले

साहेबगंज डीसी के आवासीय कार्यालय से ईडी ने आठ लाख रुपये नकद, कई कागजात, 9 एमएम की 14 गोलियां भी बरामद किया है. डीसी रामनिवास यादव से ईडी की टीम ने पूछताछ भी की है. डीसी से ईडी ने किस सिलसिले में पूछताछ की है, इसकी फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है. लेकिन बताया जा रहा है कि अवैध खनन से जुड़े मामले में साहिबगंज डीसी से पूछताछ की गई है.

होटवार जेल भी पहुंची ईडी की टीम

ईडी की टीम बुधवार को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भी पहुंची थी. होटवार जेल पहुंचकर ईडी के अधिकारियों ने जांच- पड़ताल की. इससे पहले ईडी ने 03 नवंबर 2023 को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में छापा मारा था. ईडी को सूचना मिली थी कि जेल में बंद सरकारी गवाहों को तोड़ने की कोशिश हो रही है. फिर ईडी की टीम जेल पहुंची थी.

विनोद कुमार का ग्रिड कंसल्टेंट दफ्तर सील

सत्ता शीर्ष के करीबी माने जाने वाले विनोद कुमार के घर पर ईडी की टीम छापेमारी की. इसी दौरान ईडी की टीम ने विनोद कुमार के रोस्पा टॉवर स्थित ग्रिड कंसल्टेंट के ऑफिस को सील कर दिया. इससे पहले ईडी ने विनोद कुमार के रातू रोड के नीलांचल कंपाउंड स्थित आवास पर प्रिंटर मंगवाया है. कयास लगाया जा रहा है कि विनोद कुमार के घर से कुछ जरूर दस्तावेज मिले हैं.

हजारीबाग में डीएसपी राजेंद्र दुबे के घर 15 सदस्यीय टीम की दबिश

हजारीबाग में ईडी की टीम ने डीएसपी राजेंद्र दुबे के शिवपुरी स्थित आवास पर सुबह 6:30 बजे छापेमारी की. लगभग 15 सदस्यीय टीम 2 इनोवा गाड़ी से छापेमारी करने पहुंची. दुबे लगभग 3 वर्षों से डीएसपी के पद पर साहिबगंज के खनन क्षेत्र में पदस्थापित हैं और सीएम हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा करीबी माने जाते हैं. ईडी कार्यालय में डीएसपी राजेंद्र दुबे से पूछताछ हो चुकी है. डीएसपी राजेंद्र दुबे 1994 बैच के एसआई पद पर नियुक्त हुए थे. राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित दुबे बहुत ही कम समय में डीएसपी के पद पर आसीन हो गए और हमेशा खनन क्षेत्र में हमेशा से ड्यूटी पर तैनात रहे. वेमूल रूप से इचाक प्रखंड के तिलरा गांव के रहने वाले हैं. हजारीबाग के शिवपुरी के अलावा गांव में

आलीशान मकान है, जबकि रांची में करोड़ों रुपये की बेशकीमती जमीन है. पंकज मिश्रा के करीबी होने के कारण सरकार में अच्छी पकड़ रही है और खनन क्षेत्र में आईपीएस से ज्यादा रुतबा रखते हैं.

राजनीति गरमाई

फिलहाल अटकलों पर विराम, सत्तारूढ़ दलों ने दिखाई एकजुटता, कहा- सीएम हेमंत हैं, हेमंत ही रहेंगे

रवि भारती/ प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में राजनीतिक अस्थिरता को लेकर लगाए जा रहे कयास और अटकलों पर फिलहात विराम लग गया है. हेमंत सोरेन ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे. सत्तारूढ़ गंठबंधन (झामुमो-कांग्रेस, राजद) विधायकों की बुधवार शाम सीएम आवास में लगभग 45 मिनट चली बैठक में सीएम हेमंत सोरेन पूरे कांफिडेंस में दिखे. विधायकों से गर्मजोशी से मिले. कहा, कोई नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा. कौन क्या बोल रहा है, इस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं. राज्य के ताजा राजनीतिक हालात पर विशेष रूप से चर्चा हुई. मुख्यमंत्री ने पूरे घटनाक्रम पर अपनी बात रखते हुए सभी को इससे अवगत कराया. विधायकों ने भी मुख्यमंत्री के प्रति विश्वास जताया. विधायकों ने भी साफ-साफ कहा कि सीएम हेमंत सोरेन हैं, हेमंत ही रहेंगे. विधायकों ने कहा- वे हमेशा उनके साथ हैं और आगे भी बने रहेंगे. सभी एकजुट हैं और मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के खिलाफ किसी भी तरह की साजिश को सफल नहीं होने देंगे. मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास और जनहित के कार्य जारी रहेंगे.

विधायकों ने कहा-हेमंत आगे भी रहेंगे : बैठक के बाद अधिकांश विधायकों ने कहा कि हेमंत सोरेन आज भी मुख्यमंत्री हैं और आगे भी मुख्यमंत्री रहेंगे. पिछले कुछ दिनों से चल रही राजनीतिक अस्थिरता को लेकर बुधवार को सत्ताधारी दल के विधायकों की हुई बैठक कई मायनों में अहम रही. इसके पीछे वजह यह बतायी जा रही है कि बैठक के बहाने गठबंधन में शामिल दलों ने एकजुटता दिखाई. और एनडीए को यह भी संदेश दिया कि गठबंधन की सरकार मजबूती से खड़ी है और भाजपा को हर मोर्चे पर करारा जवाब देने के लिए भी तैयार है.

सीएम आवास के बाहर **हलचल.**

ईडी की संभावित कार्रवाई पर भी चर्चा

सत्तारूढ़ विधायकों की बुधवार को हुई बैठक में ईडी की संभावित कार्रवाई पर भी चर्चा की गई. जानकारी के अनुसार इससे निपटने के लिए प्लान बी पर काम करने पर सहमति बनी. विधायकों ने प्लान बी पर काम करने के लिए एकस्वर से सीएम हेमंत सोरेन को ही अधिकृत कर दिया.

05 सितंबर 2022 की कहानी दुहराई

दो साल पहले 05 सितंबर 2022 को भी हेमंत सरकार पर संकट की अटकलें लगाई जा रही थीं. उस समय भी सीएम आवास में गठबंधन दल की बैठक बुलायी गयी थी. संख्या बल को भांपा गया था.उस दौर में भी हेमंत सरकार अस्थिरता के दौर से निकलने में सफल रही थी. उस समय भी सरकार ने एक दिन का विशेष सत्र बुलाकर विश्वास प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें 48 विधायकों का साथ मिला था. इस बार भी बैठक बुलाकर गठबंधन की एकजुटता दिखाई गई.

किसने क्या कहा

- कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि हेमंत सोरेन आज भी मुख्यमंत्री हैं, और आगे भी मुख्यमंत्री बने रहेंगे.
- कांग्रेस विधायक अनूप सिंह ने कहा- हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री है और अपना कार्यकाल भी पूरा करेंगे.
- मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि तू डाल डाल- तो हम पात-पात .सरकार कार्यकाल पूरा करेगी, 2025 में भी सरकार बनाएंगे.
- कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन कार्यकाल पूरा करेंगे. विपक्ष की साजिश एक बार फिर नाकाम होगी.

कांग्रेस प्रभारी मीर ने कहा- हम हर कदम पर सरकार के साथ खड़े हैं

रेहान अहमद। रांची

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने मुख्यमंत्री आवास में बैठक के बाद विधायकों के साथ मोरहाबादी स्थित राजकीय अतिथिशाला में बैठक की. बैठक में संगठन को मजबूत बनाने के साथ ही साथ 2024 का लोकसभा चुनाव मजबूती से लड़ने का फैसला लिया गया. प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि सीएम आवास में हुई बैठक सरकार की बैठक थी. अगर संगठन की बैठक होती, तो वे जरूर शामिल होते. उन्होंने कहा कि सारा प्रकरण भाजपा का पॉलिटिकल स्टंट है. अगर भाजपा के पास इतनी ही ताकत है, तो वह महाराष्ट्र में अजीत पवार पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं करती है. उन्होंने कहा कि हम सरकार के हर कदम पर साथ खड़े हैं. उन्होंने पार्टी के सभी विधायकों को रांची में ही रहने का निर्देश दिया. कहा कि विधायक किसी भी स्थिति में रांची से बाहर न जाएं.

मीर दो दिवसीय झारखंड दौरे के दूसरे दिन बुधवार को दिन में कांग्रेस मुख्यालय में भी पार्टी के विधायकों के साथ बैठक की. इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर शामिल हुए. दिन व रात में हुई बैठक में संगठन को मजबूत बनाने के साथ राज्य का राजनीतिक हालात पर भी चर्चा हुई. रात की बैठक के बाद मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि बैठक में सांगठनिक मुद्दों पर बातचीत हुई. सभी मंत्री एवं विधायकों ने संगठन को मजबूत बनाने पर विचार किया.

केंद्र ने आदिवासियों से विश्वासघात किया

झारखंड प्रभारी मीर ने कहा कि सरकार ने ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी का प्रस्ताव विधानसभा से पारित किया, लंबे अरसे से लंबित सरना धर्मकोड की मांग को विधानसभा में पारित कर केंद्र की अनुमति के लिए भेजा, किंतु जन आस्था से जुड़े इतने अहम प्रस्तावों पर केंद्र सरकार अब तक कुंडली मारकर बैठी है. यह झारखंड की आदिवासियों के साथ गंभीर विश्वासघात है, इस बात को जनता तक पहुंचाने की जरूरत है. हमारे राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी चाहते हैं कि झारखंड में भी जातिगत जनगणना करायी जाए, जिससे वंचित लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके.

बाबूलाल एक्शन में

गैर विधायक सरकार बनाने का दावा होने से संवैधानिक संकट होगा

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को पत्र लिखा है. पत्र में कहा है कि अगर कोई गैर विधायक सरकार बनाने का दावा पेश करता है और उसका अनुरोध मान लिया जाता है, तो यह पूरे राज्य को संवैधानिक संकट में डाल देगा. पत्र में गांडेय विधानसभा में उपचुनाव से पहले नियमों का पालन करने का आग्रह किया है. बाबूलाल मरांडी अपने ने पत्र में कहा है कि इस तरह की प्रथा स्पष्ट रूप से संवैधानिक प्रावधानों के प्रति अपमानजनक, अनुचित, अलोकतांत्रिक और अमान्य होगी. अनुच्छेद 164(4) केवल विधायिका के सदस्यों के मंत्री होने के सामान्य नियम के अपवाद की प्रकृति में है, जो लगातार छह महीने की छोटी अवधि तक सीमित है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	59,300
चांदी (किलो)	75,000

ब्रीफ खबरें

महुआ को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

नयी दिल्ली। रिश्वत लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में लोकसभा से निष्कासित टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को राहत नहीं मिली. सुप्रीम कोर्ट ने निष्कासन के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया. अदालत ने कहा कि महुआ का संसद से निष्कासन बना रहेगा. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये मामला इतना आसान नहीं है. इसके साथ ही अदालत ने महुआ की संसद कार्यवाही में हिस्सा लेने की इजाजत देने की अर्जी को ठुकरा दिया.

दिए निर्देश अडाणी-हिंडनबर्ग मामले पर आया 'सुप्रीम' फैसला, सेबी की जांच को सही बताया

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी की जांच से किया इनकार

भाषा। नयी दिल्ली

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अपना फैसला सुना दिया है. सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की तीन सदस्यीय पीठ ने मामले की जांच एसआईटी को सौंपने से इनकार कर दिया. कोर्ट ने कहा कि मामले की जांच सेबी ही करेगी. मार्केट रेग्युलेटर सेबी की जांच को सही बताया. साथ ही अदालत ने मामले की जांच के लिए सेबी को तीन महीने का समय दिया है. सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि सेबी को 24 मामलों की जांच करने को कहा गया था. मार्केट रेग्युलेटर ने 24 में से 22 मामलों की जांच पूरी कर ली है. 2 मामलों की जांच अभी बाकी है. कोर्ट ने कहा कि इन मामलों की जांच के लिए सेबी को तीन महीने का समय दिया जाता है. सेबी ने फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स (एफपीआई) के नियमों को यह कहते हुए रद्द करने से इनकार कर दिया कि अदालतें नियामक शासन के क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकती हैं.

कोर्ट ने फैसला रख लिया था सुरक्षित

इससे पहले 24 नवंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने अडानी-हिंडनबर्ग मामले में सुनवाई करते फैसला सुरक्षित रक्षा था. इस दौरान अदालत ने मार्केट रेग्युलेटर सेबी की जांच और एक्सपर्ट कमिटी की निष्पक्षता पर उठाये जा रहे सवालों को दरकिनार कर दिया था. सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट को आखिरी सत्य नहीं माना जा सकता है. कहा था कि इस रिपोर्ट में ऐसा कोई तथ्य नहीं है, जिससे सेबी पर संदेह किया जाये. हम बिना ठोस आधार के सेबी पर अविश्वास नहीं कर सकते हैं.

गौतम अडाणी ने फैसले का स्वागत किया

कहा- 'सत्यमेव जयते'

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उद्योगपति गौतम अडाणी ने स्वागत किया है. अडाणी ने कहा कि सच्चाई की जीत हुई है. सत्यमेव जयते. उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों का आभारी हूं, जो हमारे साथ खड़े रहे. अडाणी ने कहा कि भारत की वृद्धि की कहानी में हमारा विनम्र योगदान जारी रहेगा. जय हिंद.

अडाणी के शेयरों में जोरदार उछाल

कोर्ट के फैसले के बाद बुधवार को अडाणी समूह की कंपनियों के शेयर जोरदार उछाल के साथ बंद हुए. बीएसई पर अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 11.60 प्रतिशत चढ़ गया. अडाणी टोटल गैस में 9.84 प्रतिशत, अडाणी ग्रीन एनर्जी में छह प्रतिशत और अडाणी पावर में 4.99 प्रतिशत का उछाल आया। अडाणी विल्मर का शेयर 3.97 प्रतिशत, एनडीटीवी का शेयर 3.66 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज 2.45 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 1.39 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स 0.94 प्रतिशत और एसीसी 0.10 प्रतिशत तक चढ़े.

केजरीवाल ईडी ऑफिस नहीं गए समन को अवैध करार दिया

एजेंसी। नयी दिल्ली

इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले की जांच कर रही है. ईडी ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को समन जारी कर बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया था लेकिन अरविंद केजरीवाल ईडी ऑफिस नहीं गये. उन्होंने ईडी के समन पर अपना जवाब भेजा है. आम आदमी पार्टी के अनुसार, केजरीवाल ने ईडी के समन को अवैध करार दिया. उन्होंने अपने जवाब में लिखा कि ईडी की जांच में सहयोग करने को तैयार हूं, लेकिन एजेंसी का नोटिस अवैध है. उनका इरादा अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना है. वे उन्हें चुनाव प्रचार से रोकना चाहते हैं. बता दें कि सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी ने समन जारी कर 3 जनवरी को पेश होने को कहा था.

खास बातें

- दिल्ली शराब नीति घोटाले की ईडी कर रही जांच
- इससे पहले भी दो बार समन भेजने पर नहीं गए थे

इससे पहले भी ईडी ने दो बार (दो नवंबर और 21 दिसंबर) सीएम को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वो ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए थे. उन्होंने दोनों समन को गैर कानूनी और राजनीति से प्रेरित बताया.

तीन विवि में परीक्षा कराने वाली एनसीसीएफ को 10 करोड़ का भुगतान, तीन लाख छात्रों का रिकॉर्ड कैद

एकेडमिक ऑडिट नहीं करा रहे जिम्मेवार

अमित सिंह। रांची

प्रदेश के तीन विश्वविद्यालय में परीक्षा संचालन का काम नेशनल कंज्यूमर को ऑपरेटिव फेडरेशन (भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ मर्यादित, एनसीसीएफ) देख रही है. इसके लिए विश्वविद्यालयों से एनसीसीएफ के सलाना 10 करोड़ से ज्यादा का भुगतान होता है. रांची विवि रांची, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी(बीबीएमकेयू) धनबाद और विनोवा भावे विवि हजारीबाग के साथ एनसीसीएफ ने एमओयू किया है. एमओयू के अनुसार शैक्षणिक सत्र समाप्त हो गया है. मगर विवि के जिम्मेवारों ने एजेंसी का एकेडमिक ऑडिट नहीं कराया. जबकि एजेंसी के पास करीब तीन लाख छात्रों का गोपनीय एकेडमिक रिकॉर्ड कंप्यूटर में कैद है. एकेडमिक ऑडिट के सवाल का जवाब किसी विवि प्रशासन और एजेंसी के जिम्मेवार के पास नहीं है. जबकि फर्जी रूप से रिजल्ट का प्रकाशन और वितरण पर रोक लगाने का एकेडमिक ऑडिट एक बेहतर माध्यम है.

क्यों जरूरी है ऑडिट

पारदर्शिता कसौटी की होती है जांच

एकेडमिक ऑडिट से पता चलता है कि संबंधित विवि या संस्थान द्वारा किसी स्थिति में फर्जी परीक्षाफल, फर्जी डिग्री आदि का वितरण नहीं किया गया है. साथ ही परीक्षा के संचलन व परीक्षाफल के प्रकाशन की पूरी प्रक्रिया में अपनायी गयी पारदर्शिता की कसौटी की जांच ऑडिट के दौरान होती है. कंप्यूटर आदि सिस्टम से कराए जा रहे कार्यों की सच्चाई को शैक्षणिक अंकेक्षण में दर्शाया जाता है.

एजेंसी पर लगा चुका है गड़बड़ी का आरोप

एनसीसीएफ के क्रियाकलापों पर पहले सवाल खडे हो चुके है. ऐसें में एजेंसी के कार्यों का एकेडमिक ऑडिट होना जरूरी है. 2016 में हाईकोर्ट ने जेपीएससी मामले की सुनवाई करते हुए इस एजेंसी के क्रियाकलापों परर सवाल खड़े किए थे. वहीं सीबीआई ने जांच में एजेंसी को दोषी पाया था.

ऐसे में नैक से नहीं मिल सकेगी ए ग्रेड मान्यता

रांची विवि प्रशासन ने कहा कि आगामी शैक्षणिक वर्ष तक रांची विवि नैक से ए ग्रेड की मान्यता प्राप्त कर लेगा. मगर किसी विवि ने शैक्षणिक अंकेक्षण कराए जाने के बारे में कोई जानकरी नहीं दी है. सस्ते दर पर खाद्यान बेचने वाली संस्थान एनसीसीएफ से जब परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का संपादन कराया जा रहा और उसका एकेडमिक ऑडिट (शैक्षणिक अंकेक्षण प्रतिवेदन) रिपोर्ट जारी नहीं होगी, तो फिर नैक से ए मान्यता प्राप्त करने की बात बेमानी समझी जाएगी.

बिना ऑडिट कराए नैक से एक्रिडिएशन नहीं

प्रदेश में जितने भी महाविद्यालय हैं, इन सब को नई शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुसार व पूर्व से निर्धारित नियमों के आलोक में नैक से मान्यता प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया गया है. वर्ष 2013 से यह व्यवस्था लागू है. झारखंड के परिप्रेक्ष्य जितने भी विवि या ऑटोनोमन महाविद्यालय का नैक से एक्रिडिएशन कराया गया है, उस पूरी प्रक्रिया के लिए सभी संस्थानों में शैक्षणिक अंकेक्षण का कार्य अवश्य ही कराया गया होगा.

एजेंसी के लिए लाखों छात्रों से वसूली

चांसलर पोर्टल ने वर्ष 2022 में विश्वविद्यालयों में स्नातक-स्नाकोत्तर में हुए नामांकन का आंकड़ा जारी किया है. रांची विवि में स्नातक में 40141 और स्नातकोत्तर में 11154, बीबीएमकेयू स्नातक में 38102 और स्नाकोत्तर में 2962 और विनोबा भावे विश्वविद्यालय स्नातक में 52418 और स्नातकोत्तर में 4625 छात्रों ने नामांकन कराया. वहीं रांची विवि में अभी करीब 1.60 लाख, बीबीएमकेयू में 75 और विनोवा भावे में 65 हजार छात्र पढ़ाई कर रहे हैं. तीनों विवि में करीब 3 लाख छात्रों से सलाना परीक्षा के नाम पर 500 से 800 तक की वसूली होती है. रांची विवि द्वारा एनसीसीएफ को प्रति छात्र 315 रुपये का भुगतान किया जाता है.

गड़बड़ियों को छुपाने के लिए नहीं कराया जा रहा है ऑडिट

एकेडमिक ऑडिट नहीं कराकर जिम्मेवार अनियमितताओं पर पर्दा डालने का प्रयास कर रहे हैं. छात्र संगठन एनसीसीएफ पर अनियमितता बरतने का आरोप लगा रहे हैं. अगर एकेडमिक ऑडिट होता, तो ऐसे अरोप विवि प्रशासन और एनसीसीएफ पर नहीं लगते. छात्र नेताओं का कहना है कि जिस संस्थान को एकेडमिक कार्यों का अनुभव नहीं है, वैसे संस्थान से परीक्षा जैसे गोपनीय कार्य कराया जाना अपने आप में जांच का विषय है. ऐसे में ऑडिट नहीं करा कर एनसीसीएफ की गड़बड़ियों को छुपाने का काम किया जा रहा है .रांची विवि में संपन्न पीएचडी परीक्षा इसका ताजा उदाहरण है.

प्रोफेसरों की समिति करती है एकेडमिक ऑडिट

शैक्षणिक अंकेक्षण एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत वरीय प्रोफेसरों की एक समिति बनाई जाती है. समिति में वही लोग होते हैं, जिनका संस्थान से किसी भी तरह का कोई संबंध नहीं रहा हो. आगे समिति के दवारा एकेडमिक ऑडिट में सबसे महतवपूर्ण रूप से छात्रों का सकल नामंकन की स्थिति, उसके आधार पर किए गए पंजीयन कार्य, और नामांकन एवं पंजीयन के आधार पर परीक्षा में शामिल छात्रों का परफारमेंस, परीक्षा आयोजन की विधि, परीक्षा फल का प्रकाशन की विधि एवं कंप्यूटर से किए गए कार्यों के आधार पर पारदर्शिता की स्थिति को देखते हुए एकेडमिक ऑडिट में यह दर्शाया जाता है कि संबंधित विवि या संस्थान द्वारा किसी भी माध्यम से फर्जी परीक्षा फल, डिग्री आदि का वितरण नहीं किया गया है.

2022 में जीएसटी से आए थे 2463 करोड़

झारखंड के राजस्व में जीएसटी से सात फीसदी का इजाफा

रवि भारती। रांची

झारखंड के राजस्व में जीएसटी से सात फीसदी का इजाफा हुआ है. वर्ष 2022 में जीएसटी से झारखंड को 2463 करोड़ रुपये मिले थे. वर्ष 2023 में यह बढ़कर 2623 करोड़ रुपये हो गया है. इस हिसाब से 160 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है.

वहीं पड़ोसी राज्य बिहार में जीएसटी में मिलने वाली राशि में पांच फीसदी की कमी आई है. वर्ष 2022 में बिहार में जीएसटी से 1466 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था. वर्ष 2023 में यह घटकर 1397 करोड़ हो गया.

देशभर में औसत वसूली 12 फीसदी अधिक रही

वित्तीय वर्ष 2023-24 के पहले नौ महीने की अवधि में औसत मासिक कर संग्रह 1.66 लाख करोड़ रुपये रहा है. यह पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में दर्ज 1.49 लाख करोड़ रुपये के औसत कर संग्रह से 12 प्रतिशत अधिक है. दिसंबर में कुल 1,64,882 करोड़ रुपये जीएसटी मिला. इसमें से सीजीएसटी 30,443 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 37,935 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 84,255 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई. उपकर के रूप में 12,249 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्रित 1,079 करोड़ रुपये सहित) का संग्रह हुआ है. वहीं 2023-24 में 31 दिसंबर तक कुल 8.18 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए हैं, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 के मुकाबले नौ फीसदी अधिक है.

2023 में जीएसटी से झारखंड के खाते में आए 2623 करोड़

राज्य/संघ राज्य	क्षेत्रवर्ष 2022	वर्ष 2023	विकास (प्रतिशत)
जम्मू और कश्मीर	428	563	32
हिमाचल प्रदेश	712	784	10
पंजाब	1,710	1,866	09
चंडीगढ़	206	219	06
उत्तराखंड	1,300	1,392	07
हरियाणा	7,403	8,009	08
दिल्ली	4,741	4,849	02
राजस्थान	3,307	3,869	17
उत्तरप्रदेश	7,004	7,844	12
बिहार	1,466	1,397	-05
सिक्किम	285	315	11
अरुणाचल प्रदेश	64	81	27
नगालैंड	49	52	05
मणिपुर	38	56	47
मिजोरम	24	27	14
त्रिपुरा	65	73	13
मेघालय	161	165	02
असम	1,157	1175	02
पश्चिम बंगाल	4,804	4,940	03
झारखंड	2,463	2,623	07
ओडिशा	3,765	4,249	13
छत्तीसगढ़	2,269	2,684	18
मध्य प्रदेश	2,711	3,118	15
गुजरात	9,020	10,129	12
दादर	312	350	12
महाराष्ट्र	21,403	25,137	17
कर्नाटक	9,760	11,693	20
गोवा	429	497	16%
लक्षद्वीप	3	2	-45
केरल	2,246	2,505	12
तमिलनाडु	8,637	10,481	21
पुडुचेरी	188	197	05
अंडमान	33	23	-30
तेलंगाना	3,915	5,226	33
आंध्र प्रदेश	3,132	3,658	17
लद्दाख	19	35	81
अन्य क्षेत्र	202	207	02
केंद्र क्षेत्राधिकार	182	196	08

सुचित्रा मिश्रा हत्याकांड

शशिभूषण मेहता ने जवाब के लिए हाईकोर्ट से मांगा समय

रांची। रांची के चुटिया स्थित ऑक्सफोर्ड स्कूल की दिवंगत शिक्षिका सुचित्रा मिश्रा की हत्या के आरोपों से बरी हो चुके भाजपा के पांकी विधायक शशिभूषण प्रसाद मेहता ने हाईकोर्ट में जवाब देने के लिए समय मांगा है. बुधवार को हुई सुनवाई के बाद अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 16 जनवरी की तिथि निर्धारित की है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रत्नाकर भेंगरा की बेंच में इस मामले में सुनवाई हुई.

मैनहर्ट घोटाले की जांच के लिए दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने मैनहर्ट कंपनी से मांगा जवाब

संवाददाता। रांची

पूर्व मंत्री और जमशेदपुर के विधायक सरयू राय की याचिका पर बुधवार को हाइकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने मैनहर्ट कंपनी को भी प्रतिवादी बनाने का निर्देश देते हुए जवाब मांगा है. विधायक सरयू राय की ओर से वरीय अधिवक्ता एके कश्यप ने बहस की. हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में अब इस मामले में तीन सप्ताह बाद सुनवाई होगी.

दरअसल झारखंड के पूर्व मंत्री और जमशेदपुर के निर्दलीय विधायक सरयू राय ने मैनहर्ट घोटाला की जांच की मांग को लेकर झारखंड हाइकोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है. विधायक सरयू राय ने झारखंड हाइकोर्ट में क्रिमिनल रिट दाखिल की है. विधायक सरयू राय ने मैनहर्ट मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो में दर्ज पीई (प्रारंभिक जांच) की रिपोर्ट अब तक नहीं आने और एफआईआर दर्ज नहीं होने को लेकर याचिका दायर की है, जबकि अदालत ने 18 जुलाई 2023 को सरकार को जवाब देने और इस मामले में दर्ज पीई हाइकोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया था. सरयू राय ने मैनहर्ट को रांची में सीवरेज ड्रेनेज के संबंध में परामर्श एवं अन्य कार्य दिए जाने में 21 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है. इस मामले को उन्होंने झारखंड विधानसभा में उठाया था, जिसके बाद राज्य सरकार के निर्देश के बाद दिसंबर 2020 में एसीबी में पीई दर्ज की गई थी.

गरीबों के राशन पर आफत : डीलर्स एसोसिएशन को संतोषजनक आश्वासन नहीं मिला

जारी रहेगी पीडीएस डीलर्स की हड़ताल

प्रमुख संवाददाता। रांची

पीडीएस डीलर्स एसोसिएशन की अनिश्चितकालीन हड़ताल से राज्य में राशन का वितरण ठप पड़ा है. मंगलवार को खाद्य आपूर्ति विभाग सचिव अमिताभ कौशल के साथ पीडीएस डीलर्स एसोसिएशन की बैठक थी. लेकिन एसोसिएशन की मांगों पर विभाग की ओर संतोषजनक आश्वासन नहीं मिलने के कारण एसोसिएशन ने हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया है. राज्य में 25400 पीडीएस डीलर हैं, जिनके माध्यम से सरकार राशन वितरण करती है. पीडीएस डीलर्स की हड़ताल के कारण गरीबों को राशन नहीं मिल रहा है.

अंत्योदय राशन कार्ड की संख्या 8,92,488 : राज्य में अंत्योदय राशन कार्ड की संख्या 892488 है, जिनमें परिवार के सदस्यों की 3449144 है. वहीं पीएचएच राशन कार्ड की संख्या 5211687 है, जिनमें परिवार के सदस्यों की संख्या 22976241है. पीएचएच राशन कार्ड कार्ड में चावल 4 और 1 किलो गेहूं प्रति सदस्य प्रति माह मिलता है. जबकि ग्रीन राशन कार्ड में 484476 है, इसमें परिवार की सदस्यों की संख्या 1509715 है.

डीलरों की सुविधाओं में कोई बढ़ोतरी नहीं : रांची जिला पीडीएस डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ज्ञानदेव झा ने कहा कि केंद्र सरकार ने 81 करोड़ जनता को अनाज 5 सालों तक पांच किलो अनाज बांटने के लिए स्वीकृति दी है. लेकिन डीलरों की सुविधाओं में कोई बढ़ोतरी नहीं की गयी है. कोरोना पीरियड में लाभुकों को 5 किलो मुक्त अनाज वितरण प्रति कार्ड 13 माह तक किया गया था, जिसका कमीशन अब तक नहीं मिला है.

विभाग के सचिव नें कमीशन देने की बात कही है, लेकिन कब यह तय नहीं है. वहीं कमिशन की दर पिछले 10 सालों से नहीं बढ़ाया गया है. साथ ही अनुकंपा पर पीडीएस डीलरों की नियुक्ति का मामला को भी बंद कर दिया गया है.

CLASSIFIED

तापमान
24° अधिकतम | 10.9° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

गुरुवार, 04 जनवरी 2024 ● पौष कृष्ण पक्ष 09 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 1, अंक : 257

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024

भारतीय महिला हॉकी टीम रांची पहुंची

13 से 19 जनवरी तक राजधानी रांची में हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर मैचों का होगा आयोजन

संवाददाता। रांची

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 के मैचों में हिस्सा लेने के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम बुधवार को रांची पहुंची. 13 जनवरी से 19 जनवरी तक रांची में हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर मैचों का आयोजन हो रहा है. भारतीय टीम लगातार तीसरी बार ओलंपिक में स्थान बनाने के लिए खेलेगी. अनुभवी गोल कीपर सविता के नेतृत्व में भारतीय टीम इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही है. भारतीय महिला हॉकी टीम के रांची आने पर जोरदार स्वागत किया गया. मौके पर हॉकी इंडिया के महालचिव भोलानाथ सिंह समेत हॉकी झारखंड और खेल विभाग के पदाधिकारी भी मौजूद थे. टीम 13 जनवरी 2024 को संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी. टीम की अनुभवी फॉरवर्ड बंदना कटारिया चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है, बलजीत कौर उनका स्थान लेंगी. रांची पहुंचने पर कप्तान सविता ने कहा हम सभी महत्वपूर्ण एफआईएच हॉकी ओलपिक क्वालीफायर 2024 के लिए रांची में वापस आने के लिए उत्साहित हैं.

रांची में ओलंपिक क्वालिफायर हॉकी मैच के लिए बुधवार को भारतीय टीम के रांची पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया.

- भारतीय टीम 14 को न्यूजीलैंड से भिड़ेगी और 16 जनवरी को इटली के खिलाफ खेलेगी
- टूर्नामेंट की शीर्ष टीमें पेरिस ओलंपिक खेल 2024 के लिए क्वालीफाई करेंगी

दूसरे टेस्ट के पहले दिन 23 विकेट गिरे

साउथ अफ्रीका 55, भारत 153 पर ऑलआउट टीम इंडिया अब भी 36 रन से आगे

एजेंसी। केप टाउन

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन 23 विकेट गिरे. दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों ने सभी विकेट लिए. केप टाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी, लेकिन टीम 55 रन पर ही ऑलआउट हो गई. भारत से मोहम्मद सिराज ने 6 विकेट लिए. टीम इंडिया भी अपनी पहली पारी में कुछ खास नहीं कर सकी और 153 रन पर ही सिमट गई. हालांकि टीम को 98 रन की बढ़त मिली. विराट कोहली ने 46 रन बनाए, जबकि 7 बैटर्स खाता भी नहीं खोल सके. साउथ अफ्रीका के 3 बॉलर्स ने 3-3 विकेट लिए. साउथ अफ्रीका ने तीसरे ही सेशन में अपनी दूसरी पारी शुरू कर दी. टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट के नुकसान पर 62 रन बना लिए. हालांकि टीम अब भी भारत से 36 रन से पिछड़ रही है और उसके 7 विकेट बाकी हैं.

पहले सेशन में साउथ अफ्रीका ऑलआउट : केप टाउन में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी, लेकिन टीम 23.2 ओवर ही टिक सकी. उसके 11 खिलाड़ी मिलकर 55 रन ही बना सके. टेस्ट क्रिकेट में ये साउथ अफ्रीका का भारत के खिलाफ सबसे छोटा स्कोर रहा. काइल वेरियन ने 15 और डेविड बेडिंघम ने 12 रन बनाए. बाकी बैटर्स 6 रन का स्कोर भी पार नहीं कर सके.

दूसरे सेशन में भारत ने 111 रन बनाए : भारत ने अपनी पहली पारी दूसरे सेशन में शुरू की. टीम ने 111 रन बनाने में 4 विकेट गंवाए. पहला विकेट गिरने के बाद कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने टीम को 72 रन तक पहुंचा दिया था. यहां से रोहित (39 रन), शुभमन (36 रन) और श्रेयस (0) आउट हो गए और टीम का स्कोर 72/1 से 111/4 हो गया. साउथ अफ्रीका से नांद्रे बर्गर ने 3 विकेट लिए.

सिराज ने 15 रन देकर 6 विकेट लिए

भारत से तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने महज 15 रन देकर 6 विकेट लिए.उन्होंने ऐडन मार्करम, डीन एल्गर, टोनी डी जॉर्जी, डेविड बेडिंघम, काइल वेरियन और मार्को यानसन को पवेलियन भेजा. ये उनके टेस्ट करियर की बेस्ट बॉलिंग रही.सिराज के अलावा जसप्रीत बुमराह और मुकेश कुमार को 2-2 विकेट मिले.

भारत ने 11 बॉल में 6 विकेट गंवाए

तीसरे सेशन में भारत ने बगैर नुकसान के 42 रन बना लिए थे. केएल राहुल 8 और विराट कोहली 46 रन के स्कोर पर नॉटआउट थे. यहां से टीम ने अपने आखिरी 6 विकेट बगैर रन बनाए 11 बॉल के अंदर ही गंवा दिए.153 के स्कोर पर टीम ने 4 विकेट गंवाए थे, इसी स्कोर पर टीम ऑलआउट हो गई.पहली पारी में भारत को 98 रन की बढ़त मिली.

ईरान में दो धमाके 103 लोगों की मौत

तेहरान/दुबई। ईरान के करमान शहर में बुधवार को हुए दो धमाकों में कम से 103 लोगों की मौत हो गयी, जबकि 188 घायल हुए. ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया कि 2020 में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए जनरल कासिम सुलेमानी की बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में ये धमाके हुए. इस हमले को ईरान में 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के बाद सबसे घातक आतंकवादी हमला माना जा रहा है.अबतक इस हमले की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है. करमान शहर राजधानी तेहरान से 820 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में है. अधिकारियों ने कहा कि बाद में भागते समय कुछ लोग घायल हो गए. ये धमाके रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कुद्स फोर्स के प्रमुख रहे जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या की चौथी बरसी पर कार्यक्रम हो रहे थे.

ताइक्वांडो में राज्य को मिले तीन पदक

रांची। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से बैतूल मध्य प्रदेश में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल 2023-24 के ताइक्वांडो प्रतियोगिता में तीसरे दिन झारखंड के खिलाड़ियों ने तीन पदक अपने नाम किया. आलोक रंजन ने रजत जीता, वहीं ईशा कुमारी व संजना कुमारी ने कांस्य पदक अपनी झोली में डाला. आलोक रंजन ने नॉक आउट स्टेज के बेस्ट ऑफ थ्री मुकाबले के पहले मैच में छत्तीसगढ़ को 2-1 से, दूसरे मैच महाराष्ट्र को 2-0 से, क्वार्टर फाइनल मैच में के वीएस को 2-0 से, सेमीफाइनल में मध्यप्रदेश को 2-0 से हारते हुए फाइनल में जगह बनायी.

झारखंड में बड़ी कार्रवाई की तैयारी में ईडी!

विनोद के घर से 25 लाख, साहिबगंज डीसी के घर से 8 लाख कैश बरामद

सीआरपीएफ की एक टुकड़ी रिजर्व में तैनात

- पत्थर कारोबारी कन्हैया खुडानिया के 30 बैंक खाते फ्रीज

सौरभ सिंह/ विनीत उपाध्याय। रांची

झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) बड़ी कर्रवाई की तैयारी में जुट गयी है. बुधवार को सीएम के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू सहित दर्जन भर ठिकानों पर एकसाथ की गयी छापेमारी को उसी कड़ी का एक अहम हिस्सा माना जा रहा है. दिल्ली से ईडी को सीआरपीएफ की विशेष व्यवस्था भी करायी गयी है. ईडी के इशारे पर कार्रवाई के लिए सीआरपीएफ की एक टुकड़ी को रिजर्व रखा गया है. गृह मंत्रालय ने रिजर्व टुकड़ी की तैनाती के लिए आदेश भी जारी कर दिया है.

सियासी उथल-पुथल के माहौल में ईडी के रडार पर राज्य की कई बड़ी हस्तियां भी आ सकती हैं. आगे और भी बड़ी हस्तियों के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी हो सकती है. पहले दिन ईडी की छापेमारी में साहिबगंज के उपायुक्त रामनिवास यादव के आवासीय परिसर (गोपनीय शाखा) से 8 लाख रुपये नकद व 14 कारतूस मिले हैं, जबकि राजधानी रांची में पिस्का मोड़ नीलांचल कोठी निवासी विनोद सिंह के घर से 25 लाख रुपये नकद मिले हैं. डीसी के आवासीय परिसर से कारतूस बरामदगी मामले में ईडी आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने की तैयारी में जुटी है. साहिबगंज में ईडी की टीम सुबह-सुबह ही छापामारी करने डीसी आवास पहुंच गयी थी.

साहिबगंज में ईडी टीम की दबिश : बुधवार की सुबह-सुबह ईडी की टीम ने डीसी आवास और व्यवसायी खुडानिया के ठिकानों पर छापेमारी की.

रुपये कहां से आये नहीं बता पाये डीसी, प्रतिबंधित पिस्टल की गोलियां बरामद हुई

साहिबगंज के डीसी के पास से आठ लाख रुपये नकद जब्त किये गये हैं. इसके अलावा 9 एमएम की 14 गोलियां भी मिली हैं. यह गोलियां प्रतिबंधित पिस्टल की हैं. डीसी नकद के स्रोतों की सही-सही जानकारी नहीं दे पा रहे हैं. दूसरी ओर उनके घर से पंकज मिश्रा द्वारा ईडी के खिलाफ विभिन्न न्यायालयों में दायर की गयी याचिकाओं की प्रति मिली है. इससे अवैध खनन के आरोप में जेल में बंद पंकज मिश्रा के साथ उनके संबंधों का प्रमाण मिलता है. ईडी ने संकेत दिया है कि कारतूस बरामदगी मामले में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है.

विनोद सिंह के मोबाइल में व्हाट्सएप चैट के डिटेल

ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की टीम को विनोद सिंह के घर में छापेमारी के दौरान 25 लाख रुपये नकद और निवेश से संबंधित दस्तावेज मिले हैं. विनोद सिंह के मोबाइल से नेताओं और अफसरों के साथ वाट्स ऐप चैट डिटेल मिले हैं. बताया जा रहा है कि ईडी की छापेमारी से पहले विनोद सिंह का कर्मचारी राकेश कुमार कई दस्तावेज लेकर फरार हो गया.

खुडानिया के बैंक खातों के संचालन पर लगी रोक

ईडी ने साहिबगंज के पत्थर कारोबारी कन्हैया खुडानिया के ठिकाने से 30 बेनामी बैंक अकाउंट मिले हैं. सभी अकाउंटों का नंबर सीरीज में है. सभी अकाउंट से जुड़े चेक बुक जब्त किये गये हैं. ईडी ने केनरा बैंक के इन सारे खातों को संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गयी है.

पूर्व विधायक राजकिशोर यादव को समन

ईडी की टीम ने पूर्व विधायक राजकिशोर यादव और कोलकाता के अभय सरावगी को पूछताछ के लिए समन जारी किया है. ईडी के छापेमारी के के समय दोनों मौके पर मौजूद नहीं थे.

पिंटू के घर 14 घंटे छापेमारी, महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त, आज होगी पूछताछ

सीएम के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद के शिवपुरी स्थित आवास पर ईडी की छापेमारी बुधवार की देर रात 10:30 बजे खत्म हो गई. ईडी की टीम बुधवार की सुबह 6 बजे अभिषेक प्रसाद के रातू रोड के शिवपुरी स्थित आवास पर पहुंचकर छापेमारी शुरू कर दी थी. छापेमारी करीब 14 घंटे तक चली. इस छापेमारी के दौरान ईडी ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं. इसके अलावा ईडी टीम एक प्रिंटर मशीन भी अपने साथ ले गई. छापेमारी के दौरान ईडी ने प्रेस सलाहकार से कई सवाल भी पूछे हैं. फिलहाल ईडी सभी जब्त कागजात की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई करेगी. ईडी के अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में गुरुवार को भी पूछताछ होगी.

सत्ता के करीबियों पर ईडी की दबिश से राजनीति में हलचल

ईडी की टीम ने बुधवार सुबह से ही सीएम हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू, साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव समेत उनके कई करीबियों के ठिकानों पर छापेमारी से राजनीतिक हलचल बढ़ गयी है. एक ओर जहां सीएम हेमंत सोरेन ने सहयोगी दलों के विधायकों के साथ बैठक कर विपक्ष को यह संदेश देने की कोशिश की है कि वे निश्चंत हैं, साथ ही पूरा गंठबंधन उनके साथ खड़ा है. विपक्ष को करारा जबाव देने के लिए पूरा गंठबंधन एकजुट है.

पत्थर से कूचकर हत्या की दोनों आंखें भी निकाल ली

संवाददाता। लापुंग (रांची)

लापुंग थाना क्षेत्र के घघारी धाम जाने वाली सड़क किनारे स्थित महुआ गड़हा नामक स्थान पर एक अज्ञात युवक की पत्थर से कूचकर निर्मम हत्या कर दी गयी. युवक की दोनों आंखें भी निकाल ली गयी हैं. हत्या और शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गयी. सूचना पाकर लापुंग व बेड़ो पुलिस की टीम घटनास्थल पहुंची. पुलिस ने शव की शिनाख्त के लिए आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की, लेकिन देर रात तक शव की पहचान नहीं हो पायी थी. इधर घटना की सूचना पाकर ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो, बेड़ो एसएसपी रजत मणि बाखला, बेड़ो थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेंब्रम, लापुंग थाना प्रभारी सूर्यकांत कुमार ने घटनास्थल पहुंचकर हत्या के कारण का पता लगाने और अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर छानबीन में जुटे रहे. लापुंग पुलिस ने डॉग स्क्वाड व फॉरेंसिक जांच की टीम को भी बुलाया गया. लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया. पुलिस ने लोगों से अपील की है कि शव की पहचान होने पर पुलिस को खबर करें.

लापुंग के घघारी जंगल में घटना स्थल पर पड़ा युवक का शव.

सीबीएसई नई शिक्षा नीति के अनुसार केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड स्कूलों के नियम में बदलाव

बच्चों के रिपोर्ट कार्ड पर अब अभिभावक देंगे फीडबैक

तरुण कुमार चौबे। रांची

सीबीएसई स्कूलों में नयी शिक्षा नीति के अनुसार अब बच्चों की रिपोर्ट कार्ड पर अभिभावकों का फीडबैक लिया जाएगा. सीबीएसई के द्वारा जारी पत्र के अनुसार बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक और अभिभावक दोनों अपनी-अपनी जिम्मेदारी को मिलकर निभाएंगे. इस नीति के लागू होने के बाद अभिभावक बच्चों की ज़िम्मेदारी में पूरी तरह से हिस्सा ले सकेंगे. ताकि आगे बच्चे अपनी आने वाली कक्षाओं में बेहतर कर सकें. नयी नीति के अनुसार, यह मॉडल अगले सत्र से लागू किया जाएगा. इस पहल के लिए सभी स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है.

इस मूल्यांकन के लिए दो प्रोटोटाइप विकसित किए गए थे. जिसमें आयु 3 से 6 वर्ष के बच्चों के समग्र विकास के लिए मानचित्र के माध्यम से पढ़ाया जाएगा. यह मानचित्र उम्र के अनुसार ध्यान देने के साथ, बच्चे की प्रगति को नियमित और रचनात्मक बनाने में सहायता प्रदान करेगा. रिपोर्ट कार्ड में बच्चे और उसके माता-पिता की जानकारी शामिल होगी. इस माध्यम से बच्चे का सभी पक्षों से मूल्यांकन हो सकेगा.

स्कूलों को सूचित कर दिया गया है : प्रिंसिपल

फिरायालाल पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल नीरज कुमार सिन्हा ने कहा कहा कि बोर्ड के संशोधन के बारे में स्कूलों को सूचित कर दिया गया है. इसके लिए शिक्षकों को संबंधित प्रशिक्षण मिलना शुरू हो चुका है. यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि बच्चे छह से सात घंटे ही स्कूल में बिताते हैं. शेष समय उनके माता-पिता के प्रभाव में होता है. बच्चों के विकास में माता-पिता को शामिल करना महत्वपूर्ण सकारात्मक परिवर्तनों को प्रेरित करने की क्षमता रखता है. सिन्हा ने आगे कहा कि फीडबैक प्रणाली की शुरुआत एक सर्वांगीण शिक्षा को बढ़ावा देने के नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप है. यह न केवल अकादमिक उत्कृष्टता, बल्कि छात्रों के समग्र विकास पर भी ध्यान केंद्रित करता है.

अभिभावकों का क्या कहना है

जेएमएम श्यामली में चौथी कक्षा की छात्रा तान्या की माता सरिता दुबे ने कहा कि इस कदम से हर छात्र की अलग प्रतिभाओं और क्षमताओं के बारे में अभिभावक को पता चलेगा. इससे वह अपने बच्चों की हर कमी पर ध्यान देकर उसे ठीक कर सकेंगे. डीएवी आलोक में चौथी कक्षा के छात्र आयुष वर्मा की मां सुनीता रानी ने कहा कि इस नई नीति के तहत, माता-पिता अपने बच्चों के संपूर्ण विकास में अपनी भागीदारी दे सकेंगे.

ईडी की कार्रवाई से बचने के लिए 7 मोबाइल यूज करता था योगेंद्र तिवारी

रेड से पहले डिलीट कर दिया सीसीटीवी व मोबाइल डेटा

- चावल के बोरे में छुपाकर रखा मोबाइल मिला था

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

शराब घोटाला के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी योगेंद्र तिवारी और उसकी अलग-अलग कंपनियों के खिलाफ अब तक हुई जांच में ईडी ने कई अहम खुलासे किए हैं. ईडी ने इस मामले की अब तक की जांच के बाद कोर्ट में जो आरोप पत्र दाखिल किया है, उसमें बताया गया है कि 23 अगस्त को शराब घोटाला से जुड़े केस में जब पहली बार एजेंसी ने योगेंद्र तिवारी के ठिकानों पर छापेमारी की थी, तब एक मोबाइल चावल के बोरे में छुपाकर रखा हुआ मिला था. अलग-अलग जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए थे, लेकिन सीसीटीवी का हार्ड डिस्क रेड से कुछ दिन पहले ही हटा दिया गया था. 23 अगस्त की रेड से कुछ दिन पहले दो लोग एक कार में आये और योगेंद्र तिवारी के ठिकाने से बालू और शराब के कारोबार से जुड़े हुए महत्वपूर्ण फाइल, व्यापार से जुड़े कागजात, कम्प्यूटर और सीसीटीवी का हार्ड डिस्क अपने साथ ले गए.

छापेमारी का आभास था, इसलिए साक्ष्य नष्ट कर दिए : 23 अगस्त 2023 को योगेंद्र तिवारी के यहां हुई रेड में उसके पास से जो मोबाइल बरामद हुआ था, उसका सारा डाटा भी डिलीट किया जा चुका था.

34 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी हुई थी

बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बीते वर्ष 23 अगस्त को योगेंद्र तिवारी के 34 ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी की थी. योगेंद्र तिवारी के देवघर स्थित होटल सिद्धार्थ के सामने स्थित गोदाम, बोम्पास टाउन स्थित डॉ. राजीव पांडेय अस्पताल के पास स्थित आवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी के डी-2 स्थित मेसर्स संथालपरगना बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड और जामताड़ा के दो ठिकानों पर छापेमारी की गई थी.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिन	डॉ संजय कुमार सिंह
सर्जिकल आंकोलॉजी	डॉ अजीत कुमार कुशवाहा
ऑर्थोपेडिक	डॉ विनय प्रभात
कार्डियोलॉजी	डॉ प्रशांत कुमार
टीबी एवं चेस्ट	डॉ ब्रजेश मिश्रा
नेत्र	डॉ दीपक लकड़ा
ऑब्स गायनी	डॉ मीणा मेहता
ईएनटी	डॉ संदीप कुमार
रेडिएशन ऑकोलॉजी	डॉ अनूप कुमार
सीटीवीएस	डॉ अंशुल कुमार
नेफ्रोलॉजी	डॉ प्रज्ञा घोष पंत
सायकेट्री	डॉ अजय बाखला
पीडियेट्रिक सर्जरी	डॉ अभिषेक रंजन

सदर ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिन	डॉ आशुतोष कुमार, डॉ अरुणोदय और डॉ सत्येंद्र
ऑब्स एंड गायनी	डॉ किरण चंदेल, डॉ अनुवी
पीडियाट्रिक	डॉ मृत्युंजय
हेमाटोलॉजी	डॉ अभिषेक रंजन
पीडियेट्रिक सर्जरी	डॉ जैनेंद्र कुमार
कार्डियोलॉजी	डॉ राकेश झा
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी	डॉ प्रकाश भगत
नेफ्रोलॉजी	डॉ नवीन कुमार बर्णवाल

शहर में आज

1. रांची की बेटी पर साउथ सुपरस्टार की प्रेस कांफ्रेंस - प्रेस क्लब में दोपहर 3 बजे
2. प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बैठकों का दौर - सुबह 10.30 बजे से
3. शहर में विभिन्न कार्यक्रम होंगे.

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

लोस चुनाव को लेकर डीपीओ को दी ट्रेनिंग

रांची। आसन्न लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए बुधवार को रांची जिला अंतर्गत गठित सेक्टर में प्रतिनियुक्त सेक्टर एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ डेजिग्नेटेड पुलिस ऑफिसर (डीपीओ) को प्रशिक्षण दिया गया. बिरसा मुंडा फुटबाल स्टेडियम, मोरहाबादी में तय अवधि में डिस्ट्रिक्ट लेवल मास्टर ट्रेनर्स द्वारा सेक्टर एवं पुलिस पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया. इस दौरान सभी सेक्टर दंडाधिकारियों एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को लगातार आपस में संपर्क में रहने, अपने-अपने क्षेत्र में मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर विभिन्न प्रपत्रों को भरने आदि को लेकर अहम जानकारियां दी.

श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा धाम ने गर्म कपड़े बांटे

रांची। एमआरएस श्रीकृष्ण प्रणामी सेवाधाम ट्रस्ट और स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट की रांची शाखा के सयुंक्त तत्वावधान में बुधवार को अभावग्रस्त महिलाओं, पुरुषों व वृद्धों के बीच 250 कंबल, मफलर व ऊनी मोजा का निःशुल्क वितरण किया गया. ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, सज्जन पाडिया,बिष्णु सोनी,विशाल जालान, सुरेश अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, रमेंद्र पांडेय, धीरज गुप्ता, आलोक सिंह, सचिव मनोज कुमार चौधरी आदि ने जरूरतमंदों के बीच गर्म कपड़े बांटे.

शहर भर के पिकनिक स्पॉट, पार्कों और मंदिरों के आसपास के क्षेत्रों और लोकप्रिय स्थलों पर केंद्रित किया गया है ध्यान

निगम का व्यापक सफाई अभियान, जोनल पर्यवेक्षकों को विशेष जिम्मेदारी

संवाददाता। रांची

नए साल के जश्न और बाहर से आने वाले लोग की संख्या में वृद्धि के मद्देनजर रांची नगर निगम ने 31 दिसंबर से शहर भर में व्यापक सफाई अभियान शुरू किया है. इसके तहत शहर भर के पिकनिक स्पॉट, पार्क और मंदिरों के आसपास के क्षेत्रों और लोकप्रिय स्थलों पर ध्यान केंद्रित किया गया है. यह अभियान एक सप्ताह तक जारी रहेगा.

अभियान के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के लिए पिकनिक स्पॉट समेत उत्सव व समारोह के आयोजन वाले स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. इसके लिए शहर भर के 17 पार्कों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है. वहीं 13 से 19 जनवरी तक मोरहाबादी के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में होने वाले एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालीफायर, 2024 की तैयारियों में हॉकी स्टेडियम और इसकी संपर्क सड़कों को कवर करने वाली एक विशेष सफाई अभियान भी चलेगा. शहर भर में पूरी तरह से सफाई के लिए पांच टीमों को विशिष्ट क्षेत्र और मार्गों की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

इसके अलावा जोनल पर्यवेक्षकों को स्टॉपिंग पॉइंट से एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम तक के मार्ग की नियमित रूप से साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया गया है. सफाई कार्यों में कचरा संग्रहण, नाली की सफाई, ब्लीचिंग पाउडर और एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव, झाड़ियों की छंटाई और अन्य संबंधित गतिविधियां शामिल हैं. विद्युत शाखा को खराब पड़े स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत करने और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त लाइटें उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया गया है. इसके अतिरिक्त नगर प्रशासक के निर्देशों के अनुसार, नगर निगम मैचों के लाइव प्रसारण के लिए मोरहाबादी मैदान में एलइडी स्क्रीन का भी संचालन करेगा.

स्वच्छ शहर

- महिला ओलंपिक क्वालीफायर को लेकर स्वच्छता पर विशेष जोर दिया
- शहर भर में एक सप्ताह तक जारी रहेगा सफाई अभियान

हम चाहते हैं हमारा शहर स्वच्छ और सुंदर रहे : नगर उप प्रशासक

नगर उप प्रशासक रजनीश कुमार ने कहा कि नया साल पर हम चाहते हैं कि हमारा शहर स्वच्छ और सुंदर रहे. इस पहल के जरिए लोगों को सार्वजनिक स्थानो पर सफाई रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा. स्वच्छता अभियान में सभी के लिए सुखद और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए कचरा संग्रहण, फॉगिंग और सौंदर्यीकरण के प्रयास शामिल हैं.

डस्टबिन रहने के बावजूद उपयोग नहीं करते लोग : सफाईकर्मी

पार्क में काम कर रहे सफाईकर्मी विजय ओरांव ने कहा कि घुमने आने वाले लोगों के कूड़े में पानी के बोतल रैपर, चिप्स के पैकेट और चॉकलेट के रैपर होते है. हालांकि हर पार्क में कूड़ा फेंकने के लिए डस्टबिन भी होते हैं. लेकिन लोगों द्वारा उनका उपयोग नहीं किया जाता है और यत्र-तत्र कचरा फेंक दिया जाता है. ऐसे में सफाई करने के बाद भी पार्क और जलाशय साफ नहीं नजर आते हैं.

कांग्रेस भवन में घंटों चला बैठकों का दौर, बोले झारखंड प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर

आदिवासी विरोधी है केंद्र सरकार

चुनावी मंथन

- झारखंड में जाति आधारित जनगणना कराने की वकालत
- सरना धर्मकोड को लेकर केंद्र पर ध्यान नहीं देने का आरोप

रेहान अहमद। रांची

अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव व झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर अपने दो दिवसीय झारखंड दौरे के क्रम में दूसरे दिन कांग्रेस भवन में कांग्रेस विधायक दल की बैठक की. बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर और कांग्रेस के सभी मंत्री एवं विधायक शामिल हुए. प्रदेश प्रभारी ने सभी विधायकों से संगठन को लेकर विचार-विमर्श किया. बैठक में सभी विधायकों ने अपने सुझाव एवं विचार दिए.

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख ने भी संगठन की मजबूती एवं 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर अपने विचार रखा. झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि सरकार ने ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी का प्रस्ताव विधानसभा से पारित किया. वहीं, लंबे अरसे से लंबित सरना धर्मकोड की मांग को विधानसभा में पारित कर केंद्र की अनुमति के लिए भेजा, किंतु जन आस्था से जुड़े इतने अहम प्रस्ताव पर केंद्र सरकार अब तक कुंडली मार कर बैठी है. यह झारखंड के आदिवासियों के साथ गंभीर विश्वासघात है. इस बात को जनता तक पहुंचाने की जरूरत है.

चुनाव में सीट बंटवारे पर खड़गे लेंगे अंतिम निर्णय

बैठक में प्रस्ताव पारित कर आगामी लोकसभा चुनाव में सीट बंटवारे पर अंतिम निर्णय लेने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अधिकृत किया गया. समिति ने निर्णय लिया कि जिसे भी प्रत्याशी बनाया जाएगा, उसका पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता समर्थन करेंगे और जीत सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करेंगे. प्रभारी ने बोर्ड, निगम एवं अग्रणी संगठनों के प्रमुख के साथ भी बैठक की.

'हैं तैयार हम' के स्लोगन को धरातल पर लाएं : राजेश

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि सभी अग्रणी संगठन के प्रमुख को संगठन निर्माण को लेकर पंचायत स्तर एवं बूथ स्तर तक कमेटी का गठन जल्द कर संगठन को मजबूती प्रदान करें. 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी के स्लोगन 'हैं तैयार हम' को धरातल पर उतारकर 2024 में इंडिया गठबंधन की सरकार केंद्र में बना सके.

उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी चाहते हैं कि झारखंड में भी जातिगत जनगणना करायी जाए, ताकिवंचित लोगों तक सरकारी योजनाओं एवं उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके. झारखंड प्रभारी ने विधायक दल की बैठक के बाद पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी एवं लोकसभा प्रभारियों के साथ बैठक की. इस दौरान 2024 आम चुनाव की रणनीति पर चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया.

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी, उमाशंकर अकेला, अंबा प्रसाद, सोनाराम सिंकू, रामचंद्र सिंह, भूषण बाड़ा, प्रदीप यादव, शिल्पी नेहा तिर्की, राजेश कच्छप शामिल थे. वहीं पीएसी की बैठक में प्रणव झा, प्रदीप बलमुचू, सुखदेव भगत, प्रदीप यादव, जलेश्वर महतो, शहजादा अनवर, फुरकान अंसारी, केएन त्रिपाठी, ब्रजेंद्रप्रसाद सिंह, कालीचरण मुंडा, भीम कुमार, संजय लाल पासवान शामिल थे. लोकसभा संयोजक एवं प्रभारी में मणिशंकर, केएन झा, जयशंकर पाठक, अनवर अहमद अंसारी, ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह, अजय दुबे, अनादि ब्रह्म, केशव महतो, कमलेश, रमा खलखो, प्रदीप तुलस्यान, अशोक चौधरी शामिल थे. अग्रणी संगठन में अमूल्य नीरज खलखो, मानस सिन्हा, मदन मोहन शर्मा, अभिजीत राज, गुंजन सिंह, आमीर हाशमी, अभिलाष साहू आदि थे.

कुशल संगठनकर्ता थे जयपाल सिंह मुंडा : मीर

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बुधवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में मनाई गई. मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर मुख्य रूप से शामिल हुए. इस अवसर पर झारखंड प्रभारी ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि स्व. जयपाल सिंह मुंडा दृढ़ इच्छाशक्ति वाले एवं कुशल संगठनकर्ता थे.

अपने बुलंद इरादों एवं दृढ़ इक्षाशक्ति के कारण ही उन्होंने खेल के मैदान से लेकर राजनीति में अपनी अमिट छाप छोड़ी है. वहीं, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा को भले ही पहचान एक आदिवासी नेता के रूप में मिली, पर उनकी शख्शियत ने ये भांप लिया था कि झारखंड अलग राज्य बनाना है, तो सभी को साथ लेकर चलना होगा. बतौर कप्तान उनके नेतृत्व में ही 1928 में भारत पहली बार हॉकी में चौंपियन बना था. मरांग गोमके जयपाल सिंह के द्वारा आरंभ किए गए आंदोलन के कारण ही अलग झारखंड राज्य की मांग पूरी हुई, जो अंततः अलग राज्य के रूप में परिणत हुआ.

मौके पर विधायक अनूप सिंह, अमूल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, केदार पासवान, मोबीन अंसारी, मो. अख्तर, डेविड तिर्की, नीरज भोकता, जगदीश साहू, सुरेन राम, दामोदर राम, पप्पू पासवान, सुबोध गुप्ता, प्रेम कुमार, मो इकबाल, कुशकान्त, मुरली मनोहर, अहमद रजा, रामानंद केशरी, भूषण कुमार आदि कांग्रेसी मौजूद थे.

श्रद्धासुमन अर्पित

- प्रदेश कांग्रेस ने मनाई जयपाल सिंह मुंडा की जयंती
- आंदोलन के कारण पूरी हुई झारखंड की मांग : ठाकुर

प्रोजेक्ट भवन और नेपाल हाउस में काम कम और राजनीति की बातें ज्यादा

रांची। प्रोजेक्ट भवन और नेपाल हाउस में बुधवार का दिन कई मायनों में अहम रहा. काम काज कम, लेकिन सूबे की राजनीति की बातें खूब जमकर हो रही थी. कमोबेश सभी विभागों के बाबू अपने अपने तर्क देने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे थे. कोई कह रहा कि सरकार अब गई. एक तर्क यह भी था कि ऐसा कुछ नहीं होगा. सब ऐसे ही चलता है. ईडी के एक्शन पर खूब बातें हो रही थीं. सभी अपने-अपने सूत्रों से दिनभर की गतिविधि का फीडबैक भी ले रहे थे.

चर्चा गर्म

- सबके अपने-अपने तर्क, ईडी के एक्शन पर खूब हुईं बातें
- ब्यूरोक्रेट्स भी अपने विश्वस्त सूत्रों से ले रहे थे फीडबैक

अपने चैंबर में टीवी पर नजरें टिकाए हुए थे कई ब्यूरोक्रेट्स

दोपहर 12 बजे तक प्रोजेक्ट भवन में चहलकदमी अन्य दिनों की अपेक्षा कम दिखाई दी. वित्त विभाग के अफसर कामकाज में जुटे थे. इसकी वजह यह है कि बजट की तैयारी की जा रही है. वहीं कई ब्यूरोक्रेट्स अपने कक्ष में लगे टीवी पर नजरें टिकाए बैठे थे. कई अफसर अपने पुख्ता सोर्स से फीडबैक भी ले रहे थे. चर्चा सिर्फ एक ही बात पर अटकी थी कि सरकार रहेगी या जाएगी.

कई अफसर दिख रहे थे हलकान मोबाइल पर भी टिकी रही नजरें

मंत्रालय में कई अफसर हलकान भी नजर आए. सरकार में नए चेहरे की बात पर सभी के अपने-अपने तर्क थे. एक अफसर का कहना था कि चेहरा कोई भी हो, सिस्टम से ही काम होता है. कई अफसर गठबंधन दल की बैठक की भी चर्चा करते नजर आए. वहीं दोपहर में धूप सेंक रहे कर्मियों की नजरें मोबाइल पर ही टिकी हुई थी. पल पल मोबाइल में ईडी की कार्रवाई का अपडेट देखते नजर आए.

भू-अर्जन पदाधिकारी ने किया अधिग्रहित भूमि का निरीक्षण

संवाददाता। रांची

डीसी राहुल कुमार सिन्हा के निर्देश पर बुधवार को जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, रांची सुनील कुमार चंद्र ने कटहल मोड़-अरगोड़ा सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत अधिग्रहित की जा रही भूमि का निरीक्षण किया. इस परियोजना अंतर्गत कुल तीन मौजा- अरगोड़ा, पुंदाग व गुटवा की कुल 5.669 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है.

जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सुनील कुमार चंद्र ने अधिग्रहित की जा रही कुल भूमि का निरीक्षण किया. मौजा पुंदाग के रैयतों द्वारा समर्पित दावा पत्रों का निष्पादन भी किया. उन्होंने वंशावली और भूमि निरीक्षण करते हुए 20 रैयतों द्वारा समर्पित दावा पत्रों का निष्पादन किया. मौजा पुंदाग के कुल 109 दावा पत्र प्राप्त हुए हैं, जिसकी जांच अलग-अलग स्तर पर चल रही है. जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने कहा कि अरगोड़ा एवं गुटवा में भी मुआवजा राशि का भुगतान कार्य शुरू है.

विभागीय कार्य

- कटहलमोड़-अरगोड़ा सड़क चौड़ीकरण में हो रहा अधिग्रहण
- मौजा पुंदाग के रैयतों के 109 दावा पत्रों का किया निष्पादन

राष्ट्रीय पुस्तक मेले में लेखन यात्रा से रू-ब-रू हुए पुस्तक प्रेमी

3 लेखकों की पुस्तकों का लोकार्पण

संवाददाता। रांची

स्थानीय जिला स्कूल मैदान में समय इंडिया, नई दिल्ली के तत्वावधान में जारी राष्ट्रीय पुस्तक मेला में बुधवार को दो कार्यक्रम हुए. पहला कार्यक्रम था, लेखक से मिलिए. इस कार्यक्रम में डॉ. अशोक प्रियदर्शी, डॉ. श्रीराम दुबे, कहानीकार पंकज मित्र और कवयित्री डॉ. ममता बनर्जी मंजरी विशेष रूप से उपस्थिति रहीं. इन लेखकों ने अपनी लेखन यात्रा से पुस्तक प्रेमियों को रूबरू कराया और कहा कि लेखन यात्रा एक कठिन यात्रा है. इसके लिए लेखक में संवेदना का होना अपेक्षित है.

अध्यक्षता करते हुए डॉ. अशोक प्रियदर्शी ने कहा कि बिना संवेदना के साहित्य का सृजन नहीं हो सकता. डॉ. श्रीराम दूबे ने कहा कि साहित्य समाज का सच्चा दस्तावेज है.डा पंकज मित्र ने कहा कि रचना प्रक्रिया अपने आप में शिष्ट और विशिष्ट होती है. डॉ. ममता बनर्जी मंजरी ने कहा कि लेखन रचनाकार की आत्मा की अभिव्यक्ति होता है. आगत अतिथियों का स्वागत मेला संयोजक डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय, संचालन अशोक कुमार प्रमाणिक और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. चंद्रमणि किशोर ने किया.

दूसरा कार्यक्रम संध्या 4:00 बजे प्रारंभ हुआ, जिसमें तीन साहित्यकारों की पुस्तकों का विमोचन हुआ. उनमें उर्मिला सिन्हा का समय प्रकाशन से प्रकाशित उपन्यास 'एक गाँव की कहानी', डॉ. श्रीराम दूबे की पांच कृतियां -महुआ बाग, जंगल सब जानता है, भज्जो, नाचनी, (उपन्यास) भगवान परशुराम (महाकाव्य), डॉ. निर्मला कर्ण का कहानी संकलन दुख का क्रेता तथा उपन्यास कथा एक मासूम की शामिल हैं. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष, डॉ. नागेश्वर सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता डा अशोक प्रियदर्शी ने की. विशिष्ट अतिथि डा ममता बनर्जी मंजरी और कार्यक्रम के संयोजक डॉ. जंग बहादुर पांडेय थे. संचालन डॉ. कमल कुमार बोस और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. हीरा लाल ने किया.

ठंड के बीच सियासी पारा गर्म

रांची। बुधवार को कड़ाके की ठंड के बीच झारखंड का सियासी पारा काफी गर्म रहा. ईडी की कार्रवाई के बीच रांची में सीएम आवास में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के सहयोगी दलों के विधायकों की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता सीएम हेमंत सोरेन ने की. मंत्री आलमगीर आलम, जोबा माझी, बादल पत्रलेख, बेबी देवी, सत्यानंद भोक्ता समेत अन्य विधायक मौजूद रहे. सभी विधायकों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का समर्थन कर एकजुटता दिखाई.

सीओ और एसी ऑफिस में चलती थी रौशन की हनक

रांची। ईडी की टीम ने जिन-जिन लोगों के यहां छापेमारी की, उनमें ज्यादातर चेहरे चर्चित हैं. लेकिन रौशन अब तक लाइम लाइट से दूर रह कर चुपचाप काम करने वाला नाम है. रेड के बाद रौशन को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है. लोग बताते हैं कि रौशन ने पिछले कुछ वर्षों में रांची में अपना अलग साम्राज्य स्थापित कर लिया है. पूर्व डीसी और लैंड स्कैम के आरोप में जेल में बंद छवि रंजन के कार्यकाल में जिला प्रशासन और रेवन्यू से जुड़े सभी अफसरों को रौशन का कहना मानना ही पड़ता था. रौशन की हनक का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि रांची के प्रमुख अंचल नामकुम, ओरमांझी, रातू, कांके, हेहल, अरगोड़ा और नगड़ी के अलावा एसी कार्यालय में वह बे- रोक -टोक घुसता था. सत्ता के करीबी लोगों के नाम का धौंस दिखा अपना काम कराने के लिए बाध्य करता था.

गतिरोध मोटर कामगार यूनियन की नगर कमेटी ने बिरसा मुंडा बस टर्मिनल में किया प्रदर्शन

हिट एंड रन कानून वापस हो, नहीं तो आंदोलन तेज होगा : एक्टू

जमकर नारेबाजी

- न्याय से ज्यादा अन्याय पर आधारित है कानून : केवट
- तीन दिनों की हड़ताल तो सिर्फ झांकी है : रवि मिंज

संवाददाता। रांची

केंद्र सरकार के हिट एंड रन कानून के विरोध में ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियन (एक्टू) से संबद्ध मोटर कामगार यूनियन की रांची नगर कमेटी ने बुधवार को बिरसा बस टर्मिनल खादगढ़ा में प्रदर्शन किया. साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री को स्मार पत्र भेज कर इस कानून वापस लेने की मांग की. इस दौरान यूनियन से जुडे.चालक एवं उप चालकों ने काला कानून वापस लो, बीमा कंपनियों को छूट ड्राइवरों से लूट नहीं चलेगी आदि नारे लगाए. वहीं, देश भर में जारी ट्रांसपोर्ट व बस चालकों के आंदोलन का समर्थन किया. ऐक्टू के प्रदेश सचिव भुवनेश्वर केवट ने कहा कि केंद्र सरकार की न्याय संहिता और इससे जुड़ा न्यू मोटर व्हीकल एक्ट न्याय से ज्यादा अन्याय पर आधारित है, मामूली तनख्वाह पाने वाले चालकों पर 10 साल की सजा और 7 लाख तक जुर्माना की राशि तय करना कहीं से भी नीतिसंगत नहीं है. जब तक यह कानून वापस नहीं होगा, देशव्यापी आंदोलन और तेज होगा. मोटर कामगार यूनियन के रांची नगर अध्यक्ष रवि मिंज ने कहा कि तीन दिनों की हड़ताल तो एक झांकी है. मोटर कामगारों के आंदोलन को मोदी सरकार नहीं समझी, तो आने वाले दिनों में अच्छे दिन के बजाए बुरे दिन देखने होंगे.

एक्टू केंद्र सरकार से मांग करती हैं कि मोटर व्हीकल एक्ट की पारित हिट एंड रन कानून को अविलंब वापस लेकर चालकों के साथ न्याय करें. प्रर्दशन में एक्टू नेता किशोर खंडित, भीम साहू, एनामुल हक भीम साहू, सिकंदर राम, सुबोल होरो, पप्पू सिंह, असीम कुजूर, अजीत लकड़ा, जब्बार अंसारी, कमलेश ठाकुर, किशोर खंडित, गंगाधर महतो आदि शामिल थे.

मरांग गोमके की जयंती पर फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता। रांची

केंद्रीय सरना समिति के द्वारा बुधवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जंयती के शुभ अवसर पर तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा, मुख्य पहान जगलाल पहान ने संयुक्त रूप से मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर किया.

इसके बाद नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने फुटबॉल को किक मारकर खेल का शुभारंभ किया. शुरुआती मैच जय मसीह क्लब बरियातू और आदिवासी क्लब पंडरा के बीच खेला गया. इसमें आदिवासी क्लब पंडरा की टीम 3-0 से विजयी रही. दूसरा मैच अनस क्लब कांके एवं नाइन बुलेट क्लब कवली के बीच खेला गया. इसमें नाअन बुलेट क्लब की टीम 2-1 से विजयी रही.

जयपाल सिंह मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी

रांची। झारखंड आदिवासी विकास समिति ने बुधवार को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर अध्यक्ष प्रभाकर नाग ने कहा कि झारखंड आंदोलन के प्रणेता संविधान सभा सदस्य एवं देश को ओलंपिक का पहला स्वर्ण पदक दिलाने वाले मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के साथ ऐतिहासिक अन्याय किया गया है. झारखंड आदिवासी विकास समिति ने 2020 में जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम की दयनीय दशा को उजागर किया था. तत्कालीन नगर उपायुक्त शंकर यादव के सहयोग से स्टेडियम के कायाकल्प में प्रमुख भूमिका समिति ने निभाई है. मौके पर बिरसा टोप्पो, प्रेम तिर्की, मनोज कच्छप, बसराय लिंडा, सुकरा उरांव, प्रदीप कुमार की भूमिका थी.

अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा : दीपोत्सव मनाने के आग्रह के साथ महावीर मंडल रांची के प्रतिनिधियों ने किया रांची नगर के घर-घर पहुंचने का अभियान प्रारंभ

पूजित अक्षत बांट कर दिया रामलला की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए निमंत्रण पत्र

संवाददाता ।रांची

महावीर मंडल रांची के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा ने अयोध्या से आये पूजित अक्षत दे कर लोगों से 22 जनवरी को दीपोत्सव मनाने का आग्रह किया. राजीव रंजन ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण-प्रतिष्ठा ऐतिहासिक क्षण है. अयोध्या में आयोजित प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को भव्य बनाने के लिए घर-आंगन के साथ आस-पास के मंदिरों में भी दीप जलाकर उत्सव मनायें. अशोक पुरोहित, लंकेश सिंह, सुजीत सिंह, गोपाल पारीक, संजय सिंह लल्लू, राजेश अग्रवाल, उपेन्द्र रजक, राम मनोज साहू, साहिल कुमार, सुमित साहू, जैमिश तिग्गा, दुर्गा साहू, संजीव सोनी, अमित सिंह, इंदर सिंह, रमेश केडिया, टिंकू महतो निमंत्रण बांटने वालों में मुख्य रूप से शामिल रहे. अभियान में मुख्यरूप से श्री महावीर मंडल रांची के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा एव अध्यक्ष अशोक पुरोहित, श्रीराम वानर सेना के अध्यक्ष लंकेश सिंह, हिन्दू जागरण मंच के महानगर अध्यक्ष सुजीत सिंह एवं चैती दुर्गापूजा महासामिति के महामंत्री सह विश्व हिन्दू परिषद के महानगर उपाध्यक्ष गोपाल पारीक एवं कोषाध्यक्ष संजय सिंह लल्लू उपस्थित थे.

मिश्रा ने बताया अयोध्या से आये पूजित अक्षत को घर-घर तक श्री महावीर मंडल के द्वारा पहुंचाने का कार्य किया जाएगा. अभियान के दौरान श्री महावीर मंडल ने सभी सनातनी भाइयों एवं बहनों से 22 जनवरी 2024 को श्री रामनवमी जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर दीप जलाकर दीपोत्सव मनाने को कहा. मिश्रा ने आह्वान किया है कि 22 जनवरी 2024 अपने अपने घर मे दीवाली के तर्ज पर दीप जलायें और भव्य दीपोत्सव मनायें. कार्यक्रम में प्रतापनगर कार्यक्रम संयोजक राजेश अग्रवाल, उपेन्द्र रजक, राम मनोज साहू, साहिल कुमार, सुमित साहू, जैमिश तिग्गा, दुर्गा साहू, संजीव सोनी, अमित सिंह, इंदर सिंह, रमेश केडिया, टिंकू महतो उपस्थित थे.

हिंदू संगठनों ने बांटा अयोध्या से आया अक्षत व निमंत्रण पत्र

रांची। राजधानी के विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा तीसरे दिन बुधवार को भी अयोध्या से आया पूजित अक्षत और निमंत्रण पत्र बांटा गया. लोगों से 22 जनवरी को दीपोत्सव मनाने की अपील की गयी. विहिप के प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह ने कहा कि यह स्वर्ण अवसर हमें मिला है. श्रीराम के कार्य में हम तन-मन और धन से समर्पित होकर कर रहे हैं. हमारा लक्ष्य है कि कोई भी घर निमंत्रण से न छूटे. अभियान की कड़ी में प्रधान लेखागार राजकुमार अग्रवाल और कार्यालय में उपस्थित थोक वस्त्र विक्रेता संघ के सभी सदस्यों को

निमंत्रण दिया गया. संघ के अध्यक्ष विक्रम खेतावत, मानद सचिव प्रमोद सारस्वत, उपाध्यक्ष अमरचंद बेगानी, सह- सचिव हैप्पी किंगर, कोषाध्यक्ष सौरभ कटारूका, पूर्व अध्यक्ष अजय बथवाल ,अनिल जालन ,राजेश कंदोई, विमल जैन, विक्रम जैन, ओम खेतावत, विपुल जैन, उमाशंकर कनोडिया आदि ने निमंत्रण प्राप्त कर हर्ष व्यक्त करते हुए विहिप और अन्य हिंदू संगठनों के इस कार्य की सराहना की. रंगनाथ महतो, राजेश अग्रवाल, मनोज पोद्दार, दीपक ठाकुर, किशुन झा, प्रिंस अजमानी, कुमार गौरव, प्रताप, योगेश खेदवाल , अजय राजगढ़िया आदि अभियान में मुख्य रूप से शामिल थे.

खास बातें

- प्रधान लेखाकार राजकुमार अग्रवाल किये गये आमंत्रित
- कोई भी घर निमंत्रण से वंचित न रहे, इस पर ध्यान

जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार समारोह में 78 खिलाड़ी सम्मानित

मरांग गोमके के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता : डॉ. महुआ

संवाददाता।रांची

जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार 2023

मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जंयती पर उम्मीद फाउंडेशन ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले खिलाड़ियों, कोच व खेल को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं को पुरस्कृत किया. बुधवार को सीएमपीडीआई के मयूरी हॉल में आयोजित जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार 2023 समारोह में कुल 78 खिलाड़ियों, कोच व संस्थाओं को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया. समारोह में जयपाल सिंह मुंडा खेल रत्न पुरस्कार, गुरु सिलवानुस डुंगडुंग पुरस्कार, गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार, भगवान बिरसा मुंडा साहसिक पुरस्कार और झारखंड खेल प्रोत्साहन पुरस्कार दिये गये.

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने खिलाड़ियों, कोच व संस्थाओं को सम्मानित किया. उन्होंने जयपाल सिंह मुंडा के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को दिखाया, खेल व राजनीति में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है. महुआ ने कहा कि राज्य के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा से झारखंड और देश का नाम रौशन कर रहे हैं. फाउंडेशन सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ा रहा है. फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष रितेश उरांव ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा का खेल के क्षेत्र में उनका योगदान सराहनीय है. फाउंडेशन उनकी जंयती पर खिलाड़ियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया है, ताकि वे और बेहतर प्रदर्शन कर झारखंड व देश का नाम रौशन करें.

मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सोनू खलखो, नंदलाल नायक, राम अवतार केरकेट्टा, मनोज कुमार यादव, सोमनाथ मुंडा, संगीता तिर्की, मुकेश भगत आदि शामिल थे. संचालन संस्थापक सचिव निरंजन भारती, धन्यवाद ज्ञापन केंद्रीय अध्यक्ष प्रदीप मिर्धा ने किया.

इन्हें मिला जयपाल सिंह मुंडा खेल रत्न पुरस्कार 2023 : दीप्ति कुमारी, विजय हांसदा, अंकित टोप्पो, सपना कुमारी, फ्लोरेंस बारला, आशा किरण बारला, श्रीकांत साहू, छोटी कुमारी, सुनील बहादुर, कृष्णा खलको, दिनेश कुमार वर्णवाल, मोहम्मद वसीम, कोमलिका बारी, विकास बारा, शिवानी टोप्पो, अश्वनी सिंह, अमिशा केरकेट्टा, नारायण महतो, चंचला कुमारी, अमिशा उरांव. रूपा रानी तिर्की, गुरु चरण बेसरा, निशांत तिर्की, शशांक महतो, आकाश उरांव, गीता कुमारी, विशाल बहादुर, विशाज कुमार, लवली चौबे, अनु सेठ, निशिमा कुमारी, आदित्य कुमार, अंकिता भगत, दिव्यम मंडल, नोवल टोप्पनो, जोसफ टोप्पनो, रानी मुन्नी, लवली कुमारी, दीप्ति कुल्लु, अलबेला रानी, ममता कुमारी, सिमरन कुमारी, सुशांत उरांव, विकास उरांव, ललिता बोपयी, अंजू टुडु.

गुरु सिलवानुस डुंगडुंग पुरस्कार 2023 : हरेंद्र कुमार सिंह, चंद्रवेश्वर साहू, दीपक गोप, आंनद गोप, मनोज प्रसाद, एडम होरो, ज्योति साहू, अनवर खान, आशु भाटिया और संजीव कुमार.

गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार 2023 : मधुकांत पाठक, जयदीप सरकार, बीएस राव, पूर्णिमा महतो, रिजवान अली, गणेश भारती, चंचल भट्टाचार्य, वीणा केरकेट्टा और प्रतिमा बरवा.

भगवान बिरसा मुंडा साहसिक पुरस्कार प्रतीक सिंह आदि को दिया गया.

न्यूज अपडेट

देश की पहली महिला शिक्षिका की जयंती मनाई

खूंटी । मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में बुधवार को देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं समाज सेविका सावित्रीबाई फुले की जयंती महिला मुक्ति दिवस के रूप में मनाई गई. कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर पुष्प अर्पित तथा माल्यार्पण कर किया गया. संस्थान के निदेशक सकलदीप भगत ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को संबोधित किया और कहा कि सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था. फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं. उन्होंने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया, जिसका उद्देश्य था विधवा विवाह कराना, छुआछूत मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और दलित महिलाओं को शिक्षित बनाना. उनके संघर्ष ने महिलाओं को आत्मविश्वास, स्वावलंबन और समानता की भावना से परिपूर्ण किया. उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक किया और उन्हें स्वतंत्र निर्णय लेने की प्रेरणा दी.

मौलाना आजाद कॉलेज के नए प्राचार्य का स्वागत

रांची। झारखंड छात्र कल्याण परिषद ने बुधवार को मौलाना आजाद कॉलेज के नए प्राचार्य परवेज अख्तर का स्वागत किया. डॉ अनिता सिंह के

प्राचार्य पद से सेवानिवृत्त होने के बाद परवेज अख्तर ने प्रभारी प्राचार्य के तौर पर अपना योगदान दिया है. इस रान उन्होंने कहा कि कॉलेज का विकास एवं छात्रों को बुनियादी सुविधाओं के साथ शिक्षा देना पहली प्राथमिकता होगी. मौके पर झारखंड छात्र कल्याण परिषद के अध्यक्ष मो इकबाल, सचिब सबरे आलम, कॉलेज के इंटर इंचार्ज मौलाना डॉ ओबैदुल्लाह कासमी आदि शामिल थे.

अनुशासन है विद्यार्थियों का गहना : निर्वाणप्रज्ञा

रांची। विद्यार्थियों के लिए अनुशासन और संयम गहने के समान हैं। इसके अभाव में सफलता निरर्थक है. उक्त बातें श्वेतांबर जैन तेरापंथ धर्म संघ के

आचार्य श्रीमहाश्रमण की विदुषी समणी डॉ निर्वाणप्रज्ञा ने कही. वे बुधवार को दिन के दस बजे डोरंडा कन्या पाठशाला में छात्राओं को अपना आशीर्वचन प्रदान कर रही थी. उन्होंने छात्रओं को व्यक्तित्व निर्माण के कई टिप्स देते हुए ज्ञान-ध्यान की बातें भी बतायीं.

इस्मा की शारोन राष्ट्रीय स्कूल खेल के लिए पंजाब रवाना

रांची। इंडियन स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट्स (इस्मा) की ओर से शारोन बेक बुधवार को एसजीएफआई राष्ट्रीय स्कूल खेल के लिए लुधियाना, पंजाब

रवाना हुई. खेलो झारखंड के तहत हुए खेलों में से कराटे खेल से चयनित शारोन बेक अंडर 19 में, - 45 किलोग्राम के वर्ग में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेगी. कराटे प्रशिक्षक, तथा सहायक मीडिया प्रभारी (इस्मा) लालचंद लोहार ने बताया कि इससे पूर्व दिल्ली में हुए एसजीएफआई,अंडर 14 में लक्की तिर्की व अंडर 17 में नेहा कुमारी तथा क्रिस्पिन लकड़ा ने झारखंड की ओर से प्रतिनिधित्व किए, खेलो झारखंड से खिलाड़ियों का मान बढ़ाने के लिए इस्मा सराहना करती है.

मिड सेमेस्टर के अंक जमा किये बिना नहीं भर पाएंगे फॉर्म

रांची । रांची विश्वविद्यालय के अंदर आने वाले सभी पीजी डिपार्टमेंट, वोकेशनल डिपार्टमेंट और कॉलेजों को मिड सेमेस्टर की परीक्षा समय पर लेनी होगी. विभाग कॉलेज और वोकेशनल डिपार्टमेंट परीक्षा के अंक को परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि के पहले विश्वविद्यालय में जमा करना होगा. इसके बिना फार्म नहीं भर पाएंगे.

ब्रीफ खबरें

नागरिक समिति 13 को मनाएगी लोहड़ी

रांची । नागरिक समिति धूमधाम से लोहड़ी पर्व मनायेगी. टेलीफोन एक्सचेंज रोड, बड़ालाल स्ट्रीट के पास शाम छह बजे इसका आयोजन किया जायेगा. इसमें सांसद संजय सेठ, विधायक सीपी सिंह और संजीव विजयवर्गीय सहित एफजेसीसीआई के अध्यक्ष किशोर मंत्री मुख्य रूप से हिस्सा लेंगे. समिति के बैनर तले पिछले 35 सालों इसका आयोजन किया जाता है. स्वर्गीय अशोक नागपाल ने इसकी शुरुआत की थी.

आरयू के पेंशनर्स के एरियर का भुगतान

रांची। रांची विश्वविद्यालय ने 2006 से 2010 के बीच के पेंशनर्स का एरियर राशि 7.81 करोड़ रुपये का भुगतान किया. इस संबंध में कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि अदालत के आदेशानुसार 332 पेंशनर्स को उनके बकाया एरियर मद के कुल 7.81 करोड़ की राशि का भुगतान कर दिया गया है. यह एरियर राशि 6 प्रतिशत सूद के साथ दी गयी है. उन्होंने कहा कि कुछ और पेंशनर्स से संपर्क किया जा रहा है, उन्हें भी जल्द ही एरियर का भुगतान कर दिया जाएगा.

युवाओं ने लिया नए साल में नया संकल्प

संवाददाता ।रांची

न्यू इयर में आम तौर पर लोग दोस्तों के साथ पार्टी, घूमना, मस्ती करना आदि पसंद करते हैं. उनकी कोशिश रहती है कि कुछ नया किया जाये. वहीं कुछ युवा ऐसे भी हैं, जो अपने आपसे रिजॉल्यूशन लेकर नए साल की शुरुआत करते हैं. न्यू इयर में युवाओं ने अपने आपसे पढ़ाई के प्रति ईमानदार बनने का रिजॉल्यूशन लिया. पुरानी गलतियों से सीख लेकर नए साल में उसे बेहतर करने का संकल्प लिया. उनमें प्रमुख है हमेशा सकारात्मक विचारों की अवधारणाओं को जीवन में ला कर आगे बढ़ने का संकल्प. जीवन में मेहनत और ईमानदारी से जीवन जीने का संकल्प.

- संत अन्ना में पढ़ रही छात्रा नैना उरांव ने कहा कि उनका रिजॉल्युशन यह है कि हमेशा सकारात्मक सोचो, क्योंकि नकारात्मक सोचने के लिए बहुत सारे लोग हैं.
- उर्सलाइन की छात्रा रोज पुष्पा जीन्को ने नए साल में अपने डर को पीछे छोड़ आगे आकर शिक्षक से सवाल और जवाब करने का संकल्प लिया.
- संत अन्ना की पढ़ रही छात्रा रेशमी ने पढ़ाई में फोकस कर आगे बढ़ने और एक अच्छा जीवन के लिए मेहनत करने का संकल्प लिया.
- संत अन्ना की जानकी ने संकल्प लेते हुए कहा कि जो गलतियां 10 वीं की परीक्षा में की थी, उसे न दुहरा कर आगे की पढ़ाई में अच्छे अंक लाकर पास होऊंगी.
- अंशु कुमारी संत अलोइस की छात्रा है. उसका न्यू इयर रिजॉल्युशन पुरानी चीजों को भूल कर अपनी गलतियों के नोट बनाऊंगी और उन गलतियों को दोबारा नहीं दोहराऊंगी. साथ ही बोर्ड के एग्जाम में ज्यादा अंक लाऊंगी.
- संत उर्सलाइन की छात्रा स्तुति पोलिना टोपनो ने पढ़ाई की सभी गलतियों को दोबारा से नहीं दोहराने का संकल्प लिया.

संत अलोइस स्कूल के पूर्ववर्ती छात्रों का गेट टूगेदर

रांची । संत अलोइस हाई स्कूल,पुरुलिया रोड के 1983 बैच के पूर्ववर्ती छात्र बुधवार को सालों बाद एक-दूसरे से मिले. पुरानी यादों को ताजा किया. एक-दूसरे को नये साल की बधाई दी. साथ ही परिवार संग नाच-झूम कर जश्न मनाया. डिप्टीपाड़ा स्थित सुबंश झा कॉम्प्लेक्स में गेट टूगेदर का खास आयोजन किया गया. मौके पर जहां पत्नियों ने डांस परफॉर्म किया, वहीं दोस्तों ने कैरोके पर अस्सी के दशक के गीत गाकर समां बांध दिया. सभी ने स्नैक्स, सॉफ्ट ड्रिंक्स और डिनर का लुत्फ भी उठाया. रोहित वर्मा जो फिलहाल कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क में कार्यरत हैं, कर्नल सत्यरूप भुवनेश्वर से और संजय प्रसाद पटना से इसमें भाग लेने के लिए खास तौर से रांची

आये. इनके अलावे 50 लगभग पच्चास लोग इसमें शामिल हुए. कार्यक्रम का आयोजन बैच के पंकज झा और विजय नायक ने किया. गेट टूगेदर में नरेश पपनेजा, पंकज झा, उदय लाल, विकास कुमार, ज्ञान बर्मन, विकास रंजन, विजय, संतोष विजयवर्गीय आदि सपरिवार शामिल हुए.

रांची में निकाली जाएगी भव्य निशान शोभायात्रा, बहेगी भक्ति की धारा

श्रीजीण माता का दो दिनी 14वां वार्षिकोत्सव छह से

संवाददाता ।रांची

मारवाड़ी भवन, हरमू रोड में मां दुर्गा स्वरूपा श्रीजीण माता जी का दो दिनी 14वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा. इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है. आयोजन स्थल में भव्य पंडाल बनाया जा रहा है. अन्य तैयारियों को भी अंतिम रूप देने में श्रीजीण माता प्रचार समिति के पदाधिकारी और सदस्य लगे हैं. अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि शनिवार को महोत्सव के पहले दिन भव्य निशान शोभायात्रा निकाली जायेगी. लक्ष्मी नारायण मंदिर, सेवासदन पथ से दिन के दो बजे यात्रा शुरू होगी. इसमें 501 निशानधारी श्रद्धालु सहित बड़ी संख्या में माता के भक्त हिस्सा लेंगे.

51 का गजरा और 181 फिट की चुनरी चढ़ाएंगे भक्त

751 महिलाएं करेंगी आदि शक्ति का मंगला पाठ

स्थानीय और बाहर से आये भजन गायक भक्ति का रंग जमायेंगे. यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए आयोजन स्थल पहुंच कर संपन्न होगी. यहां भक्तों द्वारा लाये गये निशान मां को अर्पित किया जायेगा. उन्होंने बताया कि यात्रा का संचालन मारवाड़ी युवा मंच के अमित चौधरी और विकास गोयल करेंगे. महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को दिन के दस बजे माताजी का अभिषेक उत्सव मनाया जायेगा. मुख्य संयोजक विजय पालड़ीवाल और सह संयोजक ओम प्रकाश अग्रवाल बतौर यजमान के रूप में सपरिवार अपने कुल देवी का अभिषेक-पूजन करेंगे. श्रीगणेश के पूजन के बाद दिन के एक बजे से शक्ति मंगल पाठ प्रारंभ होगा. राजस्थानी वेश-भूषा में 751 महिलाएं सस्वर पाठ कर मां की महिमा गायेंगी.

दे रहे योगदान

अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल,उपाध्यक्ष विजय पालरिवाल,सचिव नारायण विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष बजरंग सोमानी,सह सचिव प्रदीप शर्मा, संदीप शर्मा, अमित शर्मा, राजू मित्तल, आनंद अग्रवाल,अमित चौधरी, विनोद अग्रवाल, संदीप विजयवर्गीय, दीपक पोद्दार, सीए संदीप अग्रवाल, सुनीता मित्तल, कविता सोमानी आदि वार्षिकोत्सव को सफल बनाने में अपना मुख्य योगदान दे रहे हैं.

Tender invited for sale/auction of 09 (nine) No of old school Buses above 15 years old.

Tenders are invited from authentic persons/dealer/agency' for sale/auction of 09 (Nine) 15/20 years old school buses. Tenders should be submitted by hand to the O/o the Principal, DAV Public School, Koyla Nagar, Dhanbad (JH) in a sealed envelop in the letter head and typed format duly signed with seal/stamp.Contact details and phone numbers must be noted on the envelop for notification. An A/C payee DD for Rs. 1,25000/- (One lakh twenty-five thousand) in favour of "Principal DAV public School, Koyla nagar (Pupil Fund A/c)" must be enclosed with the Tender, The Tenders of the lowest bidders will be rejected automatically and the cheque/DD/amount will be refunded if not get/awarded the tender. The Cheque/DD/amout will be adjusted with final payment of the highest bidder(s) who will award the Tender Amount of Security will be forfeited if the highest bidder denies to purchase the buses. No partial deal will be allowed. The Staff Members and their blood relatives are not entitled to submit the Tender. **All the School buses must be disposed after hand over by the school management as the registrations have been already cancelled by the competent authority. No buses are allowed to ply on road in any condition.** Last date of submission of tenders is 06" January"2024 upto 2.00 P.M. No Tenders) will be received after 2.00 P.M. on after the due date, Physical verification may be done by the interested person/dealer/agency in the school campus with the permission of the Principal during school time. (9.00a.m. to 3.00 p-m.). Minimum amount of the Tender is Rs. 1,80,000/- (One Lakh Eighty thousand) for each Bus (for 50 seaters -08 Buses) and Rs. 1,00,000/- (One lac) for 32-seater-01 Bus. Tenders/Quotations will be opened on 06" January"2024 at 2.30 p.m. before the Sub-Committee of the school. Result/decision will be displayed through the school website/ Notice Board. Decision of the Sub- Committee will be treated as final.

(N. N. Srivastava)
Principal cum ARO

ब्रीफ खबरें

दो दिनों से लापता युवक का शव बरामद

टंडवा (चतरा)। दो दिनों पूर्व सोमवार देर शाम को अपने गांव से लापता हुए थाना क्षेत्र के गोडवार निवासी 20 वर्षीय विनय उर्फ जागो भुईयां नामक युवक का शव बुधवार सुबह कुएं में तैरता हुआ स्थानीय पुलिस ने बरामद किया. जिसको अपने कब्जे में लेकर अंतपरीक्षण के लिए चतरा भेज दिया. वहीं, संदेह के आधार पर एक युवक को हिरासत में लेकर पुलिस गहन पूछताछ कर रही है. परिजनों द्वारा थाना को दिये आवेदन में हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त किया है. पूछे जाने पर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह ने बताया कि प्राप्त शिकायत के आलोक में मामला दर्ज कर घटना के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान किया जा रहा है.

कुएं से युवक का शव बरामद, मचा हड़कंप

गुमला। चैनपुर थाना क्षेत्र के भठौली गांव में बुधवार को पुलिस ने एक कुएं से युवक का शव बरामद किया है. जिसकी पहचान भठौली गांव निवासी जीतू रौतिया, पिता कुंदरा रौतिया के रूप में हुई है. घटना के संबंध में मृतक के पिता कुंदरा रौतिया ने बताया कि मंगलवार को मेरा बेटा अपने बारी में स्थित कुएं में नहाने गया था, जिसके बाद से वह घर नहीं लौटा था. बाद में हमलोगों ने उसकी काफी खोजबीन की, उसी दौरान शक के आधार पर हमलोग कुएं में झागर डालकर देखा तो पता चला कि कुएं में डूबने से उसकी मौत हो गई है. इधर, घटना की सूचना मिलते ही रामपुर मुखिया दीपक खलखो एवं चैनपुर थाना के एसएसआई मदन शर्मा अपने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली.

दुष्कर्म में शामिल चार आरोपी गिरफ्तार

दुमका। शहर के बांधपाड़ा में एक जनवरी की रात एक लॉज में पिकनिक मनाने के क्रम में 33 साल की आदिवासी युवती की हत्या मामले में नगर थाना पुलिस मुख्य हत्यारोपी सहित चार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. पुलिस ने मंगलवार की दोपहर काठीकुंड की रहने वाली युवती का शव बरामद किया था. बुधवार को युवती की मां के बयान पर पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का मामला दर्ज करते हुए मुख्य आरोपित श्रीरामपाड़ा के फूल विक्रेता मो अख्तर उर्फ चीकू, बांधपाड़ा के राजेश केशरी, शिवपहाड़ के अपूर्वा साह और कुमारपाड़ा के कैप्टन प्रभाकर प्रसाद को जेल भेज दिया है. मेडिकल कालेज अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है.

मृत बहनों के परिजन को नहीं मिला मुआवजा

पलामू। मध्याह्न भोजन के गर्म माड़ से झुलसकर मृत बहनों के माता-पिता को दो माह बाद भी मुआवजा राशि नहीं मिल पायी है. परेशान होकर पिता परमेश्वरी साव ने बुधवार को उपायुक्त के जनता दरबार में मुआवजा राशि भुगतान की गुहार लगायी. परमेश्वरी साव ने उपायुक्त को बताया कि अपनी मृत दो पुत्रियों के एवज में सरकार द्वारा मुआवजा राशि जारी की गयी थी, लेकिन भुगतान नहीं हो पाया. पलामू जिले के तरहसी प्रखंड के छेचानी मध्य विद्यालय परिसर में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र की दो बच्चियां यूटी कुमारी और शिबू कुमारी स्कूल में बने मध्याहन भोजन के गर्म माड़ में गिर गई थी. 24 नवंबर 2022 को खेलने के दौरान हादसा यह हुआ था. रांची रिम्स में इलाज के दौरान सात दिसंबर को 24 घंटे के भीतर दोनों की मौत हो गयी थी. इस मामले में छह नवंबर 2023 को आदेश दिया गया था.

ट्रेन से गिरकर 50 वर्षीय वृद्ध घायल

नोवामुंडी। नोवामुंडी प्रखंड अंतर्गत गुवा रेलवे स्टेशन में बुधवार रात 8:00 बजे गुवा बिरसानगर टू के रहने वाले 50 वर्षीय वृद्ध राम सिंह सिरका टाटानगर जाने के लिए गुवा रेलवे स्टेशन जैसे ही पहुंचा, ट्रेन खुल गई और वह चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करने लगा. परंतु वह ट्रेन में नहीं चढ़ पाया और वहीं प्लेटफार्म पर गिर पड़ा. उसकी किस्मत अच्छी रही कि वह पटरी के नीचे नहीं गिरा. नहीं तो उसकी मौत हो सकती थी. प्लेटफार्म पर गिरने से उसके चेहरे माथे एवं नाक में गंभीर चोटें लगी है. तुरंत ही रेलवे के कर्मचारियों ने उसे गुवा सेल अस्पताल में भर्ती कराया. उसके बाद उसके परिजनों को सूचना दे दी गई है.

आरपीएफ को मिली कामयाबी : धनबाद स्टेशन पर शराब तस्करी का भंडाफोड़

ट्रेन से शराब की खेप पटना ले जा रहे युवक गिरफ्तार

संवाददाता। धनबाद

धनबाद आरपीएफ पोस्ट के अधिकारियों व जवानों ने धनबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर संख्या दो पर छापेमारी कर शराब तस्करी का भंडाफोड़ किया है.

गंगा-दामोदर से शराब की खेप पटना ले जाने से पहले पटना का युवक अजय कुमार प्लेटफॉर्म से पकड़ा गया. उसके पास से आरपीएफ ने थैले में भरे 10 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त की है. जिसमें ब्लेंडर प्राइड प्रीमियम व्हिस्की, रॉयल स्टैग प्रीमियम व्हिस्की और मैजिक मोमेंट वोदका है. जिसकी कीमत 8020 रुपये है. आरपीएफ सूत्रों के अनुसार बिहार में एक अप्रैल 2016 से शराब बंदी है. अवैध शराब कारोबारी धनबाद समेत अन्य जिलों व बिहार से सटे राज्यों से ट्रेन, बस व अन्य गाड़ियों से शराब की खेप ले जाकर चोरी-छिपे तीन व चार गुना कीमत पर बेचते हैं. बिहार के विभिन्न जिलों के शराब के शौकीन अधिक कीमत देकर खरीदते हैं.

पहले भी कई बार धनबाद स्टेशन पर ट्रेनों व प्लेटफॉर्म से शराब तस्कर पकड़े जा चुके हैं.

आओ जानें

सुसाइड करनेवालों में महाराष्ट्र अव्वल

मणिपुर	: 49	तेलंगाना	: 10171
हरियाणा	: 3692	गोवा	: 321
उत्तराखंड	: 717	कर्नाटक	: 13056
दिल्ली	: 2840	आंध्रप्रदेश	: 8067
उत्तरप्रदेश	: 5932	केरल	: 9549
बिहार	: 827	तमिलनाडु	: 18925
सिक्किम	: 268	लद्दाख	: 11
असम	: 3262	जम्मू कश्मीर	: 247
मिजोरम	: 99	हिमाचल प्रदेश	: 889
छत्तीसगढ़	: 7828	पंजाब	: 2600
ओडिशा	: 5651	अरुणाचल प्रदेश	: 160
त्रिपुरा	: 771	गुजरात	: 8789
महाराष्ट्र	: 22207	मध्यप्रदेश	: 14965

गोड्डा कॉलेज के हरिजन छात्रावास में हुई घटना

छात्रावास की छत से झूलती मिली छात्र की लाश, हड़कंप

संवाददाता। गोड्डा

स्नातक अंतिम वर्ष की पढ़ाई रहे छात्र अमरकांत कुमार की छात्रावास के छत से लटकती हुई शव को बरामद किया गया है. घटना गोड्डा कॉलेज के हरिजन छात्रावास (एससी हॉस्टल) की है. बुधवार की सुबह गोड्डा नगर पुलिस पुलिस को यह सूचना मिली कि छात्रावास के एक कमरे में छात्र की लाश छत से लटकी हुई देखी गई है. इस सूचना पर नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को छत से नीचे उतारा जिसकी पहचान पौरैयाहाट थाना अंतर्गत ग्राम सरवा निवासी अमरकांत कुमार, पिता श्रीकांत दास के रूप में की गई. पुलिस ने लाश को उतारकर तत्काल पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भिजवाया. घटना की सूचना पर अस्पताल पहुंचे परिजनों ने बताया कि अमरकांत घर का बड़ा बेटा था. जो गोड्डा कॉलेज के एससी छात्रावास में रहकर बीए अंतिम वर्ष की तैयारी कर रहा था. घटना के एक दिन पूर्व गांव पर ही था. घटना की संध्या वह घर से वापस हॉस्टल आ गया था और रात्रि यह घटना हो गई. दूसरे दिन सुबह उसकी लाश फंदे से झूलते हुए मिली.

मृतक के पिता ने बताया कि बेटा घर पर बिल्कुल शांत था. ऐसी कोई बात नहीं थी जिससे यह पता चलता कि वह विचलित था या ऐसी कोई हरकतें भी नहीं कर रहा था. मृतक के पिता श्रीकांत दास के अनुसार उसके बेटा के फूलपैंट के पीछे चूना का निशान था जो घसीटने जैसा लग रहा था. साथ ही उसके चप्पल एकदम करीने से रखे थे. जो यह बताता है कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या है. उसने छात्रावास के ही अन्य सहपाठियों पर हत्या कर देने का अंदेशा जताया है. मृतक बीए अंतिम वर्ष का छात्र था जो गोड्डा में रहकर पढ़ाई के साथ-साथ ट्यूशन भी करता था. कपड़ा दुकान में पार्ट टाइम जॉब भी करता था ताकि उसकी पढ़ाई खर्च पूरी हो सके. पिता के अनुसार उनका बेटा मेधावी छात्र था आगे कुछ करना चाहता था मगर ऊपर वाले को यह मंजूर नहीं था. उसकी समय से पूर्व जीवन लीला समाप्त हो गई. फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्यवाही के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने की प्रतीक्षा कर रही है.

खास बातें

- परिजनों ने लगाया छात्रों पर हत्या करने का आरोप
- मृतक की पहचान अमरकांत कुमार के रूप में हुई है

सड़क दुर्घटना में ग्रामीण की मौत

लोहरदगा। सदर थाना क्षेत्र स्थित निंगनी गांव के एक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा है. ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए लोहरदगा-पेशरार मुख्य पथ को निंगनी बैंक ऑफ इंडिया शाखा के समीप जाम कर दिया. जिसके बाद सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस सतर्क हो, त्वरित कार्रवाई में जुट गई. सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल उरांव और सदर सीओ आशुतोष कुमार तुरंत मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाया. स्थानीय लोगों के अनुसार निंगनी गांव के रहने वाले देवेंद्र उरांव उर्फ टहरु उरांव जो अंतिम संस्कार से वापस लौट रहे थे. इसी दौरान सदर थाना क्षेत्र के लोहरदगा पेशरार मुख्य पथ पर एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों ने देवेंद्र उरांव को टक्कर मार दी. जिससे देवेंद्र उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां से इलाज के बाद उन्हें रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया. जहां इलाज के दौरान देवेंद्र की मौत हो गई.

पोल से टकरायी कार चालक की हालत गंभीर

बोकारो। जरीडीह थाना क्षेत्र के बहादुरपुर के पास बुधवार सुबह करीब 9 बजे एक कार बिजली पोल से टकरा गयी. इस हादसे में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. वहीं, कार के भी परखच्चे उड़ गये. सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और चालक को गंभीर हालत में सदर अस्पताल बोकारो भेजा. जहां उसका इलाज चल रहा है. खबर लिखे जाने तक कार चालक की पहचान नहीं हो पायी है. रांची से बोकारो आ रही थी कार : घटना के संबंध में बताया जाता है कि हुंडई सेंट्रो कार रांची से बोकारो जा रही थी. इसी दौरान बहादुरपुर से लगभग 500 मीटर दूर बकसपूरा में एक पेट्रोल पंप के पास कार बिजली की पोल से टकरा गयी. इस हादसे में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. उसके सिर, चेहरे और शरीर के अन्य हिस्से में चोट लगी है. घटना के बाद वहां ग्रामीणों की भीड़ जुट गयी.

मूक बधिर युवती के साथ दुष्कर्म की आशंका, युवक से पूछताछ

संवाददाता। चंदवा (लातेहार)

चंदवा माल्हन मैक्लुस्कीगंज मुख्य पथ पर डोड़का पुल के नजदीक कुछ युवक और एक युवती संदिग्ध अवस्था में देखे गये. युवकों के संग युवती की स्थिति अच्छी नहीं लग रही थी. युवती के साथ दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है. उसके कपड़े कई जगहों से फटे हुए थे, यह देख जिप सदस्य प्रतिनिधि रोहित ने पूछताछ कर जानकारी लेनी चाही. इस पर युवक उनसे बदतमीजी पर उतर आया. घटना के बाद जिप सदस्य रोहित ने चंदवा थाना पुलिस को इसकी सूचना दी.

चंदवा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची. पुलिस को देखते ही कुछ युवक फरार हो गये. घटनास्थल से पुलिस ने एक युवक, मूक बधिर युवती और एक बाइक को थाना ले आयी. बोल नहीं पाने के कारण युवती कहां की रहने वाली है, ये पता नहीं चल पाया. वहीं, बारियातू निवासी युवक ने बताया कि वह मखमंदरो मांडर निवासी है और मखमंदरो से हुटाप शादी में आया हुआ है.

आयरन लदा ट्रक पेड़ से टकराया

संवाददाता। जमशेदपुर

परसुडीह थाना अंतर्गत लोको मोड़ के निकट टाटा-हाता रोड में एक तेज रफ्तार ट्रक बीच सड़क पर लगे एक पेड़ से टकरा गया. दुर्घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया. घटना मंगलवार रात लगभग 2 से 2.30 बजे के बीच की है. ट्रक में आयरन और लोड है. बुधवार की सुबह जानकारी मिलने पर ओडिशा में रहने वाले ट्रक के ऑनर घटनास्थल पर पहुंचे और ट्रक को हटवाने की प्रक्रिया में जुट गए. हालांकि बुधवार दोपहर 1 बजे तक पुलिस द्वारा ट्रक को बीच सड़क से हटाने की कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी. इस कारण से वहां से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा.

बीच सड़क पर पेड़ दे रहा दुर्घटना को आमंत्रण

लोको मोड़ के निकट बीच सड़क पर लगा विशालकाय पेड़ की वजह से अब तक कई दुर्घटनाएं हो चुकी है. अक्सर भारी वाहन रात के समय इस पेड़ से टकराकर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं. यहां न तो कोई साइन बोर्ड लगा है और न ही रेडियम. सड़क में लाइट की भी व्यवस्था नहीं है. इस पेड़ को हटाने के लिए कई समाजसेवियों और प्रबुद्ध लोगों ने पहल भी की पर कोई सुनवाई नहीं हुई. पिछले वर्ष दुर्गा पूजा के अवसर पर हुई शांति समिति की बैठक में इस मुद्दे को उठाया गया था, तब प्रशासनिक पदाधिकारियों ने पेड़ को हटाने पर सहमती जताई थी. लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई.

बोकारो रेंज के नये डीआईजी सुरेंद्र झा ने कार्यभार संभाला

संवादताता। रांची/बोकारो

बोकारो रेंज के डीआईजी के रूप में सुरेंद्र कुमार झा ने बुधवार को योगदान दिया. डीआईजी का प्रभार लेने के बाद बोकारो एसपी प्रियदर्शी आलोक समेत अन्य पुलिस पदाधिकारियों ने बुके देकर उनका स्वागत किया. इस अवसर पर डीआईजी ने कहा कि बोकारो रेंज के जनता की सेवा का मौका मिला है. पुलिस का जो दायित्व है, उसका निर्वहन होगा. पुलिस और पब्लिक का संबंध अच्छा हो, इसके लिए कार्य करेंगे. ताकि भयमुक्त समाज का निर्माण हो सके. इसके लिए रेंज के सभी जिलों के पुलिस पदाधिकारी मिलकर कार्य करेंगे. लेकिन इसके लिए आम लोगों का सहयोग भी अपेक्षित है. स्वच्छ पुलिसिंग के साथ भयमुक्त समाज का निर्माण की दिशा में सकारात्मक प्रयास किया जायेगा.

प्रिंस के गुर्गे मेजर ने व्यवसायी को दी धमकी

संवाददाता। धनबाद

दुबई में बैठ कर धनबाद के कारोबारियों को धमकी देने वाला कुख्यात प्रिंस खान ने एक बार फिर बुधवार को पुटकी थाना क्षेत्र के रहने वाले होटल व्यवसाई विक्की वर्मा को गैंगेस्टर प्रिंस के गुर्गे मेजर ने धमकी दी. मेजर ने मैसेज भेजकर विक्की वर्मा से 50 लाख रुपए की रंगदारी की मांग की है, नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई है. भुक्तभोगी विक्की वर्मा ने पुटकी थाना में लिखित आवेदन देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है. एक तरफ पुलिस प्रिंस के लिए काम करने वाले गुर्गे को चिन्हित कर जेल भेज रही है, तो दूसरी तरफ मेजर के नाम पर व्यवसायियों को धमकी दी जा रही है.

मधवाडीह में दुकान बंद करके घर लौट रहा था युवक

हादसे में बाइक सवार की मौत

संवाददाता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मधवाडीह में सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई. मृतक 28 वर्षीय टिंकू कुमार यादव, पिता नेमचंद यादव मधवाडीह का रहने वाला था. घटना मंगलवार की रात लगभग 10 बजे की बताई जाती है. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. मृतक अपने पीछे पत्नी के अलावा दो छोटे पुत्र को छोड़ गये हैं. बुधवार को बेंगाबाद पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया.

मृतक के बड़े भाई मनोज कुमार यादव ने बताया कि उनका छोटा भाई टिंकू गिरीडीह-महेशमुण्डा रोड के किनारे मधवाडीह में किराना दुकान चलाता था. मंगलवार की रात दुकान बंद करके वह अपनी बाइक से घर लौट रहा था. इसी दौरान मुख्य मार्ग से लगभग 100 मीटर की दूरी पर गांव आने वाली पीसीसी सड़क में वह बाइक के साथ गिरा हुआ पाया गया. उन्होंने संदेह जाहिर करते हुए कहा कि किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दिया होगा. जिस कारण यह घटना घटी है. उन्होंने बताया कि मंगलवार की रात 9.45 में फोन कर भाई को घर लौटने की बात बतायी थी. जिसके बाद 10 बजे के करीब एक व्यक्ति ने फोन पर बताया कि सड़क किनारे बाइक के साथ कोई गिरा हुआ है.

सूचना पाकर वह फौरन घटना स्थल पर पहुंचे तो देखा कि उनका छोटा भाई गिरा पड़ा था. जिसके बाद परिजन उसे लेकर इलाज के लिए गिरिडीह लेकर गए. जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना बुधवार की सुबह बेंगाबाद पुलिस को मिली. जिसके बाद पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लिया गया.

टिंकू कुमार यादव (फाइल फोटो)

खास बातें

- घटना मंगलवार की रात की, परिजन का हाल बेहाल
- मृतक अपने पीछे पत्नी के अलवा दो पुत्र छोड़ गए हैं

क्षेत्र में बंद नहीं हो रही हैं अवैध शराब भट्ठियां

चांडिल। चांडिल अनुमंडल अंतर्गत नीमडीह थाना क्षेत्र इन दिनों अवैध महुआ शराब का हब बन गया है. पुलिस के वरीय अधिकारियों की लाख कोशिशों के बावजूद भी क्षेत्र में स्थायी रूप से अवैध देसी महुआ शराब का कारोबार बंद नहीं हो रहा है. महुआ शराब के कारोबारियों के लिए फिलहाल नीमडीह थाना क्षेत्र सेफ जोन में है. इसका मुख्य कारण कुछ रखवाले का ही शराब कारोबारियों का हितैषी बनना है. बताया जा रहा है कि नीमडीह थाना के कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा शराब के कारोबार को प्रत्यक्ष रूप से संरक्षण दिया जाता है. स्थानीय लोगों ने बताया कि नीमडीह थाना क्षेत्र के जुगीलोंग, पुरियारा, बनघर, लाकड़ी, तिलाईटांड़, मुरू, हेंसालोंग, बाड़ेदा आदि गांवों में अवैध महुआ शराब की चुलाई के लिए व्यापक पैमाने पर भट्ठियों का संचालन किया जा रहा है. अवैध कारोबार क्षेत्र में कुटीर उद्योग का रूप धारण कर लिया है. कारोबारियों रात में शराब पहुंचाते हैं.

सफलता जान बचाकर भागने के दौरान कुएं में गिर गया था युवक, मंगलवार को हुई थी घटना

कुएं में डुबो कर मारने के मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता। गुमला

चैनपुर थाना क्षेत्र के परहाटोली निवासी महेन्द्र रौतिया और अमित रौतिया पर जान लेवा हमला करने तथा जान बचाकर भागने के दौरान कुएं में गिर कर डूबने से हुई मौत मामले में मृतक महेन्द्र रौतिया के पिता सोहराई रौतिया के बयान पर चैनपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है. मारपीट और कुएं में डूबने से मौत की घटना मंगलवार की है.

पुलिस ने मंगलवार को ही कांड दर्ज किया और सभी आरोपी क्रमशः मंगल आगस्टीन किंडो, अश्विन किंडो, प्रवीण किंडो, जीएस कुजूर, थॉमस टोप्पो, अनमोल तिग्गा को गिरफ्तार कर लिया गया है. सभी आरोपी केडेंग के रहने वाले हैं. पुलिस ने इनके पास से मोबाइल भी जब्त किया है. चैनपुर के पुलिस निरीक्षक बैजू उरांव ने चैनपुर थाना में प्रेस-कांफ्रेंस कर पूरी घटना की जानकारी दी. कहा कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपना दोष स्वीकार कर लिया है.

स्कूटी सवार ने पेड़ में मारी टक्कर, गंभीर, रेफर

गावां (गिरिडीह)। गावां पावर सबस्टेशन के आगे एक स्कूटी सवार बच्चे ने पेड़ में टक्कर मार दी. घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया. बताया जाता है कि गावां निवासी प्रमोद स्वर्णकार का 14 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार अपने घर से पेट्रोल पंप की ओर जा रहा था. इसी बीच पावर सबस्टेशन के 20 कदम आगे टर्निंग के पास एक पेड़ में टक्कर मार दी. इससे वह गंभीर होकर सड़क पर गिर गया. जिसके बाद उसे ग्रामीणों के सहयोग से 108 एंबुलेंस के सहारे गावां अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर काजिम खान ने बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया. जिसके बाद परिजन उसे रांची ले गये. डॉक्टरों की मानें तो उसके सिर पर गंभीर चोटें आई है.

चाचा की हत्या के आरोपी भतीजे को किया गिरफ्तार

संवाददाता। जामताड़ा

करमाटांड़ थाना की पुलिस ने मंगलवार की देर रात देवघर जिले के सदानंदी गांव में छापेमारी कर चाचा की हत्या के आरोपी भतीजा रमेश पुजहर को गिरफ्तार कर लिया. यह जानकारी प्रशिक्षु डीएसपी चंद्रशेखर ने बुधवार को जामताड़ा साइबर थाना में प्रेसवार्ता में दी. उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी बिरजू साव के नेतृत्व में टीम गठित कर उसे गिरफ्तार किया गया. हत्या की वारदात के बाद आरोपी अपनी ससुराल सदानंदी गांव में छिपकर रह रहा था. रमेश पुजहर के विरुद्ध उसकी चाची मुनकी देवी के बयान पर 27 दिसंबर को करमाटांड़ थाना में हत्या की नामजद एफआईआर दर्ज की गई थी. दर्ज एफआईआर के अनुसार, 26 दिसंबर की शाम मुनकी देवी की बकरी रमेश पुजहर के खेत में लगी फसल चर गई थी. इस पर आरोपी भतीजा और चाची में बकझक हुई थी. बीच-बचाव करने पहुंचे चाचा धरम पुजहर के सिर पर भतीजा रमेश पुजहर ने ईंट से वार कर दिया. वह ईंट से चाचा के सिर पर तब तक प्रहार करता रहा,जब तक उनकी मौत नहीं हो गई. मौत के बाद आरोपी अपने परिवार के साथ गांव से फरार हो गया.

खास बातें

- ससुराल में छिपकर रह रहा था चाचा का आरोपी भतीजा
- 27 दिसंबर को करमाटांड़ थाने में केस दर्ज हुआ था

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष मौसमी बीमारियों से परेशानी हो सकती है. ऋण लेने से बचें. दौड़धूप अधिक रहेगी. बुरी खबर मिल सकती है. वाणी पर नियंत्रण रखें. दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं. समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी. राजकीय सहयोग मिलेगा.

वृषभ शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है. प्रेम में धोखा मिल सकता है. कार्य की प्रशंसा होगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे. विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

मिथुन अपने सगे संबंधियों से मुलाकात होगी. उत्साह-वर्धक सूचना मिलेगी. स्वाभिमान बना रहेगा. नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. रुका धन मिलेगा. व्यापार में नए अनुबंध होंगे.

कर्क समय उत्तम है. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. जोखिम न उठाएं. प्रसन्नता रहेगी. धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी. आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है. व्ययों में कमी करनी चाहिए.

सिंह शारीरिक कष्ट संभव है. दूसरों पर अतिविश्वास न करें. वस्तुएं संभालकर रखें. आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी. स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

कन्या मानसिक सुख शांति मिलेगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता रहेगी. सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी.

तुला खर्च पर नियंत्रण आवश्यक है. समय अनुकूल है किसी खास कार्य का प्रयास करें. प्रसन्नता रहेगी. उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा. प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे.

वृश्चिक पूजा-पाठ में मन लगेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. निवेश शुभ रहेगा. प्रसन्नता रहेगी. अपनी वस्तुएं संभालकर रखें. जीवनसाथी से मतभेद. व्यवहार-कुशलता से समस्या का समाधान हो सकेगा. वाहन सावधानी से चलाएं. नयी वस्तु का आगमन होगा.

धनु पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. विवाद को बढ़ावा न दें. कुसंगति से हानि होगी. आय कम होगी. नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता का विशेष योग है. व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें.

मकर प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. चिंता रहेगी. प्रमाद न करें. परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे. शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी. अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं.

कुंभ शत्रु परास्त होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे. व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. संतान की शिक्षा संबंधी समस्या रह सकती है.

मीन व्यापार में लाभ की स्थिति बनी है. मेहनत की आवश्यकता है. प्रसन्नता बनी रहेगी. आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है. कार्य, व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा.

आकाशवाणी रांची का दो दिवसीय सर्वभाषा कवि सम्मेलन आज से

रांची। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आकाशवाणी द्वारा विश्व का सबसे बड़ा सर्वभाषा कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है. इस कार्यक्रम में अंतर्गत आकाशवाणी रांची के तत्वावधान में 4 एवं 5 जनवरी को स्थानीय आर्यभट्ट सभागार में सर्वभाषा कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा. इस कवि सम्मेलन के लिए देश के 22 भाषाओं के कवियों का चयन हुआ है, जिनकी कविताओं का हिंदी अनुवाद चयनित कवियों व कवयित्रियों द्वारा किया जाएगा. असमिया भाषा की अनुवादिका के रूप में दिल्ली की युवा कवयित्री एवं कुशल मंच संचालिका, वक्ता विभा राज वैभवी का चयन किया गया है. साथ ही दिल्ली के युवा कवि एवं मंच संचालक आशीष श्रीवास्तव का भी चयन कन्नड़ भाषा के अनुवादक के रूप में हुआ है.

अवैध माइनिंग रोक लगाएं अधिकारी : डीसी

पाकुड़। पाकुड़ डीसी मृत्युंजय कुमार वर्णवाल ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में कोयला कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. उन्होंने अधिकारियों के साथ खनन कार्यों व परिवहन पर विस्तार से चर्चा की. अधिकारियों से दो टूक कहा कि अवैध खनन और ढुलाई पर रोक सुनिश्चित करें. इसमें तनिक भी ढील बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने कोयला कंनियों की समस्याओं की भी जानकारी ली. डीसी ने कोल कंपनियों के प्रतिनिधियों को गांवों में कौशल विकास के लिए किए गए सर्वे और चिह्नित गांवों की रिपोर्ट जल्द उपलब्ध कराने को कहा. साथ ही एसडीओ, डीटीओ व जिला खनन पदाधिकारी को औचक जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया. बैठक में अपर समाहर्ता मंजू रानी स्वांसी, एसडीओ हरिवंश पंडित, डीटीओ संजय पीएम कुजूर, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाइक व जिला खनन पदाधिकारी प्रदीप कुमार शमिल थे.

सत्ता के गलियारों में अस्थिरता के कयासों के बीच भांपा जा रहा संख्या बल

एक बार फिर हिचकोले मार रही है झारखंड की राजनीति

संवाददाता। रांची

झारखंड की राजनीति एक बार फिर से हिचकोले मार रही है. ऐसे में संख्या बल काफी मायने रखता है. सत्ता के गलियारों में चर्चा इस बात की भी हो रही है कि इस अस्थिरता के दौर में गठबंधन दलों की बैठक काफी अहम है. बताते चलें कि पांच सितंबर 2022 के दिन भी संख्या बल को भांपा गया था. उस समय भी हेमंत सरकार अस्थिरता के दौर से निकलने में सफल रही थी. उस समय भी सरकार ने एक दिन का विशेष सत्र बुलाकर विश्वास प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें 48 विधायकों का साथ मिला था. चर्चा इस बात की भी है कि इस बार भी सीएम अपने आवास में बैठक बुला कर संख्या बल देखना चाहते हैं.

ईडी की कार्रवाई से निपटने की तैयारी : चर्चा इस बात की भी हो रही है कि यह बैठक ईडी की संभावित कार्रवाई से निपटने की रणनीति के लिए भी बुलाई गई है. इस बैठक को सत्तारूढ़ दल के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है. चर्चा भी की जा रही है कि गठबंधन के विधायकों की बैठक के बाद विपक्ष को यह संदेश दिया जा सकता है कि गठबंधन की सरकार मजबूती से खड़ी है. साथ ही बीजेपी को करारा जवाब देने के लिए भी तैयार है.

सरयू राय के ट्वीट के मायने

इस बीच सरयू राय ने ट्वीट कर कहा है कि सरफराज जी के गांडेय विधायक पद से इस्तीफ़ा ने झारखंड की राजनीति में भूचाल ला दिया है. आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है. बेहतर होगा सरफराज जी इस्तीफे का राज खोलें, जनता को रहस्य बताएं कि इस्तीफा अंतरात्मा की आवाज पर है, राज्यहित, जनहित, दलहित में है या लोभ-लाभ के राजनीतिक दबाव में?

गांडेय विधानसभा सीट खाली

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग को भेजी सूचना

रांची। जेएमएम विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद झारखंड की गांडेय विधानसभा सीट खाली हो गयी है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने इसकी सूचना जारी आदेश की प्रतिलिपि के साथ भारत निर्वाचन आयोग को भेज दी है. अब चुनाव आयोग तय करेगा कि गांडेय विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराया जायेगा या नहीं. इस संबंध में के. रवि कुमार ने बताया कि यह एक प्रक्रिया है. इसके तहत कोई भी विधानसभा सीट खाली होने पर भारत निर्वाचन आयोग को इसकी सूचना देनी होती है.

गठबंधन की बैठक के बाद तय हो पाएगा कांग्रेस का नेक्स्ट लाइन : गुलाम अहमद

रांची। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा है कि सत्तारूढ़ दल के विधायकों की बैठक के बाद ही आगे की रणनीति तय की जाएगी. बैठक में जो भी फैक्ट्स सामने आएंगे, उसके बाद नेक्स्ट लाइन क्या होगा, इससे आलाकमान को अवगत कराया जाएगा. मीर बुधवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि यह बैठक पांच दिन पहले से ही तय थी. हमारे साथ कई तजुर्बेकार सीनियर साथी हैं. पार्टी के सभी विधायक जमीन से जुड़े हैं. सत्तारूढ़ दल की बैठक में कांग्रेस के सभी विधायक शामिल होंगे. दो महिला विधायक दीपिका पांडेय और पूर्णिमा नीरज सिंह के अनुपस्थिति के सवाल पर कहा कि दीपिका पांडेय के पिता का निधन हो गया है, वहीं पूर्णिमा नीरज सिंह आउट ऑफ स्टेशन हैं. दोनों ने लिखित में यह जानकारी भी दी है. संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि प्रदेश प्रभारी के नेतृत्व में कांग्रेस मजबूत होगी. आगामी चुनाव में भी परिणाम हमारे पक्ष में होगा.

स्पीकर ने एक जनवरी को सरफराज के इस्तीफे को किया था स्वीकार

बताते चलें कि गांडेय विधानसभा सीट से विधायक रहे सरफराज अहमद ने 31 दिसंबर 2023 को इस्तीफा दिया था. स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने एक जनवरी 2024 को इस्तीफा मंजूर कर लिया था. जिसके बाद विधानसभा सचिवालय ने लेटर जारी किया था. इस खबर के आने के बाद झारखंड में सियासी तपिश तेज हो गयी है.

एलबीएसएम कॉलेज : एकेडमिक काउंसिल मीटिंग में साल भर की कार्ययोजना तैयार

हर शुक्रवार स्वास्थ्य परीक्षण साल में दो बार रोजगार मेला

संवाददाता। जमशेदपुर

नये वर्ष 2024 में जमशेदपुर के करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में प्रत्येक शुक्रवार को छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य जांच करने का निर्णय लिया गया है. यह विशेष कार्यक्रम निर्धारित दिवस को सुबह 10:00 से दोपहर 12:00 तक चलेगा. इसका आयोजन रोटरी क्लब के सहयोग से किया जाएगा. वहीं छात्र-छात्राओं को रोजगार से जोड़ने के लिए, साल भर में कम से कम दो बार रोजगार मेला एवं अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा. कॉलेज में बुधवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में यह निर्णय लिया गया. इसके अलावा बैठक में अन्य निर्णय लेते हुए साल भर की कार्ययोजना तैयार की गई, ताकि कॉलेज में शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों का सामान्य रूप एवं समय से संचालन किया जा सके. बैठक की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा ने की. बैठक में कॉलेज की एकेडमिक काउंसिल के सभी सदस्य एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे.

नियोजनालय में पंजीयन के लिए लगेगा कैंप

कॉलेज की कार्ययोजना के तहत कॉलेज में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को रोजगार नियोजनालय में निबंधन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी. इसके लिए कॉलेज में तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाएगा. इस शिविर के माध्यम से छात्र-छात्राएं रोजगार नियोजनालय में अपना निबंधन कर सकेंगे.

बैठक में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा ने वार्षिक खेलकूद के आयोजन को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की. साथ ही पांच दिन में वार्षिक खेलकूद की रूपरेखा, व्यय के ब्यौरे के साथ जमा करने का निर्देश दिया. बैठक में इस वर्ष कॉलेज के प्रत्येक विभाग में कम से कम पांच-पांच सेमिनार का आयोजन करने का निर्णय लिया गया. इसमें कम से कम एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन भी अनिवार्य होगा. इसके लिए सभी विभागाध्यक्षों को तैयारी में जुट जाने का निर्देश दिया गया. इसके साथ ही पिछले वर्ष आयोजित सेमिनारों से संबंधित सामग्री को पुस्तक का रूप देकर जमा करने का निर्णय लिया गया, ताकि उसे जल्द से जल्द प्रकाशित किया जा सके.

साल भर में कम से कम दो सेमेस्टर का पाठ्यक्रम होगा पूरा

बैठक में पठन-पाठन को लेकर विशेष चर्चा हुई. बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ अशोक कुमार झा ने पाठ्यक्रम हर हाल में समय पर पूरा करने पर बल दिया. इसके साथ ही साल में कम से कम दो सेमेस्टर का पाठ्यक्रम पूरा करने का निर्णय लिया गया. डॉ. झा ने बताया कि इसकी कार्ययोजना बनाकर छात्र हित में कक्षाओं का संचालन किया जाएगा एवं पाठ्यक्रम पूरे किए जाएंगे.

आओ जानें
झारखंड के व्यंजन

- झारखंड की संस्कृति की विविधता का एक मुख्य कारक यहां के विभिन्न प्रकार के लजीज पकवान भी हैं.
- झारखंड का भोजन स्थानीय स्वादों और जनजातीय प्रभावों का एक आनंददायक मिश्रण है, जो राज्य की सांस्कृतिक विविधता और इसके प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता को दर्शाता है.
- साधारण स्वादिष्ट भोजन से लेकर विदेशी आदिवासी व्यंजनों तक, यहां की भोजन आदतें मुख्य रूप से स्थानीय रूप से उगाई गई सामग्रियों पर निर्भर हैं.
- चावल एक प्रमुख खाद्य पदार्थ है, इसके साथ ही विभिन्न प्रकार की दालें, सब्जियां और मांस भी शामिल हैं.
- ठेकुआ, गेहूं के आटे और गुड़ से बना एक मीठा नाश्ता और मसालेदार आलू की सब्जी के साथ परोसी जाने वाली तली हुई चीज़ धुस्का लोकप्रिय व्यंजनों में से हैं.
- जनजातीय समुदायों की भोजन की भी विशिष्ट परंपराएं हैं, जिनमें खाने योग्य पत्तियों, फूलों और कंदों से बने व्यंजन शामिल हैं.
- ये पाक परंपराएं न केवल राज्य की सांस्कृतिक पहचान को उजागर करती हैं, बल्कि स्थानीय संसाधनों का स्थायी तरीके से उपयोग करने की सदियों पुरानी बुद्धिमत्ता को भी रेखांकित करती हैं.

लापरवाही : अस्पताल में नहीं थे डॉक्टर, नर्स ने किया गर्भवती को भर्ती

गर्भ में जुड़वां बच्चा, एक मरा रेफर के बाद मां की भी मौत

संवाददाता। पालकोट/ गुमला

पालकोट सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की लापरवाही से एक शिशु और मां की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है. जबकि प्रसूता का एक बच्चा स्वस्थ्य है. इस घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है.जीवित शिशु के परवरिश को लेकर परिजन चिंतित हैं. घटना बुधवार की है. घटना के संदर्भ में पालकोट थाना क्षेत्र के अलंकेरा निवासी नेहरु लोहरा ने बताया कि उसकी पत्नी सुमित्रा देवी को प्रसव पीड़ा होने पर मंगलवार की देर शाम सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पालकोट में भर्ती कराया.पत्नी को भर्ती कराए जाने के दौरान स्वास्थय केन्द्र में कोई भी डाक्टर मौजूद नहीं था. नर्स गर्भवती महिला को भर्ती कर इलाज प्रारंभ किया. तभी देर रात नर्सों द्वारा बताया कि सुमित्रा के गर्भ में जुड़वा बच्चा है. जिसमें एक शिशु की मौत हो गई है. इसके बावजूद रेफर करने के बजाय नर्स स्वास्थ्य केन्द्र में रखा. बुधवार को अहले सुबह स्थिति बिगड़ने के बाद सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया. सदर अस्पताल में सुमित्रा को भर्ती कर इलाज आरंभ किया गया. इसी बीच अज्ञानता के कारण परिवार के लोग सुमित्रा को सोए अवस्था में नाश्ता खिला दिया. जिसके कारण उसकी तबीयत बिगड़ गई. अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा. सुमित्रा के शरीर में ब्लड की कमी हो गई. जिसके बाद प्रसव कराया गया. जिसमें एक स्वस्थ शिशु ने जन्म लिया जबकि मां सुमित्रा देवी की मौत हो गई. सुमित्रा के मौत के बाद परिजनों ने कहा कि समय पर केन्द्र में डाक्टर मौजूद होते तो मौत की घटना नहीं होती.

खास बातें

- सदर अस्पताल गुमला में मां की हुई मौत, एक बच्चा है स्वस्थ
- स्थिति नियंत्रण से बाहर होने के बाद किया सदर अस्पताल रेफर

न्यूनतम मजदूरी दर के निर्धारण पर बैठक

रांची। गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म वर्कर्स एवं अन्य सभी कामगारों को न्यूनतम मजदूरी अधिनियम की अनुसूचि में शामिल करने पर विचार के लिए श्रमायुक्त झारखंड की अध्यक्षता में गठित कमेटी की बुधवार को बैठक हुई, जिसमें झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री मुख्य रूप से शामिल हुए. बैठक में जीआईजी (गिग) वर्कर्स व प्लेटफॉर्म वर्कर्स जैसे स्वीगी, जोमैटो में कार्यरत कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के साथ ही उनके न्यूनतम मजदूरी तय करने के लिए अनुसूची में शामिल करने के लिए विचार किये गये. चैंबर अध्यक्ष ने सुझाया कि दर के निर्धारण से पूर्व वर्कर्स को रोजगार देनेवाले लोगों का पक्ष भी जरूर सुना जाना चाहिए. अधिकारियों द्वारा पुनः इस बैठक का आयोजन कर अग्रतर कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया गया. मालूम हो कि उक्त कमेटी द्वारा इस विषय पर अपना प्रतिवेदन-मंतव्य तीन माह के अंदर झारखंड न्यूनतम मजदूरी परामर्शदातृ पर्षद् को समर्पित करना है.

मरांग गोमके की जयंती मनायी गयी

संवाददाता। रांची

मुंडा सभा रांची की ओर से मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 122वीं जयंती मनाई गई. मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में अपर नगर आयुक्त कुंवर सिंह पाहन तथा पूर्व रिजनल डायरेक्टर एसबीआई एनपी तोपनो शामिल थे. मुख्य अतिथि कुंवर सिंह पाहन ने मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जीवनी के विषय में कहा कि कैसे एक साधारण से गांव से निकलकर एक प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी तथा नेता बने. भारतीय हॉकी पुरुष टीम ने मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के अगवाई में1928 एमस्टरडम के ओलंपिक में पहला स्वर्ण पदक भारत को दिलाया और भारत का नाम विश्व में रोशन किया. उन्होंने कहा कि एक नेता के तौर पर उन्होंने झारखंड को अलग राज्य बनाने के लिए भी आंदोलन किया तथा अलग राज्य बनाने में उनकी अहम भूमिका रही.

मौके पर एसबीआई के पूर्व रिजनल डायरेक्टर एनपी तोपनो, डॉ तनूजा मुंडा, महासचिव बिल्कान डांग, प्रभु सहाय संगा, सोसन समद, पूर्व डीप टी कमांडेंट जोसफ लुगुन , सुरसेन सूरीन ने भी अपने-अपने विचारों को रखा. प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद हुल्हुंडू हॉकी खेल मैदान में मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की यादगार में हॉकी खेल का आयोजन किया गया. जिसमें मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एलेवेन बनाम अलबर्ट एक्का इलेवन के बीच में खेला गया, जिसमें मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा इलेवन ने अल्बर्ट एक्का इलेवन को 3-2 गोल से पराजित किया. मैच रेफरी के तौर पर दुलारि तोपनो और जेम्स पूर्ति थे. मौके पर मुंडा सभा के महासचिव बिलकन डांग, सोसन समद, प्रभु सहाय संगा, सुरसेन सुरीन, जॉन कंडुलना, फिलीप सोय , सोमरा होरो, जूनुल आइंद् , कोमाल टोपनों, सोहरई मुंडा, साई के पूर्व सीनियार कोच फूलकेरिया नाग, प्यारी पूर्ति पूर्व सहायक कमांडेंट सीआरपीएफ, पूर्व डिप्टी कमांडेंट जोसेफ लुगुन , जोन्सन कंडुलना, जागरनाथ मुंडु, बिनीत केरकेट्टा, कुशल केरकेट्टा आदि शामिल थे.

हुल्हूंडू हॉकी खेल मैदान में मॉजूद हॉकी के खिलाड़ी.

छात्र आंदोलन | कुलपति डॉ. अजीत सिन्हा के साथ आंदोलित छात्रों की वार्ता रही विफल

रांची विवि के ईडीपीसी में सातवें दिन भी नहीं खुला ताला

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग से संबंधित ईडीपीसी कार्यालय में बुधवार को सातवें दिन भी तालाबंदी समाप्त नहीं हो सकी. यह तालाबंदी परीक्षा विभाग के सहयोगी के रूप में परीक्षा की व्यवस्था करनेवाली आउटसोर्सिंग कंपनी एनसीसीएफ को हटाने की मांग के समर्थन में विभिन्न छात्र संगठनों ने की है. इस संदर्भ में छात्र प्रतिनिधियों के साथ कुलपति डॉ. अजीत सिन्हा की वार्ता हुई, लेकिन सफल नहीं हो सकी. फलस्वरूप ईडीपीसी में तालाबंदी जारी रही.

उल्लेखनीय है कि आंदोलनकारी छात्रों ने अपनी मांगों के समर्थन में मंगलवार को भी प्रदर्शन किया था तथा कुलपति का पुतला दहन भी किया था. आंदोलन के सातवें दिन रांची विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ. मुकंद चंद्र मेहता आंदोलित छात्रों के पास जाकर वार्ता की पहल की, लेकिन छात्र प्रतिनिधियों ने उनसे वार्ता करने से इन्कार कर दिया और कुलपति को वार्ता के लिए बुलाने की मांग पर अड़ गये. दोपहर के बाद कुलपति डॉ. सिन्हा, कुलानुशासक डॉ. मेहता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष झा और अध्यक्ष छात्र कल्याण डॉ. पीके झा वार्ता के निमित्त छात्रों के धरनास्थल पर पहुंचे. सौहार्दपूर्ण वातावरण में वार्ता प्रारंभ हुई और लगभग एक घंटे तक वार्ता चली, लेकिन वार्ता निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पायी. अंततः कुलपति डॉ. सिन्हा ने छात्र नेताओं को गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे वार्ता के लिए आमंत्रित किया.

मुख्य मांगें

- हाल में ली गई पीएचडी की प्रवेश परीक्षा रद्द की जाए
- कुलपति के विशेष कार्याधिकारी को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए
- परीक्षा विभाग की आउटसोर्सिंग एजेंसी को अविलंब हटाया जाए

यह है मामला

रांची विश्वविद्यालय में पीएचडी की प्रवेश परीक्षा ली गयी. परीक्षा लेने के तीन दिनों बाद ही परीक्षा का परिणाम भी जारी कर दिया गया. परीक्षा परिणाम में घोषित सीटों की तुलना में 68 प्रतिशत छात्र भी सफल नहीं हो सके. छात्र संगठनों ने विश्वविद्यालय पर यूजीसी के नियम का अनुपालन नहीं करने का आरोप लगाया तथा आउटसोर्सिंग कंपनी को तत्काल हटाने की मांग की, लेकिन जब कोई सुनवाई नहीं हो पायी तो उन छात्रों ने 28 दिसंबर को मोरहाबादी स्थित इडीपीसी में ताला जड़ और धरना पर बैठ गये.

कांग्रेस प्रभारी से मिला प्रदेश मोमिन कांफ्रेंस का प्रतिनिधिमंडल

रांची। मोमिन कांफ्रेंस का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नए प्रभारी गुलाम अहमद मीर से मिला. प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कांग्रेस अल्पसंख्यक के वरीय उपाध्यक्ष सह मोमिन कांफ्रेंस के राष्ट्रीय महासचिव सगीर अंसारी ने किया. उन्होंने कहा कि झारखंड में आबादी के अनुसार मुसलमानों को राजनीति में भागीदारी भी नहीं मिली. साथ ही झारखंड में अल्पसंख्यकों के ज्वलंत मुद्दे साझा किये. उन्होंने बताया कि राज्य गठन के 23 साल हो गये, किंतु उर्दू अकादमी, मदरसा बोर्ड का गठन नहीं हुआ. जिला मोमिन कांफ्रेंस के अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद ने कहा कि राज्य में बुनकरों की स्थिति दयनीय है. मौके पर कांग्रेस अल्पसंख्यक बोकारो जिला सचिव सह मोमिन कांफ्रेंस के महासचिव एके सुल्तान शामिल थे.

गरीबों की सेवा के लिए ही पुरोहित बने राजेश डुंगडुंग

संवाददता। रांची

दिल्ली प्रोविंस के डॉन बोस्को धर्म समाज के उपयाजक राजेश डुंगडुंग का पुरोहिताभिषेक ख्रीस्त ज्योति पारिश अघरमा में बुधवार को धूमधाम से संपन्न हुआ. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डालटनगंज बिशप थियोडोर मस्कारेनहास थे.

बिशप मस्कारेनहास द्वारा ही उपयाजक राजेश का पुरोहिताभिषेक धर्मविधि के साथ किया गया. बिशप ने कहा कि पुरोहित का जीवन ईश्वर के द्वारा लोगों की सेवा करने के लिए होता है . इसलिए एक पुरोहित को अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए उनकी सेवा करने के लिए बनना है. उन्होंने कहा कि वह गरीबों की सेवा के लिए पुरोहित बने हैं. मिस्सा की शुरूवात में पल्ली पुरोहित फादर लीनो ने सभी मेहमानों एवं विश्वासियों का स्वागत किया और उपयाजक की जीवनी पढ़ी गई.

ईडी की कार्रवाई और विधायक सरफराज के इस्तीफे के बाद राजनीतिक गतिविधियां तेज

लोगों ने कहा– सीएम को ईडी की जांच में सहयोग करना चाहिए

निर्दोष हैं फिर क्यों डरेंगे हेमंत

झारखंड में राजनीतिक संकट गहराने लगा है. ईडी की कार्रवाई में तेजी के बाद राज्य में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. पिछले दिन जेएमएम विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद से ही तरह तरह के कयास लगने शुरू हो गए हैं. बुधवार को ईडी ने सीएम के प्रेस सलाहकार के ठिकानों सहित कई अन्य ठिकानों पर दबिश दे दी हैं. इस बीच ईडी से निबटने के लिए सीएम भी तैयार हैं. साथ ही सरकार वैकल्पिक रास्ता भी तलाश रही है. सीएम हेमंत सोरेन ने उन अटकलों पर विराम लगा दिया है, जिसमें चर्चा थी कि कल्पना सोरेन को सीएम पद की शपथ दिलाई जा सकती है. उन्होंने साफ कर दिया है कि कल्पना सोरेन चुनाव नहीं लड़ेंगी, यह सब भाजपा की सोच की उपज है. मालूम हो कि भूमि घोटले से जुड़े मामले में हेमंत सोरेन को ईडी सात बार समन भेज चुकी है. लेकिन ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए हैं. इस मामले में वकील, नौकरी पेश लोग, बुद्धिजीवियों, प्रोफेसर-शिक्षक, समाजसेवियों तथा आम लोगों की मिली जुली प्रतिक्रिया आई है. जिससें कहा गया है कि अगर हेमंत सोरेन निर्दोष हैं तो उन्हें ईडी के समक्ष उपस्थित होने से परहेज नहीं करना चाहिए. उन्हें ईडी की जांच में सहयोग करना चाहिए. इसमें डरने की कोई बात ही नहीं है. वहीं बहुत से लोगों ने बेवजह विपक्षी दल के नेता राज्य सरकार को परेशान करने में लगे हैं. इस मामले में शुभम सेंदेश की टीम ने अलग -अलग जिलों के लोगों से बातचीत कर जानकारी हासिल की. पेश है रिपोर्ट...

मुख्य बिंदु

- मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार सहित कई ठिकानों पर जांच एजेंसी ईडी की छापेमारी
- सरकार भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार
- कल्पना सोरेन चुनाव नहीं लड़ेंगी : सीएम

हेमंत सोरेन ने कहा...

बाबा और मां के संघर्ष ने मुझे राज्यवासियों के लिए दिन-रात मेहनत कर उन्हें उनका हक और अधिकार दिलाने की प्रेरणा दी है, जो मैं अब तक करता रहा हूं. इसलिए राज्यवासियों के खुशहाल भविष्य और झारखंड की जड़ों को सशक्त करने के लिए हमें मिलजुल कर एकसाथ काम करने की जरूरत है.

धनबाद

अगर डील हो गई और खिलाफ में वोट कर दिया तो सरकार गई : शिवांश श्रीवास्तव

झरिया पाथरडीह अजमेरा के रहने वाले माइनिंग इंजीनियर शिवांश श्रीवास्तव ने कहा कि ईडी कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्य कर रही है. वह जनता के छूटे हुए पैसो का पाई पाई हिसाब ले रही है. ऐसा नही है कि पहले ऐसी एजेंसियो मे अच्छे ऑफिसर्स नही थे,फर्क इतना था कि पहले यह एजेंसियां सरकार के संरक्षण के कारण मजबूर रहती थी. लेकिन अब बिल्कुल विपरीत हो चुका है. 'न खाऊंगा न खाने दूंगा' वाली नीति पर केंद्र सरकार चल रही है. रही बात गांडेय विधायक की इस्तीफा की,तो उन्होने झारखंड का सियासी पारा चढ़ा दिया है. झारखंड मे तेजी से बदले राजनीतिक हालात के बीच कल्पना सोरेन झारखंड की राबड़ी देवी बन सकती हैं.कुछ कानूनी अड़चन है. जिसे सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है.उधर एक संकट और है. विश्वास मत के दौरान बहुमत साबित करने का. जेएमएम और कांग्रेस के अंदर कुछ लोग ऐसे भी हैं जो लोकसभा या अगले विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा से टिकट के आकांक्षी हैं और लोक सभा चुनाव मे तीन महीने का वक्त बचा हुआ है. ऐसे मे विश्वास मत के दौरान अगर डील हो गई और इन लोगों ने सरकार के खिलाफ वोट कर दिया तो ,सरकार का क्या होगा. अब न तो ये 90 का दशक है और न ही आदिवासी उतने बेवकूफ है कि आंख मूदकर किसी को बिठा दे, और ये उसे आदिवासियो का नेता मान ले.

इस्तीफे की वजह कुछ और हो सकती है, अभी कुछ भी कहना ठीक नहीं : रंजन कुमार सिन्हा

अधिवक्ता रंजन कुमार सिन्हा ने कहा कि गांडेय विधानसभा से जेएमएम के विधायक का इस्तीफा देने की वजह कुछ भी हो सकती है. इस पर राजनीतिज्ञ विशेषज्ञ ही चर्चा कर सकते हैं. अभी कुछ ही कह देना ठीक नहीं होगा. वहीं राज्य में हो रहे कल्पना सोरेन के चुनाव लड़ने की चर्चा तो यह बात उनके नॉमिनेशन के बाद ही पता चलेगा .वहीं अनुसंधान में लगे विभिन्न एजेंसियां कानून के अनुसार अपना काम कर रही हैं .क्योंकि कानून से बढ़कर कोई व्यक्ति नहीं है. हमारे देश में कानून ही सर्वोपरि है. साथ ही कानून ही दोषी व्यक्तियों को सजा देता है. अब देखना यह है कि झारखंड की राजनीति पर इसका क्या असर पड़ेगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा.

सीएम को जवाब देना चाहिए,ईडी कानून के तहत काम कर रही है : संजय कुमार

धनबाद हीरापुर के रहने वाले संजय कुमार ने कहा कि ईडी की कार्रवाई से मुख्यमंत्री की कुर्सी जा जाना तय है .क्योंकि ईडी कानूनी प्रक्रिया के तहत अपना कार्य कर रही है .अगर मुख्यमंत्री सही होते तो वह ईडी के समन का जवाब वक्त पर देते रहते. लेकिन उन्होंने ऐसा नही किया .जिसके कारण आज ईडी ने दबिश दी है . रही बात झारखण्ड के सियासी पारे की तो झारखण्ड का अलग होना ही झारखंड के लिए सबसे बड़ा दुर्भाग्य है . क्योंकि झारखण्ड अलग होने के बाद से झारखण्ड हमेशा सर्वे में रहा है हमेसा यहां का सियासी पारा चढ़ा रहता है .यहां के नेता सिर्फ अपनी जेब भरने में मस्त रहते हैं . जिसके कारण यहां विकास की गति थम सी गई है .लोग पलायन करने को मजबूर है.

कानून के ऊपर कोई नहीं, ईडी की कार्रवाई कानून सम्मत है : विकास सिंह चौधरी

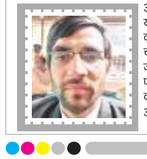

अधिवक्ता विकास सिंह चौधरी ने कहा कि कल्पना सोरेन मुख्यमंत्री बनती है या नहीं यह तो समय और परिस्थिति ही बताएगी. लेकिन ईडी के द्वारा की जा रही कार्रवाई कानून सम्मत है .कानून से ऊपर कोई नहीं होता .कानून का सम्मान सभी को करना चाहिए .उन्होने कहा कि गांडेय विधायक के इस्तीफा से झारखंड में राजनीतिक हलचल जरूर बढ़ गई है .जिसका सीधा असर राज्य में होने वाले विकास पर पड़ेगा .ऐसी परिस्थिति में वर्तमान सरकार को अपना कार्यकाल पूरा करने की दिशा में कार्य करने की जरूरत है .क्योंकि झारखंड की वर्तमान स्थिति भी अच्छी नहीं है .झारखंड में अच्छे शासन की जरूरत है ताकि राज्य के रुके सभी काम समय पर पूरा हो सके.

जमशेदपुर

भाजपा के लोग इस मामले में उड़ा रहे अफवाह : सुधीर कुमार पप्पू

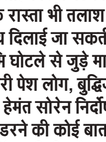

अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू ने कहा कि राज्य में लोकप्रिय हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ भाजपा के लोग अफवाह उड़ा रहे हैं. भाजपा हेमंत सरकार को अस्थिर करना चाहती है. एक तरफ केंद्र सरकार ईडी को मोहरा बनाकर हेमंत सरकार के खिलाफ काम करवा रही है. दूसरी तरफ राजभवन की ओर से भी हवा दिया जा रहा है, परंतु बीजेपी की साजिश पूरी नहीं होगी. राज्यपाल को क्या करना है यह दिशा-निर्देश भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी दे रहे हैं जो बहुत ही शर्मनाक है. राजभवन की ओर से ऐसा बयान आ रहा है जैसे कोई भाजपा नेता बयान दे रहा हो. इस सब के बावजूद हेमंत सरकार राज्य में लोकप्रिय है और उसे जनता का विश्वास प्राप्त है. केंद्र सरकार और भाजपा के साजिश का मुंहतोड़ जवाब झारखंड की जनता देगी. आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा का सफाया हो जाएगा. केंद्र सरकार की ओर से ईडी के माध्यम से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर इसलिए दबाव डाला जा रहा है ताकि हेमंत सोरेन आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को मदद करें. अगर हेमंत सोरेन भाजपा खेमे में जाने का संकेत देंगे तो ईडी का मामला और मीडिया ट्रायल बंद हो जाएगा. परंतु ऐसा हरगिज नहीं होगा.

हेमंत सोरेन सरकार को अपने वादे पूरे करने चाहिए : दुर्गा प्रसाद दास

गोलपहरी जनकल्याण समिति के पूर्व सचिव और रिटायर्ड रेल कर्मी दुर्गा प्रसाद दास ने कहा कि हेमंत सरकार अपने वादों से मुकर रही है. जनता के द्वारा दिए गए अधिकार को अपने घर परिवार के लिए भरण पोषण का रास्ता समझ बैठी है, जो उनकी नासमझी है. जबकि पदभार लेते वक्त उन्होंने शपथ ग्रहण किया था कि वे जानता द्वारा दिए गए सुझाव और जानता के हित में हमेशा तत्पर रहूंगा. परंतु पद ग्रहण के बाद वे इन बातो को भूल कर अपनी झोली भरने मे लग गए है. ईडी द्वारा की जा रही कार्रवाई कितनी सही है यह तो जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा.

सरकार के खिलाफ दुर्भावना से प्रेरित कार्रवाई लग रही है : सुनील कुमार

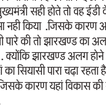

शिक्षक सुनील कुमार ने कहा कि हेमंत सोरेन के द्वारा अपने पद के अधिकार का दुरूपयोग करते हुए अगर निजी लाभ लिया है तो वह गलत है. अगर उन्होंने नहीं लिया है तो हेमंत सरकार को तंग करने की नीति केंद्र सरकार और ईडी की उचित नहीं है. यह तो जांच का विषय है कि हेमंत सोरेन ने गलत किया है या नहीं. अभी तक इस बात की कोई पुष्टि भी नहीं हुई है. लेकिन हेमंत सोरेन को भी चाहिए कि जांच में वे सहयोग करें. जबसे केंद्र में भाजपा की सरकार आई है तब से कुछ खास लोगों के खिलाफ ईडी कार्रवाई कर रही है. उससे कहीं न कहीं दुर्भावना से प्रेरित कार्रवाई लगती है.

राज्य सरकार को अस्थिर करने का प्रयास राज्य हित में नहीं : भरत सिंह

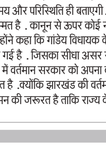

समाजसेवी भरत सिंह ने कहा कि हेमत सरकार पूर्ण बहुमत की सरकार है. अगर हेमंत सोरेन के ऊपर किसी भी तरह की कार्रवाई होती है तो उसके लिए राज्य सरकार के पास वैकल्पिक व्यवस्था है. क्योंकि जब ईडी इनके ऊपर जो आरोप लगा रही है उसका जवाब हेमंत सोरेन पहले भी दे चुके हैं. फिर भी लगातार सम्मन भेजा जा रहा, इससे यह ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार को अस्थिर करने के लिए यह कार्रवाई की जा रही है जो राज्य हित में नहीं है. सरकार अच्छा काम कर रही है और युवाओं को रोजगार दे रही है. महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य कर रही है. लगातार स्वास्थ्य व्यवस्था को भी ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है.

चक्रधरपुर

स्थिति ठीक नहीं, कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी सरकार : अमन बानसिंह

चक्रधरपुर के बुढ़ीगोड़ा गांव निवासी समाजसेवी अमन बान सिंह ने कहा कि राज्य की राजनीतिक स्थिति ठीक नहीं है .यह संभव नहीं लग रहा है कि राज्य मे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी कार्यकाल अपना पूरा कर पाएंगे. गांडेय विधानसभा सीट से झामुमो के विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे से राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की वर्चाए होने लगी है .मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर ईडी की कार्रवाई तो पूर्व से ही तय थी. कल्पना सोरेन अगर मुख्यमंत्री नहीं बन पाती है तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोई न कोई विकल्प जरूर छोड़ रखा होगा .एक सप्ताह के भीतर सबकुछ स्पाष्ट हो सकता है.

आम जनता की चिंता नहीं, सत्ता बचाये रखने की जंग जारी है: विकास कुमार

चक्रधरपुर निवासी शिक्षक विकास कुमार ने कहा कि राज्य में किसी भी राजनीतिक दल के नेताओं को जनता की चिंता नहीं है. सभी सत्ता बचाये रखने की जंग लड़ रहे हैं. राज्य में किसी तरह सरकार बनाकर जेबे भरने की कोशिश चल रही है .राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर ईडी की दबिश बनने पर गांडेय के विधायक सरफराज अहमद ने इस्तीफा दिया है .अब छापेमारी भी शुरू हो चुकी है. ईडी की कड़ी छापेमारी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कई करीबियों के नाम सामने आएंगे. झारखंड को सभी राजनीतिक दल के नेता लूटने पर ही लगे हैं. झारखंड का जिस तरीके से विकास होना चाहिए, वैसा नहीं हो पाया है.

छापेमारी से साफ है कि सीएम पर भी कार्रवाई होगी : अमित कुमार

ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी से झारखंड की वर्तमान सरकार में हलचल तेज हो गई है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सबसे करीबी माने जाने वाले अभिषेक श्रीवास्तव समेत अन्य लोगों के यहां छापेमारी हो रही है. इसका इशारा साफ है कि मुख्यमंत्री पर भी कार्रवाई होगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी इन चीजों से वाकिफ हैं, इसे देखते हुए ही गांडेय के विधायक सरफराज अहमद ने विधायक पद से इस्तीफा दिया है और उनके इस्तीफे को स्वीकार भी कर लिया गया है. योजनाबद्ध तरीके से झारखंड मे राजनीति की जा रही है.

कई चर्चित चेहरे, ईडी की छापेमारी जारी

रांची। झारखंड में तेज राजनीतिक हलचल के बीच बुधवार को ईडी की टीम ने मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद, साहेबगंज के डीसी रामनिवास यादव, विनोद कुमार, होटवार जेल के कर्मी अवधेश सहित रौशन कुमार के यहां छापेमारी की. ये सभी लोग सीएम के काफी करीबी माने जाते हैं. साथ ही ये चर्चित भी हैं, इनमें से एक ऐसा भी शख्स है जो झामुमो का नेता तो है ही, सत्ता का संरक्षण प्राप्त होने के कारण उसने रांची में पिछले कुछ वर्षों में अपना अलग साम्राज्य स्थापित कर लिया है. कहा जाता है कि पूर्व डीसी और लैंड रेकेम के आरोप में जेल में बंद छवि रंजन के कार्यकाल में जिला प्रशासन और रेवन्यू से जुड़े सभी अफसरों के संबंध रौशन कुमार के काफी करीबी रहे हैं. रौशन की हनक का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि रांची के प्रमुख अंचल जैसे नामकुम, ओरमांझी, रातू, कांके, हेहल, अरगोड़ा और नगड़ी के कार्यालय में वह बिना किसी रोक टोक के घुसता था. जिला प्रशासन अधिकारियों का कहना है कि सत्ता के करीबी लोगों के नाम की धौंस देकर वह अपना काम कराता रहा है.

चाईबासा

झारखंड में राजनीतिक उथल-पुथल मच चुकी है : डॉ. मुरारी

कोल्हान विश्वविद्यालय के जीसी जैन कॉमर्स के सहायक प्रोफेसर डॉ मुरारी बेध ने कहा कि झारखंड में राजनीतिक उथल-पुथल हो चुकी है. जल्द ही नए मुख्यमंत्री की घोषणा होगी. मुख्यमंत्री को लगातार ईडी की ओर से समन किया जा रहा था, लेकिन मुख्यमंत्री इस पर गंभीर नहीं दिए. जिसका नतीजा यह देखने को मिला, लोकतंत्र में जनता का विश्वास बनना कठिन होता है. लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा लोकतंत्र की गरिमा को नहीं समझा. आज इस स्थिति में पहुंच गया है कि सत्ता तक गंवानी पड़ रही है. सरकार को जल्द ही कठोर निर्णय लेने की जरूरत है. जनता ने अवसर दिया था. लेकिन इस अवसर का लाभ नहीं ले पाई. झारखंड में सरकार गिरना लगभग तय हो गया.

एक साथ मिलकर निर्णय करने की जरूरत: डॉ. विजय प्रकाश

कोल्हान विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. विजय प्रकाश ने कहा कि सरकार चलाना मुश्किल हो गया है. अब सभी विधायक को एक साथ मिलकर निर्णय करने की जरूरत है. जिस तरह से एक विधायक के इस्तीफे से यह जाहिर हो रहा है कि किसी के लिए जगह खाली करनी है. ताकि वहां से चुनाव लड़ाया जा सके. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन का नाम मुख्यमंत्री के लिए उजागर हो रहा है. लेकिन इस पर सभी विधायक दल को विचार करने की जरूरत है. क्योंकि नए चेहरे को लाना कहीं न कहीं एक चुनौती ही है. सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है.

लातेहार

सीएम को ईडी के सामने पेश होना चाहिए: संतोष

अधिवक्ता संतोष रंजन ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी के सामने पेश होना चाहिए और उन्हें अपना पक्ष रखना चाहिए. उन्हें कई बार ईडी समन भेज चुका है. ऐसे मे सीएम को चाहिए कि ईडी के समक्ष पेश हों और जांच मे सहयोग करें. देश के कई बड़े नेता ईडी के समक्ष पेश हो चुके हैं और जांच मे अपना सहयोग दिया है. अगर कहीं कुछ नहीं है तो सीएम को ईडी से डरने की जरूरत नहीं है.

इस्तीफा कई सवाल खड़े कर रहा है : पंकज कुमार

व्यवहार न्यायालय के अधिवक्ता पंकज कुमार ने कहा कि जिस तरह से गांडेय के विधायक ने अपने पद से इस्तीफा दिया है, वह कई सवालो को जन्म दे रहा है. आखिर ऐसी क्या जरूरत पड़ गयी जब झामुमो विधायक को अपना इस्तीफा देना पड़ा. इसका मतलब है कि सरकार में बहुत कुछ चल रहा है. मुख्यमंत्री ईडी की संभावित कार्रवाई के लिए तैयार हो रहे है. हालांकि मुख्यमंत्री ईडी के समक्ष जा कर अपना पक्ष रखना चाहिए. अगर उनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं उन पर लगाये गये आरोप बेबुनियाद हैं तो उन्हें डरने की आवश्यकता नहीं है.

उप चुनाव में भी काफी खर्च आता है : अनूप कुमार

पोचरा, लातेहार ग्राम निवासी अनूप कुमार ने कहा कि गांडेय विधानसभा क्षेत्र के विधायके इस्तीफा देने के बाद वह सीट खाली हो गयी है. ऐसा नहीं है कि सीट खाली रहेगी, वहां चुनाव आयोग को चुनाव कराना होगा. एक उप चुनाव में काफी खर्च आता है. झारखंड आज बेरोजगारी व महंगाई की मार झेल रहा है. चुनाव का सारा खर्च आम जनता के उपर ही आयेगा. इसके अलावा पूरी प्रशासिनक मिशनरी उसमे व्यस्त रहेगी. वहां आचार संहिता लगेगा भी लगेगा, इससे गांडेय विधानसभा क्षेत्र का विकास अवरूद्ध होगा.

बोकारो

सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगायें राज्यपाल : ज्ञानेश

कसमार प्रखंड के खैराचातर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञानेश जायसवाल ने कहा कि ईडी अपना काम कर रही है. अगर हेमंत सोरेन निर्दोष है तो उन्हें ईडी के समक्ष प्रस्तुत होकर अपनी बात रखनी चाहिए. ऐसे अगर झारखंड की हालात पर गौर करें तो इस राज्य में हर महकमा भ्रष्टाचार की चपेट मे है. पूरा मंत्रालय सिर्फ चार साल लोक लुभावन नारों पर टिका हुआ है. झारखंडी आज भी पलायन का शिकार हो रहे हैं. इस सरकार के बनते ही माफिया राज पूरे झारखंड मे चल रहा है. मूलभूत मौलिक सुविधा के लिए भी बैंक, थाना, अंचल, प्रखंड जिला कहीं भी गरीबी की बात नहीं सुनी जा रही है. केंद्र की योजनाओ को भी बाधित करके किसान मजदूर युवाओं को ठगा जा रहा है. खनन मामलों से झारखंड में ईडी की धमक के बाद बालू, ईंट, गिट्टी, विल्स गरीब की पहुंच से दूर हो गये है. ऐसे हालात में राज्यपाल को चाहिए कि सरकार को बर्खास्त कर राज्य मे राष्ट्रपति शासन लगाएं.

वंशवाद तो हर क्षेत्रीय दल पर हावी है : रंजीत गिरी

बोकारो सिविल कोर्ट के अधिवक्ता रंजीत गिरि ने कहा कि वंशवाद सभी राजनीतिक दलों पर हावी है. खासकर क्षेत्रीय दलों पर. यूपी में मुलायम एंड सन, बिहार में लालू एंड सन, दक्षिण में करुणानिधि एंड सन, झारखंड मे शिबू एंड सन प्राइवेट लिमिटेड जैसी पार्टी बन गई है. राजनीति में परिवारवाद का प्रचलन शीर्ष पर है. ये तो राजतंत्र का दूसरा रूप देखने को मिल रहा है. राजतंत्र में जब भी राजा बनेगा तो उसी का परिवार का सदस्य बनेगा. झारखंड की घटना इसका ताजा उदाहरण है. कोई भी राजनीतिक दलो को अपने कार्यकर्ताओं पर भरोसा नहीं रह गया है, इसलिए कोई भी राजनीतिक दल का मुखिया चाहता है कि उसी परिवार का सदस्य सत्ता की बागडोर संभाले. क्योंकि उनका भरोसा सिर्फ अपने परिवार पर है. हेमंत के बदले कल्पना बने या शिबू सोरेन सीएम बने, आखिर यही तो परिवारवाद है.

गोड्डा

स्थिर सरकार के नहीं रहने से सब पर असर पड़ता है : धर्मेंद्र

विकास के लिए एक स्थिर सरकार का होना बहुत जरूरी है. अस्थिर सरकार का असर सभी पर पड़ता है. झारखंड स्टेट बार काउंसिल के सदस्य अधिवक्ता धर्मेंद्र नारायण का कहना है कि पूर्ण बहुमत से बनने वाली स्थिर सरकार होती है और बेहतर कार्य करती है. झारखंड की वर्तमान सरकार गठबंधन से बनी सरकार है, जो अपना चार वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुकी है. मगर जैसी परिस्थिति बन रही है लगता है आगे की राह मुश्किल होने वाली है.

सरकार को जांच एजेंसी का सामना करना चाहिए : प्रो. सतीश पाठक

राज्य सरकार को चाहिए कि अपनी स्थिति को स्पाष्ट करें. जांच एजेंसी अगर कुछ मामलों मे पूछताछ करना चाह रही है, तो इसमे सहयोग करने की बजाय विवाद पैदा करना कहां तक सही है. गोड्डा कॉलेज के रिटायर्ड प्राचार्य प्रो. सतीश पाठक कहते हैं कि जांच एजेंसी किसी राज्य के सीएम को सीधे-सीधे जेल नहीं भेज सकती है. उसके लिए न्यायपालिका है. अगर कोई ठोस साक्ष्य नहीं है, निर्दोष रहे तो न्यायपालिका से बरी होकर लौट आएंगे.

चूहे-बिल्ली का खेल अब तो बंद होना चाहिए : प्रो. केसी देव

प्रो. केशव चंद देव का कहना है कि चूहे बिल्ली का यह खेल अब बंद होना चाहिए. बहुत दिनों से यह मामला चल रहा है. जनता अब तंग आ चुकी है. न्यायपालिका को हस्तक्षेप कर इस मामले का पटाक्षेप करना चाहिए. कुर्सी से चिपके रहने की मानसिकता के कारण कोई भी दल हो वह हर हाल मे सत्ता से चिपके रहना चाहता है. ऐसे नेताओं को लगता है कि खानदानी कुर्सी है और वे इस कुर्सी के लिए सबसे योग्य व्यक्ति है. इसी मानसिकता ने देश को बर्बाद कर रखा है अब ऐसे दल और मानसिकता वाले लोगों से छुटकारा पाने का समय आ गया है.

एजेंसी का जांच के नाम पर चल रहा है मानसिक गेम : योगेश झा

जिला अधिवक्ता संघ के महासचिव योगेश चन्द्र झा का कहना है कि केंद्रीय एजेंसी भी जांच के नाम पर गेम करती है. बीच बीच में कोई पत्र जारी कर फिर लंबे समय तक चुप हो जाती है. फिर अचानक दरवाजे पर पहुंचकर एक लेटर जारी कर देती है. जांच को नियमित तौर पर और समय के तहत किया जाना चाहिए. साथ ही तथ्यों को भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए. राजनीतिक दांव पेंच की तरह जांच नहीं होनी चाहिए. सूबे के सीएम को भी चाहिए कि वह जांच एजेंसी के सामने आकर अपनी बातों को स्पाष्ट करें. ताकि ऊहापोह की स्थिति न बनी रहे. जनता के बीच एक सही संदेश जाना चाहिए.

गिरिडीह

सरफराज ने गांडेय की जनता को धोखा दिया है : शंभू वर्मा

डॉ शंभू वर्मा ने कहा कि जेएमएम विधायक डॉ सरफराज अहमद ने इस्तीफा देकर गांडेय विधानसभा क्षेत्र की जनता को धोखा दिया है. क्षेत्र की जनता ने 5 वर्षों तक इस विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए उन्हें अपना कीमती वोट दिया था. लेकिन उन्होंने अपने लाभ के लिए एक वर्ष पूर्व ही विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया. इस गंदे विधानसभा क्षेत्र की जनता को काफी कष्ट हुआ है. डॉ अहमद ने अपना लाभ के लिए निर्वाचन आयोग का करोड़ो रुपया का खर्च बढ़ा दिया है. एक उपचुनाव करवाने में सरकारी तंत्र को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. विधायक के पद से इस्पा देने से पहले उन्हें इन सब चीजों का ध्यान रखना चाहिए था.

विधायक का इस्तीफा जनता के साथ धोखा : डॉ. यूनुस अंसारी

फातिमा हॉस्पिटल डोकीडीह के चिकित्सक डॉ यूनुस अंसारी ने कहा की विधायक डॉक्टर सरफराज अहमद का इस्तीफा जनता के साथ धोखा है. गांडेय विधानसभा का सीट एक वर्ष पूर्व खाली हो गया है. दुबारा उपचुनाव करवाने में काफी खर्च होता है. सरकारी तंत्र के साथ-साथ आम जनता को भी काफी परेशानियो का सामना करना पड़ता है. एक नेता को राजनीतिक फायदे के लिए विधायक के पद से इस्तीफा देना कही से उचित नहीं है. इस प्रकार के नेताओं को जानता सबक सिखाएगी. अगर राज्य के मुखिया को ईडी की ओर से समन भेजा जाता रहा है तो उसका जवाब दिया जाना चाहिए. ईडी किसी मामले में जांच कर रही है तो उसमें सहयोग तो करना ही चाहिए.

इस्तीफे का कारण स्पष्ट करे सरफराज : प्रमोद कुमार सिन्हा

लंका बाबा कॉलेज मिर्जानंज के सेवानिवृति प्राचार्य प्रोफेसर प्रमोद कुमार सिन्हा ने कहा कि डॉ. सरफराज अहमद ने इस्तीफा का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं किया है. इससे गांडेय विधानसभा की जनता असमंजस की स्थिति मे है. किसी भी राजनीतिक दल द्वारा केसे प्रत्याशी को टिकट नहीं देना चाहिए जो कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा दे दे. इससे राजनेताओं के प्रति जनता का विश्वास कमजोर होता है. गांधी विधानसभा क्षेत्र की जनता को 5 वर्ष पूरा होने से पहले ही अपना विधायक चुने के लिए दूसरी बार मतदान करना होगा. उन्होंने कहा कि अपने निजी लाभ के लिए डॉक्टर सरफराज अहमद ने गांधी विधानसभा की जनता को धोखा देने का काम किया है. इस प्रकार के राजनेताओं से विकास नहीं हो सकता है.

बेरमो

संविधान का पालन करना ही चाहिए : वकील प्रसाद महतो

अधिवक्ता संघ तेनुघाट के महासचिव वकील प्रसाद महतो ने कहा कि राज्य में संविधान का पालन करना राज्य के मुखिया की जवाबदेही है. यदि ईडी कानून के तहत काम कर रही है तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उसका पालन करना चाहिए. यदि राज्य के मुखिया ही कानून का पालन नहीं करेंगे तो आम जनता का क्या होगा. जहां तक गांडेय के विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे की बात है, यह उनका निजी मसला हो सकता है.

चालकों की हड़ताल के सबक

लोकतंत्र में कानून बनाने की प्रक्रिया में प्रभावित पक्षों के विचार भी अहम मायने रखते हैं. लोकतंत्र अब्राहम लिंकन की परिभाषा के अनुसार जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन माना जाता है. लेकिन दुनिया में बढ़ते कारपारेट के प्रभाव ने लोकतंत्र की पूरी अवधारणा को ही प्रभावित कर दिया है. खास कर उन देशों में जो आर्थिक चुनौतियों से बाहर निकलने की जद्दोजहद कर रहे हैं और साथ ही देश के आर्थिक संसाधनों पर एकाधिकार को बढ़ावा दे रहे हैं. भारत में कृषि कानूनों को ले कर इसी तरह की बहस हुई थी और 700 किसानों की कुर्बानियों और साल भर चले लंबे आंदोलन के बाद केंद्र ने उसे वापस लिया था. तब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उनकी तपस्या में ही कमी रह गयी कि वे लोगों को कृषि कानूनों के महत्व और लाभ को नहीं समझा सकें. अब एक बार फिर केंद्र सरकार के एक नए कानून को ले कर इसी तरह जनदबाव है. देश भर के ट्रक और बस ड्राइवरों की हड़ताल ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जब हड़बड़ी और बगैर परामर्श के कोई कानून बनाया जाता है तो उसकी प्रतिक्रिया किस रूप में सामने आ सकती है. राहुल गांधी ने इस संदर्भ में एक्स पर ठीक ही लिखा है : बिना प्रभावित वर्ग से चर्चा और बिना विपक्ष से संवाद के कानून बनाने की ज़िद लोकतंत्र की आत्मा पर निरंतर प्रहार है. जब 150 से अधिक सांसद निलंबित थे, तब संसद में

> भारत में कृषि कानूनों को ले कर इसी तरह की बहस हुई थी और 700 किसानों की कुर्बानियों और साल भर चले लंबे आंदोलन के बाद केंद्र ने उसे वापस लिया था. तब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उनकी तपस्या में ही कमी रह गयी .

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़, ड्राइवर्स के विरुद्ध एक ऐसा कानून बनाया गया, जिसके परिणाम घातक हो सकते हैं. केंद्र सरकार ने हाल ही में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह क्रमशः भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए हैं. भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 104 (2) कहती है कि हिट एंड रन की घटना के बाद अगर कोई आरोपी घटनास्थल से भाग जाता है और पुलिस या मजिस्ट्रेट को सूचित नहीं करता है, तो उसे 10 साल तक की सजा भुगतनी होगी साथ ही सात लाख का जुर्माना भी भरना हेगा. इसी के वरोध में नये साल के आगाज के साथ ही देश में ट्रकों-बसों के पहिये थम गए हैं. अब सरकार के प्रतिनिध जरूर कह रहे हैं कि कानून को तत्काल स्थगित किया जाएगा, लेकिन इससे विवाद का स्थायी हल तो नहीं निकलता. किसानों ने आंदोलन समाप्त कर दिया था. सरकार के आश्वासन के बाद कि वह एमएसपी यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी की दिशा में कदम उठाएगी, लेकिन किसान अब फिर इस गारंटी की याद दिलाने के लिए आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं. इसका अर्थ यही है कि कानून बनाने के पहले परामर्श की तमाम संभावनाओं को खंगालने के बाद ही उस पर कदम उठाया जाए.

सुभाषित

अश्वस्य भूषणं वेगो मत्तं स्याद गजभूषणम्।
चातुर्यं भूषणं नार्या उद्योगो नरभूषणम्॥

आभूषण शृंगार के साधन होते हैं, जो रुचिकर होते हैं. आभूषण किसी व्यक्ति या वस्तु की शोभा बढ़ जाती है. तेज चाल घोड़े का आभूषण है, मत्त चाल हाथी का आभूषण है, चातुर्य नारी का आभूषण है और उद्योग में लगे रहना नर का आभूषण है.

जाति गौरव वाली सियासत का नया दौर

दरअसल, कहा जाता है कि जमीन का चारों कोना जब तक एक जैसा समतल नहीं होगा, हर कोने में फसल को एक जैसा पानी नहीं मिलेगा. ऐसा न होने पर एक जैसी फसल की उम्मीद कैसे की जा सकती है! यही सोचकर हमारे विद्वान संविधान विशेषज्ञों ने कुछ वर्षों के लिए आरक्षण का यह अधिकार दिया था कि कुछ दिन में समाज का वह पिछड़ा और उपेक्षित वर्ग बराबर में खड़े होने योग्य हो जाएगा, फिर उसे वापस ले लिया जाएगा.

गुप्त साम्राज्य के प्रसिद्ध सम्राट चंद्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त, चंद्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त और स्कंदगुप्त हुए हैं. इतिहास बताता है कि गुप्त साम्राज्य का उदय अनेक विदेशी आक्रमणों के फलस्वरूप हुआ था. उस समय एक बार फिर भारतीय व्यापारियों ने सुसमृद्ध साम्राज्य की आर्थिक पृष्ठभूमि प्रस्तुत की थी. इसी समय वैष्णव प्रभाव की छाया में जाति-व्यवस्था का पुनर्गठन हुआ था और अनेक धर्मशास्त्रों और पुराणों का निर्माण हुआ था. पुराणों ने भक्ति को अधिक प्रश्रय दिया था, जो निम्न जातियों को सहूलियत देने की प्रवृत्ति का विकास था. इस युग में दर्शन, धर्म, ज्योतिष आदि प्रायः सभी क्षेत्रों में अपूर्व उन्नति हुई. गुप्तों के समय शूद्रों ने उत्थान किया था. वे सेना में लिए जाते थे और उच्च पदों तक पहुंच जाते थे. वैसे वर्ण—व्यवस्था का पहला उल्लेख ऋग्वेद के पुरुष सूक्तम श्लोक में है. वहीं श्रीमद्भगवद्गीता में कहा गया है कि किसी व्यक्ति को उसके कर्म और गुण के आधार पर वर्ण निर्धारित किया जाएगा, जन्म के आधार पर नहीं. समाज में रहने वाले लोग अपनी कोख से मनुष्य को ही जन्म देते हैं, उसका रंग—रूप मनुष्य का ही होता है, लेकिन उस बच्चे के जन्म लेते ही हम उसे जातियों में बांट देते हैं और फिर उन्हें अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक, अगड़ी और पिछड़ी जातियों, दलित और सवर्ण, हिंदू-मुसलमान में बांट देते हैं, जबकि सच में उस नन्हे शिशु को इस बात का कोई मलाल नहीं होता है कि उसके साथ समाज क्या खिलवाड़ कर रहा है.

• देश-काल

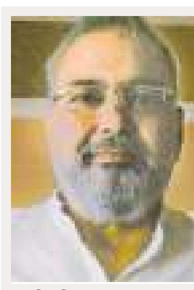

निशिकांत ठाकुर

फिर अपने भारत में इस जातिगत व्यवस्था में हजारों वर्ष बीत गए. समाज जहां से शुरू हुआ था, उसी लीक पर चलकर वर्षों गुजार दिए. फिर जब औपनिवेशिक शासनकाल आया तो अंग्रेजों ने इसका भरपूर लाभ उठाया और भारतीयों को जातिवाद, गरीब-अमीर का फर्क डालकर, हिंदू—मुस्लिम के नाम पर खूब लड़ाया. उद्देश्य उनका यही होता था कि इनमें फूट डालो और लंबे समय तक शोषण के बल पर राज करते रहो. इसमें वे सफल भी हुए और वर्षों तक भारत पर उनका राज्य कायम रहा. फिर जब आजादी मिली, तो हमारे अग्रिम पंक्ति के नेताओं ने समाज के बीच जाकर इसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन समाज में जातिवाद का जो जहर घुल चुका था, उसे तत्कालीन नेता भी नहीं निकाल सके. उस पीढ़ी के नेताओं के साथ जब उनके बाद देश के कर्ता अग्रिम पंक्ति के नेता बनकर आए, तो उन्होंने तत्काल इसका लाभ उठाना शुरू कर दिया. उन्होंने अपना उद्देश्य यह बना लिया कि समाज जितना अशिक्षित रहेगा, उनकी मनमानी उतनी चलेगी. फिर ऐसे नेतागण भोली—भाली जनता को गुमराह करने लगे. कभी अनाज बांटकर, कभी हिंदू—मुस्लिम के बीच फूट डालकर, कभी जातिगत आरक्षण के नाम पर, तो कभी जातिगत प्रतिशत दिखाकर समाज को भ्रमित करने लगे.

औपनिवेशिक शासन काल 1881 में जनगणना कराई गई थी, लेकिन जाति आधारित जनगणना कराने वाला राज्य बिहार बन गया है. इस जाति आधारित जनगणना से यह बात बिहार में साफ हो गई है कि राज्य के किस जिले में, किस गांव या मोहल्ले में किस जाति के कितने लोग हैं. चाहे चंपारण की नीलवाली क्रांति के शांति के अग्रदूत महात्मा गांधी हों या 1975 के आंदोलन को नेतृत्व देने वाले जयप्रकाश नारायण हों और अब जातिगत जनगणना को नेतृत्व देने वाले बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, सबकी अगुआई बिहार ने ही की है.

दरअसल, कहा जाता है कि जमीन का चारों कोना जब तक एक जैसा समतल नहीं होगा, हर कोने में फसल को एक जैसा पानी नहीं मिलेगा. ऐसा न होने पर एक जैसी फसल की उम्मीद कैसे की जा सकती है! यही सोचकर हमारे विद्वान संविधान विशेषज्ञों ने कुछ वर्षों के लिए आरक्षण का यह अधिकार दिया था कि कुछ दिन में समाज का वह पिछड़ा और उपेक्षित वर्ग बराबर में खड़े होने योग्य हो जाएगा, फिर उसे वापस ले लिया जाएगा. उन्हें विश्वास था कि कुछ वर्षों में समाज का वह वर्ग पूरी तरह शिक्षित और परिपक्व हो जाएगा कि वह समाज के हर वर्ग के साथ कदम से कदम मिलाकर साथ चलने को तैयार हो जाएगा, लेकिन यह क्या? इसका अधिकांश लाभ तो राजनीतिज्ञ ही उठाने लगे. चाहे वे कितने ही बड़े राजनीतिज्ञ या कितने ही धनाढ्य क्यों न हों, इसका लाभ अपने निज हित में उठाने लगे, परिणाम यह हुआ कि समाज का जो अति कमजोर और पिछड़ा वर्ग था, वह और अधिक पिछड़ गया, कमजोर हो गया.

अब तो प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति और न जाने कितने बड़े—बड़े राजनीतिज्ञ अपने को दलित और पिछड़े वर्ग का कहकर जनता के सहानुभूति के पात्र बनने में गौरवान्वित महसूस करते हैं. स्वयं प्रधानमंत्री बार-बार दोहराते हैं कि वे पिछड़ा और गरीब वर्ग से आते हैं. अब तो यहां तक कि माननीय उपराष्ट्रपति ने अपने को पिछड़े वर्ग का कहकर एक समुदाय विशेष की सहानुभूति का पात्र बनने में सफल रहे हैं. निश्चित रूप से आजादी के बाद से आज तक कोई भी प्रधानमंत्री या उपराष्ट्रपति ऐसे नहीं थे, जिन्होंने स्वयं को समाज के किसी जाति—विशेष के साथ जोड़ा हो, क्योंकि यह पद संवैधानिक होने के साथ साथ गरिमायुक्त पद है और नमन उन संविधान निर्माताओं को जिन्होंने इन पदों को किसी जाति विशेष के लिए आरक्षित नहीं किया. इसका अर्थ स्पष्ट है कि इस पद पर पदारूढ़ होने के बाद वह पद जातिविहीन हो जाता है और योग्यता को आधार माना जाता है. आज देश की अधिकांश जनता को अपने पूर्व प्रधानमंत्रियों, राष्ट्रपतियों और उप राष्ट्रपतियों के लिए यह तक पता नहीं होगा कि वे किस वर्ग, किस जाति, किस समुदाय से थे.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

जीवन का लक्ष्य

जो मनुष्य, 'जीव' (आत्मा) के अस्तित्व को मानता है, उसी के लिए जीवन के लक्ष्य को खोजने की बात पैदा होती है. जो मनुष्य जीव के अस्तित्व को नहीं मानता या मात्र इस भव (मनुष्य जीवन) जितना ही इस जीवन को मानता है तो उसके लिए कमाना, खाना और मज़े करना, ये बाह्य बातें ही जीवन लक्ष्य होती है. अगर चिंतक नास्तिक हुआ तो कला, साहित्य, संगीत, सिनेमा आदि को भी अपने जीवन का लक्ष्य मान सकता है, किन्तु यह उच्च श्रेणी के नैतिकता सम्पन्न नास्तिक के विषय में ही समझना चाहिए. इसी प्रकार जिन जीवों को कुछ भी तत्व जिज्ञासा नहीं है, वे जीव भी बाहर के लक्ष्य में ही खो जाते है. ऐसे जीव बहिरात्मा है. वे स्थूल लक्ष्यों को ही अपने जीवन का लक्ष्य समझते हैं. परन्तु जिसे जीव के त्रैकालिक अस्तित्व में विश्वास है, वह तो चिंतन के माध्यम से ही अपने जीवन लक्ष्य का निर्धारण करता है. वह सोचता है कि सामान्य मनुष्य जैसे- खाने,पीने और मज़े करने में अपना जीवन व्यतीत कर देते हैं, क्या मुझे भी वैसे ही जीवन व्यतीत कर देना है? ऐसा जीवन तो मात्र मृत्यु के लक्ष्य से ही जीया जाता है. 'जन्म लेना और भोग-भाग कर मर जाना' तो मेरे जीवन का लक्ष्य नहीं हो सकता. अथवा मात्र मरने के बाद नाम अमर रखने की इच्छा तो जीवन- लक्ष्य नहीं हो सकता, क्योंकि उस नाम-अमरता का मरने के बाद आत्मा को कोई फर्क पड़ना नहीं है. कोई लाभ मिलना नहीं है. सोचना पडेगा कि जन्म और मृत्यु के मध्य की अवधि, किसी विशिष्ठ पुरूषार्थ के प्रयोजनार्थ है. इसलिए मेरे जीवन का कोई ऐसा उत्तम लक्ष्य अवश्य होना चाहिए, जिससे मेरा जीवन सार्थक हो. इस चिंतन के साथ, जब वह ज्ञानियों के वचनों के बल से, अपने जीवन लक्ष्य को खोजता है तो वह निर्णय करता है कि 'मेरी आत्मा की शक्तियों का चरम और परम विकास ही मेरे जीवन का लक्ष्य है'. हमारे इस विकास में मुख्य बाधक हैं- हमारे विकार. अतः हमें दो उपचार साधनों को अपनाना होगा. पहला साधन है- विकारों का विराम. और दूसरा साधन है- आत्मगुणों के समरूप भावों का आराधन. विकारों पर विराम हेतु 'व्रत-नियम-संयम' है और आत्मा के सद्गुणों में उत्थान हेतु 'ज्ञान-दर्शन-चरित्र' का आराधन है. इसी से मोक्ष रूप लक्ष्य की सिद्धि होती है. वही सत्-चित-आनंद अवस्था होगी. यही परम लक्ष्य है.

यह साफ है 2024 'सामान्यता का वर्ष' नहीं होगा

• सामयिकी

प्रकाश प्रवीण

2024 हमारे सामने है, और इसकी उभरती रूपरेखा आगे देखने लायक है. लोगों को एक सदी में अनदेखे बड़े बदलावों के बारे में गहरी समझ और अधिक अनुभव प्राप्त हुआ है, जो तेजी से विकसित हो रहे हैं. लंबे समय तक चलने वाले रूस-यूक्रेन संघर्ष से लेकर फिलिस्तीन-इज़राइल संघर्ष के नए दौर तक; ब्रिक्स के ऐतिहासिक विस्तार से लेकर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में "ग्लोबल साउथ" की अवधारणा के मजबूत उदय तक, चैटजीपीटी के नेतृत्व में वैश्विक एआई लहर से लेकर "जीवाश्म ईंधन से दूर जाने" के लिए सीओपी28 में हुए ऐतिहासिक समझौते तक. उम्मीद है कि 2024 एक और "सामान्यता का वर्ष" नहीं होगा. अधूरे आंकड़ों के अनुसार, 2024 में, दुनिया भर के 76 देशों और क्षेत्रों में आम चुनाव होंगे और 100 से अधिक चुनाव अभियान होंगे, जिसमें वैश्विक आबादी के आधे से अधिक को कवर किया जाएगा. इसका मतलब अधिक अनिश्चितता और यहां तक कि अप्रत्याशित संघर्ष और अशांति की संभावना भी हो सकती है. साथ ही, यह अभी भी अज्ञात है कि क्या रूस-यूक्रेन संघर्ष और फिलिस्तीन-इज़राइल संघर्ष अगले साल समाप्त हो सकता है, जबकि भू-आर्थिक विखंडन, "डिकॉउलिंग" और "डी-रिस्किंग" का जोखिम और अधिक अनिश्चितता लाएगा वैश्विक आर्थिक सुधार प्रक्रिया. हालांकि, चाहे वह परिवर्तनों और उथल-पुथल से भरा 2023 हो या 2024, जो कि और भी अधिक अस्थिर वर्ष हो सकता है, हम अभी भी परिवर्तनों और अनिश्चितताओं के पीछे इतिहास की दिशा की कुछ बुनियादी नसें देख सकते हैं. हालांकि अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य का महान समायोजन अभी भी चल रहा है और महान शक्ति खेल की तीव्रता बढ़ेगी, सामान्य तौर पर बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ने वाले अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य की प्रवृत्ति पिछले वर्ष में कमजोर होने के बजाय मजबूत हुई है, और प्रेरक शक्ति में वृद्धि हुई है घटने के बजाय. हालांकि कुछ देश व्यापार-प्रतिबंधात्मक उपायों को बढ़ा रहे हैं, और आर्थिक वैश्वीकरण में पैन-राजनीतिकरण, पैन-प्रतिभूतिकरण और संरेखण के गलत रास्ते पर जाने की प्रवृत्ति है, जीत-जीत सहयोग का बाजार तर्क अभी भी प्रभावी है और स्थिरीकरण और ताकत और नैतिकता के मामले में युग्मन का संरक्षण अभी भी ऊपरी हाथ है. विशेष रूप से, आज दुनिया के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं और चुनौतियों की एक श्रृंखला के जवाब में, चीन समान और व्यवस्थित बहुध्रुवीयता के साथ-साथ समावेशी आर्थिक वैश्वीकरण की वकालत

> हम अभी भी परिवर्तनों और अनिश्चितताओं के पीछे इतिहास की दिशा की कुछ बुनियादी नसें देख सकते हैं. हालांकि अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य का महान समायोजन अभी भी चल रहा है और महान शक्ति खेल की तीव्रता बढ़ेगी, सामान्य तौर पर बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ने वाले अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य की प्रवृत्ति पिछले वर्ष में कमजोर होने के बजाय मजबूत हुई है.

करता है और हमेशा इतिहास के सही पक्ष में खड़ा रहा है. 2023 में, चीन की अर्थव्यवस्था ने बाहरी दबावों को झेला है और आंतरिक कठिनाइयों पर काबू पाया है, उच्च गुणवत्ता वाले विकास को ठोस रूप से आगे बढ़ाया है और सभी मामलों में एक महान आधुनिक समाजवादी देश के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम उठाया है. शायद एक तरफ 2023 के वास्तविक परिणामों और इस साल की शुरुआत में कुछ लोगों की अपेक्षाओं और दूसरी तरफ कुछ लोगों की व्यक्तिगत भावनाओं के बीच एक अंतर है. ऐसा आत्मविश्वास और ताकत चीन के उच्च-स्तरीय खुलेपन की त्वरित प्रगति से उत्पन्न होती है. 2023 में, चीन ने अमेरिका के "छोटे यार्ड, ऊंची बाड़" को उच्च स्तर के खुलेपन के साथ जवाब दिया, तीसरे बेल्ट एंड रोड फोरम फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन से लेकर कैंटन फेयर, चाइना इंटरनेशनल इम्पोर्ट एक्सपो, चाइना इंटरनेशनल सहित बड़े पैमाने के आयोजनों तक. सेवाओं में व्यापार के लिए मेला, चीन अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता उत्पाद एक्सपो, वैश्विक डिजिटल व्यापार एक्सपो और चीन अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला एक्सपो. यह पैटर्न 2024 में जारी रहने और विस्तारित होने की उम्मीद है.

ऐसा आत्मविश्वास और ताकत चीन में विकास की नई गतिशीलता के निरंतर उभरने से उत्पन्न नए लाभों से उत्पन्न होती है. 2023 में, नई पीढ़ी की सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, उच्च-स्तरीय उपकरण और हरित पर्यावरण संरक्षण द्वारा प्रतिनिधित्व करने वाले रणनीतिक उभरते उद्योग चीन में तेजी से विकसित हुए हैं. नई ऊर्जा वाहनों, पीवी और लिथियम बैटरी उत्पादों - जिन्हें चीन के "नए तीन आइटम" के रूप में जाना जाता है - का निर्यात हिस्सा काफी बढ़ गया है. उच्च प्रौद्योगिकी और उच्च वर्धित मूल्य वाले उत्पाद और हरित परिवर्तन का नेतृत्व करने वाले उत्पाद निर्यात वृद्धि के नए चालक बन गए हैं. तकनीकी नवाचार में चीनी लोगों के ठोस प्रयास बड़े पैमाने पर फल दे रहे हैं.

नाइंसाफी के खिलाफ वैश्विक जागरूकता

• देशांतर

पी. सुधीर

वर्ष 2023 का अंत गाजा में इजरायली युद्ध-मशीन द्वारा फिलिस्तीनियों के नरसंहार की काली छाया के साथ होगा। इज़रायल की लगभग तीन महीने की क्रूर आक्रामकता के कारण (26 दिसंबर तक) गाजा में 20,915 लोग मारे गये, जिनमें से 8,000 से अधिक बच्चे हैं। अन्य 53,918 लोग घायल हुए हैं और बेहिसाब संख्या में लोग अभी भी बमबारी वाली इमारतों के मलबे में दबे हुए हैं.फ़िलिस्तीनियों पर इज़राइल के युद्ध को पूरी तरह से संयुक्त राज्य अमेरिका का समर्थन प्राप्त है, जिसने 7 अक्टूबर को संघर्ष शुरू होने के बाद से इज़राइल को अधिक घातक हथियार और उपकरण भेजे हैं. अमेरिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ऐसे प्रस्तावों पर वीटो करके तत्काल युद्धविराम के किसी भी आह्वान को रोक रहा है.

हालांकि अमेरिकी प्रशासन का इजरायल के लिए कट्टर समर्थन कोई आश्चर्य की बात नहीं है, लेकिन जहां तक भारत का सवाल है, वह नयी बात इजरायल के कार्यों के लिए पूर्ण समर्थन की मोदी सरकार की घोषणा है जो भारत का इजरायल के पक्ष में बड़ा बदलाव है. भारत अक्टूबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में युद्धविराम के आह्वान वाले प्रस्ताव का समर्थन करने से इनकार करने की हद तक चला गया. युद्धविराम के प्रस्ताव पर दिसंबर में दूसरे महासभा मतदान में ही भारत ने अनिच्छा से इसके पक्ष में मतदान किया था. ऐसा न करने पर भारत अलग-थलग पड़ जाता, क्योंकि एशिया के अन्य सभी देशों ने युद्धविराम के पक्ष में मतदान किया था. 2023 मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम वर्ष है. यह एक और साल रहा है, जिसमें भारतीय लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और संघवाद की दीवारें बंद होती देखी गयीं. संसद को एक नयी इमारत में स्थानांतरित करना इसकी नयी बदनाम स्थिति का प्रतीक है. इस साल संसद के आखिरी सत्र में 146 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया, जो संसदीय लोकतंत्र के सार को खोखला करने की मोदी सरकार की मंशा को रेखांकित करता है. मणिपुर में मई महीने से अब तक की सबसे भीषण जातीय झड़पें देखी गयीं. सात महीने बाद भी, मेतई और कुकी समुदायों के बीच जातीय विभाजन जारी है और सुरक्षा बल घाटी और पहाड़ी क्षेत्रों के बीच बफर जोन की निगरानी कर रहे हैं. भाजपा के मुख्यमंत्री अपनी पक्षपातपूर्ण राजनीति के कारण इस दंगे के लिए अकेले जिम्मेदार हैं. केंद्र सभी पक्षों से बातचीत के माध्यम से राजनीतिक समाधान निकालने में विफल रहा है.

> 2023 मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम वर्ष है. यह एक और साल रहा है, जिसमें भारतीय लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और संघवाद की दीवारें बंद होती देखी गयीं. संसद को एक नयी इमारत में स्थानांतरित करना इसकी नयी बदनाम स्थिति का प्रतीक है. इस साल संसद के आखिरी सत्र में 146 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया.

मणिपुर इस बात का स्थायी प्रमाण है कि बहुसंख्यकवादी राजनीति एक संवेदनशील जातीय क्षेत्र में कितना कहर ढा सकती है. 2023 में संघवाद पर गंभीर हमला हुआ. विपक्ष शासित राज्यों के राज्यपाल राज्य सरकारों के मामलों में हस्तक्षेप करने और राज्य विधान सभाओं को कानून पारित करने के अधिकारों से वंचित करने में अधिक आक्रामक हो गये. अनुच्छेद 370 को निरस्त करने पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले और जम्मू-कश्मीर राज्य को खत्म करने और दो केंद्र शासित प्रदेश बनाने के लिए संविधान के अनुच्छेद- 3 के उपयोग पर फैसला देने से अदालत के इनकार ने इस घोर उल्लंघन पर न्यायिक वैधता की मुहर लगा दी है. मोदी सरकार जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों का हवाला देकर दावा करती रहती है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है. लेकिन, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में, भारत 2023 में 2600 डॉलर के साथ जी-20 देशों में सबसे निचले स्थान पर था. इसके अलावा, जो भी वृद्धि दर्ज की गयी थी, उससे रोजगार में वृद्धि नहीं हुई. सीएमआईई के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस साल अक्टूबर में बेरोजगारी दर 10.05 थी, जो पिछले 21 महीनों में उच्चतम स्तर है, जबकि युवा बेरोजगारी 23.22 प्रतिशत थी. कॉरपोरेट-सांप्रदायिक गठजोड़ का उदाहरण 2023 में प्रमुखता से दिया गया था. हिंडनबर्ग रिसर्च कंपनी का अडानी समूह की कॉरपोरेट धोखाधड़ी और स्टॉक हेरफेर का खुलासा अंतरराष्ट्रीय समाचार बन गया. लेकिन मोदी सरकार ने हठपूर्वक गौतम अडानी को बचाया और अपने पसंदीदा पूंजीपति की गंभीर जांच करने से इनकार कर दिया. अडानी पर हमले को हिंदुत्व व्यवस्था के तहत भारत पर हमले के रूप में देखा गया. बड़े पूंजीपतियों के प्रति मोदी सरकार की उदारता के परिणामस्वरूप, आय और धन असमानताएं नई ऊंचाइयों पर पहुंच गयीं.

मीडिया में अन्यत्र

सोलहवां वित्त आयोग संतुलन का सवाल

सोलहवें वित्त आयोग के लिए सरकार की योजनाएं आकार ले रही हैं और इनमें कुछ चौंकाने वाली बातें शामिल हैं. सरकार ने यह घोषणा की है कि सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री अरविंद पानगड़िया (वर्तमान में कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और नीति आयोग के गठन के तत्काल बाद उसके उपाध्यक्ष रह चुके हैं) इस आयोग की कमान संभालेंगे. आयोग के अन्य सदस्यों के बारे में घोषणा का इंतजार है. प्रोफेसर पानगड़िया निश्चित तौर पर इस बात से अवगत हैं कि भारत में तकनीकी प्राथमिकताओं के क्रियान्वयन के मामले में किस प्रकार की राजनीतिक बाधाएं सामने आती हैं. वर्तमान व्यवस्था भी इससे अलग नहीं है, परंतु इसके बावजूद वित्त आयोग के अध्यक्ष के रूप में काम करने के लिए एक नाजुक राजनीतिक संवेदनशीलता की आवश्यकता होती है, ताकि राजकोषीय संघवाद के मामले में विभिन्न राजनीतिक गुटों के बीच समझौते को तेजी से अंजाम देने में मदद मिल सके. तथ्य यह है कि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच संघीय तनाव बढ़ने के बीच वित्त आयोगों की भूमिका लगातार अहम होती जा रही है. वित्तीय संसाधनों और राजनीतिक शक्ति को लेकर राज्यों के बीच अलग-अलग मत के साथ भी यही बात है. उदाहरण के लिए दक्षिण भारत के राज्य उत्तर भारत के राज्यों को किए जाने वाले हस्तांतरण के आकार को लेकर बहुत अधिक चिंतित हैं. अन्य राज्य सरकारें इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अपनी नीतियों को लेकर उन्हें बहुत कम स्वतंत्रता हासिल है. वस्तु एवं सेवा कर ने बिक्री कर तय करने की उनकी स्वतंत्रता छीन ली है. केंद्र सरकार के कल्याण कार्यक्रम बहुत अधिक प्रभावी होते जा रहे हैं और समय के साथ स्थानीय बिजली वितरण कंपनियों के उपयोग या दुरुपयोग जैसे संरक्षण के अवसर भी कम होते जा रहे हैं. निस्संदेह क्षेत्रीय नेता इसे राजनीतिक गुंजाइश बनाने और उसे बरकरार रखने की अपनी क्षमता में घुसपैठ के रूप में देखते हैं. ऐसे में नीतिगत प्रयोगों और राज्य स्तर की कुछ जरूरतों की पूर्ति के लिए भी बहुत कम गुंजाइश बचती है. सोलहवें वित्त आयोग के पास यह जिम्मेदारी होगी कि वह उन संसाधनों का निर्धारण करें, जो इन नाखुश राज्य सरकारों के लिए उपलब्ध होंगे.(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मकतब/मकतूब/मकबूल

मुझे उससे प्यार है, क्योंकि वह मेरा मकतब का यार है. यह मकतब का यार एक मुहावरा है, जिसका मतलब होता है बचपन का साथी. यानी जिसका साथ मकतब के समय से है. मकतब का अर्थ है छोटे बालकों के पढ़ने का स्थान, पाठशाला, चटसाल, मदरसा. कुछ लोग इस मकतब को मकतबखाना भी कहते हैं. हालांकि यह प्रयोग सही नहीं है, क्योंकि मकतब का तो अकेले ही अर्थ है वह स्थान जहां छोटे बच्चे पढ़ते हों. इसमें खाना शब्द जोड़ने का कोई मतलब नहीं है. मकतब का मतलब किताबों की दुकान, पुस्तकालय या लाइब्रेरी भी होता है. इससे मिलते जुलते कई शब्द हैं. जैसे मकतूल, जिसका मतलब है जिसका कत्ल हुआ हो. कत्ल करने की जगह, ऐसा ही शब्द है मकता, जिसका एक मतलब है मगध देश. आईने अकबरी में मगध को मकता ही कहा गया है. मकता गजल या किसी कविता के अंतिम शेर या छंद को भी कहते हैं. मकतूब का मतलब है लिखित, लिखा हुआ. मकतूब का मतलब पत्र या चिट्ठी भी होता है. इस शब्द के प्रयोग का बहुत ही सुंदर उदाहरण इस शेर में है-अश्क आंखों में कासिद किस तरह यकमदम नहीं आता, दिले बेताब का शायद लिए मकतूब आता है. सामर्थ्य, ताकत, शक्ति, धन-दौलत, संपत्ति आदि को अरबी भाषा में मकदूर कहा जाता है. इसी प्रकार कब्जा किये हुए, अधिकृत, माल, मिल्कियत को मकबूज कहते हैं. वहीं रेहन किये हुए या गिरवी रखे हुए को मकफूल कहा जाता है. मकफूल शब्द से मिलता जुलता शब्द है मकबूल. मकबूल का मतलब है सर्वप्रिय, भारतेंदु हरिश्चंद्र के इस पद में इसके प्रयोग का उदाहरण देखिए-क्यों वह काबिल है बनता, जिसमें वह मकबूल न हो. इसका मतलब माना हुआ, स्वीकृत, मंजूर रुचिकर भी होता है. मकबूल से बना मुहावरा है-मकबूले खुदा या मकबूले बारगाह. यानी ईश्वर का प्यारा.

राजनीति का होशियार, कुर्सी की यात्रा

• तीर-तुक्का

रेखा शाह आरबी

इस दुनिया में जीने के लिए बहुत सारी चीजों की जरूरत पड़ती है जैसे भोजन, आग, हवा, पानी, लेकिन इसके अलावा और भी बहुत सारी चीजें हैं, जो जीने के लिए जरूरी हैं. उन्हीं में से एक है होशियारी. समझदारी भी बहुत जरूरी है. होशियार होना धरती पर हवा इतना ही जरूरी है. होशियार होना बहुत ही अच्छी बात है. आजकल की दुनिया में बिना होशियार हुए गुजर-बसर हो ही नहीं सकता. घर, बाजार, ऑफिस जिधर भी जाएं ऐसे लोग थोक के भाव में मिलेंगे, जो आपका काम भले ही बिगड़ जाए, लेकिन सबसे पहले वह अपना मतलब और अपना काम देखते हैं. राजनीति का होशियार होना बहुत ही अलग बात है. आम आदमी जब होशियार होता है तो ज्यादा से ज्यादा अपने परिवार का पेट सफलतापूर्वक पाल लेने की क्षमता अर्जित करता है. लेकिन जब एक राजनेता होशियार हो जाता है, तब वह अपने पूरे खानदान, रक्त संबंधी रिश्तेदारो का धरती पर जन्म लेना सार्थक कर देता है. इस धरती जन्म लेने की सार्थकता क्या है. इस धरती पर जन्म हो और सरकारी नौकरी मिल जाए. भला उस इंसान को किसी और स्वर्ग की क्या अपेक्षा होगी. होशियार राजनेता सीधे जमीन से कुर्सी की यात्रा करता है. जमीन से यहां पर तात्पर्य आप हम जैसे साधारण आम आदमी से है. राजनीति का असल होशियार चंद वही होता है जो जानता है कि कब कहां किसके साथ खड़ा रहना है और किसके हां में हां मिलानी है. कब किसके गले में फूल माला पहनानी है. किस को कब अपनी पीठ दिखानी है. कब गिरगिट जैसा रंग बदल लेना है. कब कहां कितना कैसे बोलना है, वह अच्छी तरह से जानता है. दुनिया भले ही इसके लिए उसे अच्छा या बुरा कहे, लेकिन वह जानता है कि यह एक अदभुत गुण है. पूरे देश में भले ही बेरोजगारी पसरी रहे, लेकिन उसके परिवार में कोई भी बेरोजगार नहीं रहता है. सब कहीं ना कहीं एडजस्ट हो जाते हैं. भले ही इसके चक्कर में जनता आधा पेट खाये या भूखी मरती रहे. जनता का तो काम ही है भूख और बेरोजगारी से लड़ना. बर्दाश्त ने हो तो कभी सड़क, शिक्षा, स्वच्छता के लिए हुडदंग मचाना. आखिर कोई कितना उनकी समस्याओं को हल करें. अतः होशियार राजनेता इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देता है. होशियार राजनेता जानता है कि सत्ता हमेशा के लिए कभी भी नहीं होती है. यह ऐसी प्रेमिका होती है, जिसको चाहे जितना भी प्यार करो, यह कभी भी बेवफाई कर सकती है.

लाइफ लाइन

सर्दियों के मौसम में बच्चों में बंद नाक की समस्या आम है. ऐसे में कई बार बच्चा न तो ठीक से सो पाता है और न दूध पी पाता है. आइए शिशु रोग विशेषज्ञ से जाने कि बंद नाक यानी नेजल कंजेशन की समस्या से कैसे उबरें.

डॉ अनिताभ
एमडी (पीडिएट्रिक्स)

नेजल कजेंशन

नाक बंद होने से जब लाडला हो बेहाल

जब नाक में मौजूद ब्लड वेसल्स और टिशूज में बहुत अधिक फ्लूड जमा हो जाता है तो नेजल कंजेशन की समस्या होती है. इससे बच्चों को सोने या दूध पीने में परेशानी होती है और इस वजह से वह चिड़चिड़ा-भूखा हो कर अनवरत रोता रहता है. नेजल कजेंशन होने पर बड़े तो नाक के फ्लूड को बहा कर समस्या को काफी हद तक खुद दूर कर लेते हैं लेकिन छोटे बच्चे खुद ऐसा नहीं कर पाते. ऐसे में उन्हें मेडिकल उपचार या बड़ों के मदद की दरकार होती है.

क्यों होता है नेजल कंजेशन

इसका सबसे बड़ा कारण सर्दी या एलर्जी होती है. यह समस्या तब भी होती है जब नाक में बैक्टेरीयल इंफेक्शन होता है या फिर किसी प्रकार की रुकावट होती है. नेजल कंजेशन बैक्टीरिया की वजह से हुआ है या वायरल, यह चिकित्सक ही सटीक बता सकते हैं. फिर भी कुछ लक्षणों के आधार पर अनुमान लगाया जा सकता है. जैसे बुखार, गहरा पीला म्यूकस बैक्टीरियल इंफेक्शन का लक्षण है. अगर आपके बच्चे में भी यह लक्षण हो तो तत्काल शिशु रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें.

ऐसे मिलेगी राहत

1. आमतौर पर इस समस्या से राहत का तरीका का नोज ड्रॉप या सेलाइन वाटर का स्प्रे. सेलाइन वाटर दरअसल नमक पानी होता है. दोनों नथूनों में सेलाइन वाटर के दो बूंद डालें. इससे जमा म्यूकस घुलने लगेगा.
2. गंभीर स्थिति में चिकित्सक नोज ड्रॉप या सेलाइन वाटर के साथ कुछ ओरल दवाएं भी दे सकते हैं.
3. ऐसी स्थिति में बच्चे को समय-समय पर तरल पदार्थ देते रहें. यदि बच्चा बहुत छोटा है तो उसे दूध देते रहें. इससे समस्या से शीघ्र राहत मिलती है और स्थिति अधिक गंभीर नहीं होती.
4. सोते समय ध्यान रखें कि बच्चे के सिर के नीचे तकिया रखा हो. इससे उसका सिर पैरों व शरीर के अन्य भाग से ऊपर रहेगा और तब साइनस में म्यूकस निकलने में सहुलियत होगी.
5. बच्चा अगर पांच साल तक का है तो उसे नाक ब्लो करना सिखाएं. इससे म्यूकस निकलेगा और वह राहत महसूस करेगा.
6. जब बच्चा गहरी नींद में हो तो वेपोराइजर या ह्यूमिडीफायर का कमरे में प्रयोग राहत दे सकता है. इससे जो नमी निकलती है, उससे नेजल कंजेशन में राहत मिलती है. हालांकि यह सलाह दी जाती है कि ह्यूमिडीफायर में गर्म पानी का उपयोग नहीं करें. इससे जलने का खतरा होता है.
7. भाप वाले बाथरूम में गुनगुने पानी से नहाना भी राहत दिला सकता है.
8. इन दिनों ऑनलाइन/ऑफलाइन मार्केट में नेबुलाइजर आदि सहजता से उपलब्ध हैं. लेकिन इसके कई साइड इफेक्ट हो सकते हैं. इसलिए खुद इनके उपयोग की सलाह नहीं दी जाती है.
9. शिशु रोग विशेषज्ञ से तत्काल मिलें जब...दो हफ्ते से अधिक बच्चा नेजल कंजेशन से परेशान हो.
10. कफ की वजह से बच्चा जब खांसता हो तो घरघराहट की आवाज आए और बच्चा बेहाल रहे. कफ के साथ-साथ बुखार की समस्या हो. बच्चे का कान दर्द कर रहा हो.

सेलेब्स डाइट सीक्रेट : जूही चावला

बढ़ती उम्र में इस डाइट से फिट हैं जूही

जूही चावला आज उम्र के साठवें दशक की ओर अग्रसर हैं. बावजूद इसके अपनी फिटनेस से वह कई यंग एक्ट्रेसेज को मात देती हैं. जूही चावला आज भले ही उनकी उम्र 56 साल से अधिक है. लेकिन उनके चेहरे से उनकी उम्र का बिल्कुल पता नहीं चलता. वह आज भी एकदम फिट और एक्टिव हैं. आखिर क्या है उनकी फिटनेस का राज? आइए उनकी डाइट प्लान के साथ उनके वर्कआउट शेड्यूल की जानकारी हासिल करें.

दुनिया की अन्य कई सेलिब्रिटी की तरह जूही चावला अपने रुटीन में योग को अहम स्थान देती हैं. बेशक वह जिम नहीं जातीं लेकिन योग नियमित करती हैं. अयंगर योग का नियमित अभ्यास जहां उन्हें शांत और खूबसूरत बनाता है वहीं वृक्ष आसन उनकी बॉडी फिट रहती है और मस्तिष्क भी सक्रिय रहता है. इससे उनके शरीर का लचीलापन बढ़ता है और चेहरे पर ग्लो भी बना रहता है.

- **नींबू-गर्म पानी-शहद से दिन की शुरुआत**

सुबह उठने के साथ जूही चावला खाली पेट में सबसे पहले एक गिलास गर्म पानी में नींबू का रस और शहद मिलाकर सेवन करती है. इससे शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलती है. साथ ही उनकी रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता और पाचन तंत्र भी बेहतर होता है. वजन कंट्रोल रखने में भी यह मददगार होता है. इससे उनकी त्वचा की चमक भी बनी रहती है.

- **हाइड्रेटेड रहने के लिए यह सब**

हाइड्रेटेड रखने के लिए जूही चावला तमाम प्रयास करती हैं. दिन भर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीती हैं. इसके अलावा दिन भर में कभी नारियल पानी तो कभी फलों का ताजा रस लेती हैं. उनकी चमकती त्वचा का यही राज है.

- **भरपूर हरी सब्जियां**

खाने में जंक फूड, फ्राइड फूड, चीनी, तेल-मसालों से जूही चावला परहेज रखती हैं. घर का बना सादा खाना पसंद करती हैं. आमतौर पर ब्रेकफास्ट में स्मूदी, ऑमलेट, टोस्ट, फलों का रस, इडली-सांभर, डोसा-चटनी, पोहा, उत्तपम, पराठे आदि होते हैं. लंच में दाल, रोटी, हरी सब्जियां, चावल और दही खाना पसंद करती हैं. शाम को ग्रीन टी के साथ भूने मखाने या भूने चने, नट्स आदि लेती हैं. रात में कार्बोहाइड्रेट से परहेज करती हैं. आमतौर पर डिनर में बॉयल और बेक्ड वेजिटेबल, सूप, सलाद आदि होता है. सोते समय हल्दी-दूध, अजवाइन-पानी जैसे कोई ड्रिंक्स लेती हैं.

केयरगिवर्स की पीड़ा

जब तीमारदार हो जाए बीमार

डॉ आनंद श्रीवास्तव

तीमारदार (देखभाल करने वाला) यानी केयरगिवर की भूमिका में आने के बाद आपको वैसी जिंदगी मयस्सर होना मुमकिन नहीं है, जिसके बारे में आपने कभी कल्पना की थी. इसके भावनात्मक प्रभाव को स्वीकार करने के बाद भी आपको अपनी जिंदगी शिकायत हो सकती है.

नई दिल्ली की पॉश लोकल्टी, सरोजनी नगर में रहने वाली चार्टर्ड अकाउंटेंट सुमना सिन्हा (56 वर्ष) अपना किस्सा बयां कर रहीं थी- "पिछले दिनों मैं अपने ऑफिस में एक वर्कशाप में हिस्सा ले रही थी. वहां यह समझने-समझाने पर विचार-विमर्श हो रहा था- दरअसल, हम हैं कौन? लेकिन वहां बैठे-बैठे मेरी आंखें नम हुई जा रही थीं. अहसास हो रहा था कि मैंने तो अपनी सारी जिंदगी देखभाल में ही गुजार दी. शादी से पहले दादा-दादी की देखभाल में मां की मदद करती रही और अब हसबैंड की देखभाल कर रही हूं, क्योंकि वह एक्यूट किडनी डिजीज के बाद डायलिसिस से जूझ रहे हैं. इसके लिए न केवल मैं खुद को दोषी मानती हूं और बल्कि जिम्मेदार भी. कभी-कभी तो मुझे जबरदस्त अपराधबोध भी होता है. मैं वर्कशाप बीच में छोड़ थिएटर से बाहर निकल आई, क्योंकि अपने आंसुओं को रोक पाना बहुत मुश्किल हो रहा था. सच बताऊं, मैं सबसे बहुत प्यार करती हूं. और शायद यही वजह है कि रह- रह कर मेरा दिल दुख और पीड़ा से भर जाता है.

खुद को बीमार मानते केयर गिवर्स

विमहांस स्थित ओपीडी में बैठी श्रीमती सिन्हा आपबीती बयां करती रहतीं, बशर्ते कंसल्टेंट साइकियाट्रिस्ट डॉ. एस गजानन ने उन्हें बीच में ही रोक नहीं दिया होता. शायद थोड़ी ही देर में डॉ. गजानन को उनकी कहानी समझ में आ गई थी. बोले, मेरे पास परामर्श के लिए तरह-तरह के मनोरोगी आते हैं. लेकिन कई बार मरीजों की देखभाल करने वाले तीमारदार यानी केयरगिवर्स भी खुद को बीमार मानते हुए परामर्श लेने पहुंच जाते हैं. ज्यादातर केयरगिवर्स अपने माता-पिता, जीवनसाथी, ससुराल वालों या विकलांग बच्चे की देखभाल करने वाले होते हैं.

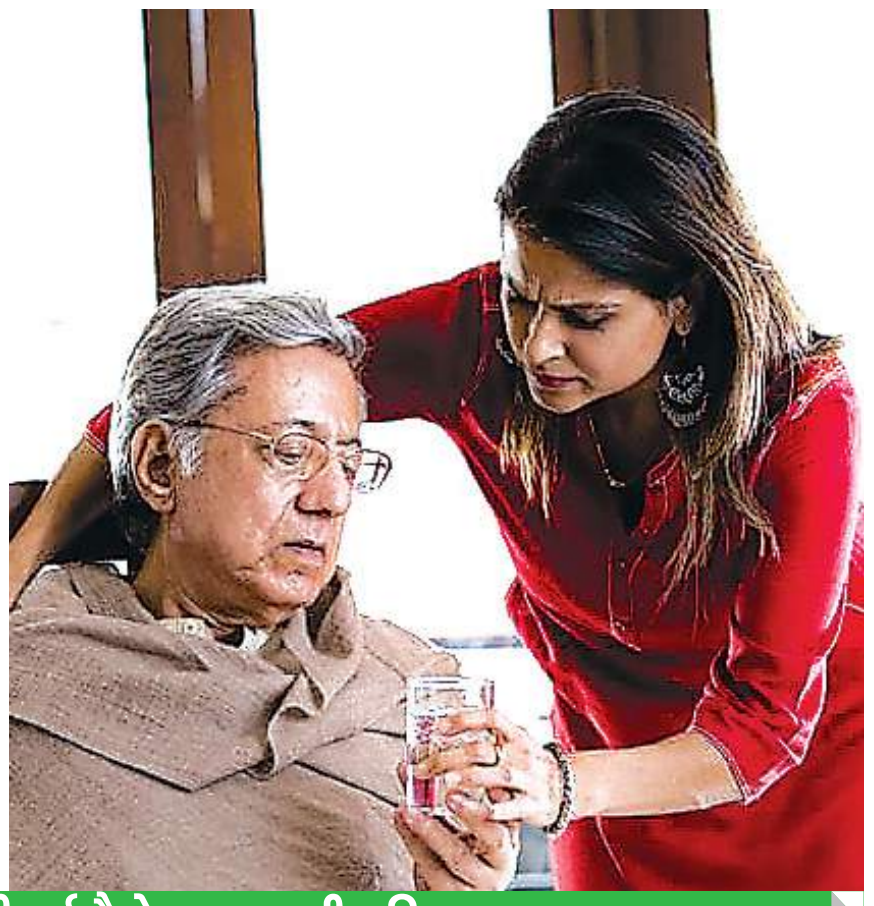

चुनौतीपूर्ण है देखभाल की प्रक्रिया

बकौल डॉ. एस गजानन, केयरगिवर की जिम्मेदारी निभाने वालों में लगभग 60 फीसदी महिलाएं ही होती हैं, और उनमें से ज्यादातर की उम्र 35 से 70 वर्ष के बीच होती है. संभव है कि इसके पीछे उनकी खास तरह की मनोसंरचना हो, क्योंकि लगभग सभी केयरगिवर अपनी भावनाओं और अपने संघर्षों के बारे में बात करने समय खुद को दोषी मानते हैं. उन्हें लगता है कि अपना तन-मन और धन लगाकर, परिवार में जिस सदस्य की वे देखभाल कर रहे हैं, वह शारीरिक और मानसिक दोनों तौर पर बहुत बुरी स्थिति से गुजर रहा है. फिर गाहे-बगाहे उनकी यह कसक और पीड़ा जुबान पर भी आने लगती है. वे बोलें भले कम, लेकिन सोचती जरूर हैं कि देखभाल की यह प्रक्रिया कितना अकेलापन समेटे हुए और किस हद तक चुनौतीपूर्ण है.

गुस्सा, खालीपन और उनकी पीड़ा

डॉ. गजानन के अनुसार ज्यादातर तीमारदार, देखभाल या सेवा-सुश्रुषा को लेकर अपने मन में उपजने वाली भावनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हैं. आमतौर पर उन्हें शिकायत रहती है कि उनकी भावनाओं को न तो कोई देखने वाला है और न ही कोई समझने को तैयार है. उनका गुस्सा, खालीपन और उनकी पीड़ा, यहां तक कि वह अहसास... जिसमें तीमारदार प्रायः यह सब भूल गया होता है कि अपना जीवन जीने का क्या मतलब होता है. कई बार वे यह भी चर्चा करते हैं कि मजबूरी में ऐसे व्यक्ति की देखभाल करनी पड़ रही है, जो उन्हें नापसंद करता है या मूल रूप से उद्दंड है. और इससे उनके आत्मसम्मान को कितनी ठेस पहुंची है. कई बार उन्हें यहां तक लगता है कि मानो, उनके सब्र का इम्तिहान हो रहा है.

अत्यधिक सतर्कता चिंता घातक

डॉ. गजानन के मुताबिक तीमारदारी के मूल में हर समय होने वाला वह अहसास होता है, जिसमें तीमारदार को हर समय सतर्क रहने और जिस व्यक्ति की वह देखभाल कर रहा होता है, उसकी जरूरतों को पूरा करने की जरूरत होती है. यह उधेड़-बुन दरअसल चिंता, अत्यधिक सतर्कता, लगातार उत्तेजित महूसस करने, थकान और अक्सर, लंबे समय तक कायम रहने वाली उदासी की वजह से चौबीसों घंटे उनके दिमाग में चलती रहती है. यह सब मरीज यानी जिसकी वह देखभाल कर रहे हैं या कर रही हैं, उसके लिए हर कदम पर निर्णय लेने के दबाव के साथ मिलकर उन्हें न केवल थका देती हैं, बल्कि काफी हद तक परेशान भी कर देतीं है.

केयरगिवर्स के लिए सलाह

डॉ. गजानन कहते हैं, पहली बात तो यह है कि दर्द की कोई सीमा नहीं होती. वैसे भी पीड़ा का कम या ज्यादा के तौर पर मूल्यांकन नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि दर्द तो दर्द है, वह कोई प्रतियोगिता नहीं. इसलिए बेहतर है कि एक केयरगिवर के तौर पर अपने भावनात्मक संकट और द्विपक्षीय भावनाओं को स्वीकार करना सीखें. अपनी नींद, खाने-पीने के शेड्यूल, दिनचर्या और खुद की देखभाल और व्यवहार को नियमित बनाए रखने के लिए अपना पढ़ना-लिखना जारी रखें, क्योंकि एक केयरगिवर के तौर पर आपकी भूमिका में यह काफी मददगार हो सकता है. सहायता मांगना और सहायता हासिल करना सीखें. यदि आप देखभाल को व्यक्तिगत समस्या मानकर अपने तक ही सीमित रखेंगे तो निश्चित तौर पर नुकसान आपका ही होगा.

ओह, आह, आउच से मिलेगी राहत

ऋषि रंजन
योग एक्सपर्ट

ऑथराइटिस एक आम समस्या है जिससे एक उम्र के बाद बड़ी संख्या में लोग परेशान रहते हैं. इसकी वजह से जोड़ों में ऐंठन, सूजन, रेडनेस, दर्द और चलने-फिरने में तकलीफ जैसी समस्याएं होने लगती हैं. कुछ योगासन ऑथराइटिस में मददगार बताए जाते हैं. आइए, इसके बारे में जानकारी हासिल करें-

भुजंगासन या कोबरा पोज

- जमीन पर पेट के बल लेट जाएं. हथेलियों को सीने के पास कंधों की सीध में रखें.
- गहरी सांस लेते हुए अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर की ओर उठाएं.
- जहां तक संभव हो सिर को ऊपर उठाएं.
- इस स्थिति में 15-30 सेकंड के लिए रूकें. गहरी सांस लेते हुए सामान्य अवस्था में आ जाएं.

वीरभद्रासन

- एक पैर को पीछे की तरफ ले जाएं
- दूसरे पैर को नब्बे डिग्री एंगल पर सीधा खींचे.
- दोनों हाथों को ऊपर ले जाकर जोड़ें.
- अब धीरे-धीरे कर दोनों हाथों को सामने की ओर लाएं और पीछे के पैर को जरा और पीछे खींचे.
- दूसरा पैर पूर्ववत यानी 90 डिग्री एंगल में रहने दें.
- दोनों पैर से बारी-बारी से यह आसन करें.

पश्चिमोत्तानासन

- दोनों पैरों को सामने की ओर से फैला कर बैठ जाएं.
- सांस लेते हुए अपने हाथों से अपने पैरों के अंगूठे को पकड़ने की और अपने नाक से घुटनों को छूने की कोशिश करें.

कई रोगों की रामबाण दवा

कमाल की जड़ी बूटी है शतावरी

शतावरी एक भारतीय जड़ी-बूटी है. इसे एस्पैरागस रेसमोसस भी कहा जाता है. यह हिमालय पर पाई जाती है. इसकी ऊंचाई 1-2 मीटर होती है. स्वाद में यह कड़वी और मीठी होती है. डॉक्टर इसे अक्सर दूध के साथ चूर्ण या फिर पाउडर के रूप में लेने की सलाह देते हैं.

शतावरी में एंटीऑक्सीडेंट और ग्लूटाथिओन होता है. ये ऐसे तत्व हैं जो बढ़ती उम्र की प्रक्रिया को धीमा करने में आपकी मदद करते हैं. नियमित रूप से इसके सेवन से झुर्रियों की परेशानी और शारीरिक कमजोरी को दूर करने में मदद मिलती है. एनसीबीआई के ही स्टडी के मुताबिक शतावरी प्रजनन क्षमता को बेहतर करने में फायदेमंद हो सकता है. शतावरी प्रजनन हार्मोन के लिए असरदार जड़ी-बूटी है. कई तरह की हार्मोन से जुड़ी समस्याएं इसके सेवन से दूर हो सकती हैं. महिलाओं की अनियमित पीरियड या इस संबंधी अन्य समस्या में इसका सेवन राहत यह कई क्रॉनिक डिसीज को मैनेज करने में भी मददगार है. वजन बढने से परेशान रहते हैं, उनके लिए शतावरी एक वरदान है. यह कम कैलोरी और भरपूर पोषण से युक्त यह प्रीबायोटिक के रूप में कार्य करता है, आंत में अच्छे बैक्टीरिया को पोषण देता है. शतावरी फोलेट से भरपूर होती है. यह पोटेशियम का अच्छा स्रोत है. इसलिए रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है. शतावरी खाने से सूजन की स्थिति से राहत मिल सकती है. हालांकि इसके सेवन से पहले चिकित्सक की सलाह अवश्य लें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

छपरा में गिरा डबल-डेकर पुल का मलबा

पटना । छपरा शहर के गांधी चौक पर करोड़ों की लागत से निर्माणाधीन डबल डेकर पुल का मलबा बुधवार सुबह गिर गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई. गनीमत रही कि जिस समय मलबा गिर उस वक्त कोई सड़क से कोई राहगीर नहीं गुजर रहा था, जिससे अनहोनी टल गई. बताया जा रहा है कि करोड़ों की लागत से बन रहे इस डबल डेकर पुल निर्माण कार्य में काफी लापरवाही बरती जा रही है. ऐसी कई बार छोटी-बड़ी घटनाएं होती रहती हैं लेकिन बुधवार सुबह कई राहगीर और स्थानीय लोग भी घायल होने से बचे.

अगले 48 घंटे में पड़ेगी कड़ाके की ठंड

पटना । बिहार में साल की शुरूआत से ही ठंड की शुरूआत हो चुकी है. इस बीच आने वाले 48 घंटे में कड़ाके की ठंड पड़ने वाली है. हालांकि बुधवार सुबह नौ बजे के बाद पटना में हल्की धूप निकली लेकिन ठंडी हवा चलने के कारण अधिक ठंड महसूस की जा रही है. पटना स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक के अनुसार अगले 48 घंटों के दौरान राज्य के हिमालय की तलहटी से सटे जिलों में शीत दिवस जैसी स्थिति रहने का पूर्वानुमान है. इसके अलावा राज्य के दक्षिणी भाग के जिलों के अधिकतम तापमान में 2-3 सेंटीग्रेट की वृद्धि होने का पूर्वानुमान है.

कोरोना के दो और संक्रमित मिले

पटना । बिहार में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ती जा रही है. बीते 24 घंटे के भीतर राजधानी पटना में दो नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं. इनमें से एक की उम्र 19 साल तो दूसरे की 50 साल है. इससे पहले 20 से ज्यादा मरीज कोरोना के मिले चुके है. इनमें से सबसे ज्यादा पटना और गया के केस हैं. इसके अलावा मुजफ्फरपुर और दरभंगा से भी एक-एक कोविड संक्रमित मिल चुका है. कोरोना के दो नये मरीज में एक 19 वर्षीय युवक बोरिंग रोड स्थित आनंदपुरी मोहल्ले का रहने वाला है. उसे सर्दी-खांसी, बुखार जैसे लक्षण के बाद जांच कराई गई थी.

सनसनी : सीतामढ़ी में ऑनर किलिंग का मामला

प्रेम-प्रसंग से नाराज माता पिता ने बेटी को मार डाला

- माता-पिता ने जवान बेटी को मारकर रातोंरात जला दिया

संवाददाता । सीतामढ़ी

सीतामढ़ी में एक लड़की की निर्मम हत्या कर दी गई. यह हत्या किसी और ने नहीं बल्कि लड़की के माता-पिता ने की. कारण बस इतना था कि उनकी बेटी का प्रेम-प्रसंग चल रहा था. वह अपने बॉयफ्रेंड से शादी करने की जिद कर रही थी. इतनी सी बात से नाराज होकर जवान बेटी को उसके माता-पिता ने मार डाला. इतना ही नहीं साक्ष्य को मिटाने के उद्देश्य से दोनों की लाश को जला दिया. पुलिस ने छानबीन की तो दंग रह गई. जांच में पता चला हत्या लड़की के माता पिता ने ही की है. इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया.

मामला जिले के परसौनी थाना क्षेत्र के परसौनी मुख्य चौक की है. पुलिस का कहना है कि प्रेम-प्रसंग से नाराज माता-पिता ने पुत्री की हत्या कर दी. साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को जला भी दिया. हालंकि, सूचना मायने पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है. पूछताछ में दोनों ने पुत्री की हत्या कर शव जलाने की देने की बात स्वीकार भी की है.

पुलिस के सामने दोनों ने अपना जुर्म स्वीकार किया : परसौनी थानेदार सुनीता कुमारी ने मामले की जांच की. वही, उन्होंने जांच के दौरान दोनों से पूछताछ किया. पुलिसिया पूछताछ में दोनों ने प्रेम-प्रसंग में अपनी पुत्री की हत्या की बात स्वीकार की है. इसके बाद थानाध्यक्ष ने चौकीदार के बयान पर एफआईआर कर दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है. थानेदार ने बताया कि उन्हें आसपास के लोगों द्वारा इस घटना की सूचना दी गई थी.

रातों रात शव को जला दिया : स्थानीय लोगों का कहना है कि परसौनी निवासी निरंजन बैठा की पुत्री पुष्पा कुमारी का किसी युवक से प्रेम-प्रसंग चल रहा था. लंबे समय से चल रहे प्रेम प्रसंग के बारे में परिजनों को जब जानकारी मिली तो माता-पिता ने उसकी शादी तय कर दी. सोमवार को लड़की देखने की रस्म भी पूरी की गई. बावजूद पुष्पा तय शादी से इनकार करती रही और अपने प्रेमी संग शादी की जिद करती रही. इसके बाद पुत्री की जिद से नाराज निरंजन बैठा व मां हीरामणि देवी ने मिलकर देर रात पुत्री की हत्या कर शव रातों रात जला दिया.

पथराव मामले में 8 गिरफ्तार, 50 अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज

कैमूर । जिले के भभुआ मोहनिया के मुख्य रोड बबुरा में हिट एंड रन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर पथराव करने के मामले में कार्रवाई की गई है. 8 असामाजिक तत्वों पर एफआईआर दर्ज करते हुए भभुआ थाना की पुलिस ने गिरफ्तारी की है. सभी को आगे की कार्रवाई के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा गया है. साथ ही 50 अज्ञात के विरुद्ध पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है. भभुआ एसडीपीओ शिव कुमार ने इसको लेकर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है.

अपराधियों ने प्रमुख पति को गोली मारी, मौत विरोध में जमकर बवाल

कटिहार । कटिहार में अपराधियों ने सरेआम प्रखंड प्रमुख के पति और उनके स्टाफ को गोली मार दी. मंगलवार रात वह अपने गिट्टी-बालू की दुकान पर बैठे थे. इसी बीच बाइक पर सवार तीन अपराधी वहां पहुंच गए. अपराधियों ने दुकान पर चढ़कर प्रखंड प्रमुख दीपशिखा सिंह के पति कंचन मंडल को आंख में गोली मार दी. उनके स्टाफ मिट्ठू ने विरोध किया तो उनको भी गोली मारकर घायल कर दिया. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. इधर, घटना के विरोध में लोगों ने जमकर हंगामा किया. आक्रोशित लोगों ने फलका-कुरसेला स्टेट हाइवे 77 को जाम कर दिया.

आक्रोशित लोगों ने फलका अस्पताल और थाना परिसर में पहुंचकर हंगामा किया. पुलिस-प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की. आक्रोशित लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर आगजनी की. उन्होंने हत्यारे को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की. इधर, घटना की सूचना मिलते ही कटिहार एसपी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया. कटिहार एसपी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने अग्रेतर कार्रवाई करते हुए लाश को पोस्टमार्टम में भेज मामले की अनुसंधान शुरू कर दी है.

पुलिस मामले को गंभीरता से ले : ग्रामीणों का कहना है कि कंचन मंडल का फलका प्रखंड के अमरपुर में गिट्टी बालू का दुकान पर बैठे थे. तीन अपराधी ने आकर तीन और चार फायरिंग करते हुए उसे मौत के घाट उतार दिया.

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

सर्वाधिक वन क्षेत्र वाला जिला	-पश्चिमी चंपारण
न्यूनतम वन क्षेत्र वाला जिला	– स्योहर
सबसे अधिक वन प्रतिशत वाला जिला	– कैमूर
सबसे कम वन प्रतिशत वाला जिला	– शेखपुरा
सर्वाधिक अनुसूचित जाति की आबादी वाला जिला	– गया
न्यूनतम अनुसूचित जाति की आबादी वाला जिला	– किशनगंज
बिहार की जनसंख्या बिहार की जनसंख्या	– 10 करोड़ 38 लाख 4 हजार 6 सौ 37
महिलाओं की संख्या	– चार करोड़ 96 लाख 19 हजार 2 सौ 90
पुरुषों की संख्या	– 5 करोड़ 41 लाख 85 हजार 3 सौ 47
जनसंख्या की दृष्टि से सर्वाधिक बड़ा जिला	– पटना

सब इंस्पेक्टर ने खुद को मारी गोली, हालत गंभीर

संवाददाता । पटना

राजधानी पटना में बुधवार सुबह सब इंस्पेक्टर रश्मि रंजन ने खुद को गोली मार ली. घटना हवाई अड्डा थाना क्षेत्र की है. रश्मि रंजन किराए के मकान में अकेले ही रहते थे. सर्विस पिस्टल से खुद अपने सिर में उन्होंने गोली मार ली. रश्मि रंजन औरंगाबाद के रहने वाले हैं. गोली लगने के बाद लहुलुहान हो गए. आनन-फानन में उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इस मामले में सचिवालय एसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि रश्मि रंजन 2009 बैच के हैं. बुधवार की सुबह गोली मारने की सूचना मिली थी. उनको बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इसकी जानकारी मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक और स्थानीय पुलिस पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे.

एसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि रश्मि रंजन वर्तमान में पटना जिले में पदस्थापित हैं. ये मूल रूप से श्रीकृष्ण नगर अहरी औरंगाबाद के रहने वाले हैं. परिवार के सदस्यों से यह जानकारी मिली है कि रश्मि रंजन पिछले 10-15 दिनों से तनाव में रह रहे थे. तनाव के पीछे की वजह बताई जा रही है कि इनके गांव में किसी केस में इनका नाम है.

विधायक फतेह बहादुर सिंह की जीभ काटने वाले को मिलेगा 10 लाख, लगा पोस्टर

संवाददाता । पटना

राजद विधायक फतेह बहादुर सिंह की ओर से हिंदू देवी-देवताओं पर दिए जा रहे विवादित बयान के बाद से लगातार विरोध हो रहा है. राजधानी पटना में बीजेपी एमएलए फ्लैट के पास एक पोस्टर लगा है और इसके जरिए कहा गया है कि जो फतेह बहादुर सिंह की जीभ काटकर लाएगा उसे दस लाख रुपये दिए जाएंगे. हिंदू शिवभवानी सेना की ओर से यह पोस्टर लगाया गया है. पोस्टर में फतेह बहादुर सिंह को सलाखों के

पीछे दिखाया गया है. पोस्टर पर लिखा गया है, मां सरस्वती का फतेह बहादुर कर रहे अपमान, तेजस्वी मौन रहकर हिंदू को गाली दिलाने का कर रहे काम. इस पोस्टर को लगाने वाले हिंदू शिवभवानी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लव सिंह ने बुधवार को इस पर प्रतिक्रिया दी. लव सिंह ने कहा कि फतेह बहादुर बार-बार हिंदू धर्म और सनातन धर्म को टारगेट करके गाली दे रहे हैं. इनके मुखिया तेजस्वी यादव ने चुप्पी साधी है. ऐसा लग रहा है कि उनकी ही ओर से फतेह बहादुर सिंह को कहा जा रहा है कि और वो बार-बार हिंदू धर्म का अपमान करें. उन्होंने कहा कि फतेह सिंह की जीभ काटकर जो लाएगा उसे हिंदू शिवभवानी सेना दस लाख रुपये का इनाम देगी और उसका अभिनंदन करेगी. आगे लव सिंह ने कहा कि फतेह सिंह को इलाज कराने की आवश्यकता है.

दिल्ली जा रही इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

संवाददाता । पटना

दिल्ली जा रही इंडिगो फ्लाइट की पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी. बुधवार की दोपहर इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई 2074 में तकनीकी खराबी आ गई जिसके कारण इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. बताया जाता है कि इस फ्लाइट में 187 यात्री सवार थे. सभी सुरक्षित हैं. अचानक फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग की खबर सुनकर यात्रियों की सांसें कुछ देर के लिए अटकी रह गई. सभी यात्री घबरा गए थे. हालांकि पायलट की सूझबूझ के साथ इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है. इमरजेंसी लैंडिंग को

लेकर एयरपोर्ट के एक कर्मी ने बताया कि इंडिगो की फ्लाइट (विमान संख्या 6ई-2074) पटना हवाई अड्डा से 12 बजकर 58 मिनट पर दिल्ली के लिए रवाना हुई थी. अचानक 35 मिनट के अंदर 13:33 पर वापस पटना एयरपोर्ट पर लैंड कर गई. इसके पीछे तकनीकी खराबी बताई जा रही है. एयरपोर्ट के एक कर्मी ने कहा कि फ्लाइट आजमगढ़ तक पहुंच गई थी. तकनीकी खराबी के बाद वहां से फ्लाइट लौटकर आई है. तत्काल फ्लाइट को पटना एयरपोर्ट के रनवे पर ही रखा गया है. लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को फ्लाइट से उतारा गया. तकनीकी खराब की टीम जांच कर रही है.

फ्लाइट में थे मंत्री संजय झा : जानकारी के अनुसार, इस फ्लाइट में बिहार सरकार के मंत्री संजय झा भी मौजूद थे. पटना से दिल्ली जा रहे थे. तकनीकी खराबी के कारण उन्हें भी पटना वापस लौटना पड़ा. फ्लाइट के यात्री फ्लाइट के खुलने का इंतजार करते रहे, लेकिन संजय झा दोबारा दिल्ली नहीं गए. वह पटना स्थित अपने आवास पर लौट कर चले गए. उन्होंने कहा कि फ्लाइट में इस तरह की दिक्कत होती रहती है. कोई बड़ी बात नहीं है.

कारोबार

एसबीआई ने विदेशों से एक अरब डॉलर जुटाए

नयी दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक ने बुधवार को कहा कि उसने घरेलू ईएसजी वित्तपोषण बाजार के लिए एक अरब डॉलर का कोष जुटाया है. एसबीआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बैंक ने सिंडिकेटेड सामाजिक कर्ज के जरिये एक अरब डॉलर (75 करोड़ डॉलर और 25 करोड़ डॉलर का ग्रीन शू विकल्प) जुटाने का काम पूरा कर लिया है. बैंक ने कहा कि यह लोन बुक दो जनवरी, 2024 को बंद कर दी गई. देश के सबसे बड़े बैंक ने पिछले साल भी एक अरब डॉलर का सिंडिकेटेड सामाजिक कर्ज जुटाया था.

नरसिम्हन को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

नयी दिल्ली । मोटोरोला ने टी एम नरसिम्हन को भारत में अपने मोबाइल कारोबार समूह का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है. कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी. कंपनी ने बयान में कहा कि नरसिम्हन मोटोरोला के भारतीय कारोबार की देखरेख करेंगे. बयान में कहा गया है, भारतीय स्मार्टफोन बाजार पर ध्यान केंद्रित करने और शीर्ष तीन स्मार्टफोन ब्रांड में शामिल होने के लक्ष्य के तहत कंपनी ने भारत में अपनी नेतृत्व करने वाली टीम को मजबूत किया है. इसी के तहत नरसिम्हन को भारतीय कारोबार का प्रमुख नियुक्त किया गया है.

वोडाफोन-आइडिया के कार्यकारी का इस्तीफा

नयी दिल्ली । दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) के मुख्य नियामकीय एवं कॉरपोरेट मामलों के अधिकारी पी बालाजी ने इस्तीफा दे दिया है. बीएसई को बुधवार को भेजी सूचना में वोडाफोन आइडिया ने कहा कि बालाजी 10 जनवरी, 2024 से कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन कर्मी के पद पर नहीं रहेंगे. अपने इस्तीफे में बालाजी ने लिखा, वोडाफोन आइडिया ने मुझे नौ साल से अधिक सेवा का अवसर दिया है और मुझे इस बात पर गर्व है कि हमने मिलकर जो काम किया है उसने कंपनी में बदलाव लाने में मदद की है. कंपनी ने यह नियामकीय सूचना के साथ यह पत्र साझा किया है.

आवास ऋण पर ऊंचे ब्याज की वजह से घरों की बिक्री में गिरावट आई

बीते साल आठ प्रमुख शहरों में 50 लाख रुपये तक के घरों की बिक्री 16% घटी

एजेंसी । नयी दिल्ली

देश के आठ प्रमुख शहरों में पिछले साल 50 लाख रुपये कीमत तक के घरों की बिक्री 16 प्रतिशत घटकर 98,000 इकाई रह गई है. नाइट फ्रैंक इंडिया की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि संपत्ति की कीमतों में उछाल और आवास ऋण पर ऊंचे ब्याज की वजह से घरों की बिक्री में गिरावट आई है. हालांकि, इसके बावजूद शीर्ष आठ शहरों...दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद में बीते साल सभी मूल्य वर्ग में घरों की बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 3,29,907 इकाई पर पहुंच गई.

रिपोर्ट में कहा गया है कि 50 लाख रुपये तक कीमत के घरों की आपूर्ति में पिछले साल सालाना आधार पर करीब 20 प्रतिशत की गिरावट आई. इससे सस्ती आवासीय इकाइयों की बिक्री घट गई. मध्यम आय वर्ग और लक्जरी आवास खंड में ऊंची मांग की वजह से घरों की कुल बिक्री 10 साल के उच्चस्तर पर

पहुंच गई. रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया एक वेबिनार में यह रिपोर्ट जारी की. इसमें कहा गया है कि 50 लाख रुपये और उससे कम कीमत वाली आवासीय संपत्तियों की बिक्री 2022 के 1,17,131 इकाई के आंकड़े से घटकर 2023 में 97,983 इकाई रह गई. इससे कुल आवास बिक्री में किफायती घरों की हिस्सेदारी 37 प्रतिशत से घटकर 30 प्रतिशत रह गई है.

एक करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले घरों की हिस्सेदारी 2022 के 27 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 34 प्रतिशत हो गई. नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, अधिक महंगी संपत्तियों की ओर बदलाव की वजह से आवास बाजार ने 2023 में भी अच्छी तेजी हासिल की. उन्होंने कहा कि देश की मजबूत आर्थिक बुनियाद की वजह से खरीदारों का दीर्घावधि का निवेश करने का भरोसा बढ़ा है. वर्ष 2018 में कुल आवासीय बिक्री में किफायती घरों की हिस्सेदारी 54 प्रतिशत थी. मुंबई में 50 लाख रुपये और उससे कम कीमत के घरों की बिक्री 2023 में छह प्रतिशत घटकर 39,093 इकाई रह गई, जो इससे पिछले वर्ष में 41,595 इकाई थी.

किफायती आवास खंड में सबसे अधिक गिरावट बेंगलुरु में देखी गई. बेंगलुरु में सस्ते घरों की बिक्री 46 प्रतिशत घटकर 8,141 इकाई रह गई. 2022 में यह आंकड़ा 15,205 इकाई का था. दिल्ली-एनसीआर के बाजार में सस्ते घरों की बिक्री 44 प्रतिशत घटकर 7,487 इकाई रह गई, जो 2022 में 13,290 इकाई थी. नाइट फ्रैंक ने कहा कि 2023 में कुल आवास बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 3,29,097 इकाई हो गई, जो इससे पिछले वर्ष 3,12,666 इकाई थी. मुंबई में कुल आवास बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 86,871 इकाई हो गई, जो 2022 में 85,169 इकाई थी. इसी तरह दिल्ली-एनसीआर में बिक्री तीन प्रतिशत बढ़कर 60,002 इकाई रही, जो इससे पिछले साल 58,460 इकाई थी. बेंगलुरु में कुल बिक्री एक प्रतिशत बढ़कर 53,363 इकाई से 54,046 इकाई हो गई. वहीं पुणे में बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 43,409 इकाई से 49,266 इकाई हो गई. चेन्नई में आवास बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 14,920 इकाई हो गई. हैदराबाद में बिक्री 31,046 इकाई के आंकड़े से छह प्रतिशत बढ़कर 32,880 इकाई हो गई. कोलकाता में बिक्री 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 14,999 इकाई हो गई. इसी तरह अहमदाबाद में घरों की बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 16,113 इकाई हो गई, जो पिछले साल 14,062 इकाई थी.

नयी दिल्ली में बुधवार को सर्दी के दिनों में विक्रेता गाजीपुर फल और सब्जी मंडी में सब्जियों की व्यवस्था करते हुए.

अडाणी की कंपनियों के शेयरों में उछाल

नयी दिल्ली । हिंडनबर्ग विवाद में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद बुधवार को अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में जोरदार उछाल आया. उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा है कि अडाणी समूह के खिलाफ आरोपों की विशेष जांच दल (एसआईटी) या केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच का आदेश देने का कोई आधार नहीं है. न्यायालय ने कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) अपनी जांच तीन माह में पूरी करे. इस फैसले के बाद बीएसई पर अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 17.83 प्रतिशत चढ़ गया. एनडीटीवी में 11.39 प्रतिशत, अडाणी टोटल गैस में 9.99 प्रतिशत, अडाणी ग्रीन एनर्जी में 9.13 प्रतिशत और अडाणी एंटरप्राइजेज में 9.11 प्रतिशत का उछाल आया. अडाणी विल्मर का शेयर 8.52 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स प्रतिशत, अडाणी पावर 4.99 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स 3.46 प्रतिशत और एसीसी 2.96 प्रतिशत के लाभ के साथ कारोबार कर रहे थे. समूह की दो कंपनियों अडाणी पोर्ट्स और अंबुजा सीमेंट्स के शेयर सुबह के कारोबार में अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए. बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स सुबह के कारोबार में 319.47 अंक के नुकसान के साथ 71,544.60 अंक पर और निफ्टी 104.30 अंक टूटकर 21,561.50 अंक पर कारोबार कर रहा था.

गठजोड़ पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को दी जानकारी

ओएनजीसी को 7 ब्लॉक, रिलायंस-बीपी एक ब्लॉक मिला

एजेंसी । नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी को तेल एवं गैस की खोज के लिए आयोजित नवीनतम बोली दौर में सात ब्लॉक मिले हैं जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी पीएलसी के गठजोड़ के हिस्से में एक ब्लॉक आया है.

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि मुक्त क्षेत्र लाइसेंस नीति (ओएएलपी) के आठवें दौर में तेल और गैस की खोज एवं उत्पादन के लिए 10 ब्लॉक की पेशकश की गई थी. उन्होंने कहा कि बोली में रखे गए सभी 10 ब्लॉक के

अनुबंध पर बुधवार सुबह हस्ताक्षर किए गए. इन ब्लॉक में से ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) को सात जबकि रिलायंस-बीपी गठजोड़, ऑयल इंडिया लिमिटेड और सन पेट्रोकेमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड को एक-एक ब्लॉक मिला है. इसके साथ कोल-बेड मीथेन (सीबीएम) के तीन ब्लॉक भी आवंटित किए गए और ओएएलपी का नौवां दौर बोली के लिए खोल दिया गया. एक आधिकारिक वक्तव्य में कहा गया कि प्रतिबद्ध अन्वेषण कार्य कार्यक्रम के लिए दिए गए ब्लॉकों में 23.3 करोड़ डॉलर का निवेश होने का अनुमान है. भारत ने ओएएलपी के आठवें दौर में बोली लगाने के लिए जुलाई, 2022 में 10 ब्लॉक की पेशकश की थी.

बोली की समय सीमा कुछ बार बढ़ाए जाने के बाद यह दौर जुलाई, 2023 में बंद हो गया था. हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) के मुताबिक, इन ब्लॉक के लिए पांच कंपनियों- ओएनजीसी, वेदांता लिमिटेड, ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल), सन पेट्रोकेमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड और रिलायंस-बीपी एक्सप्लोरेशन (अल्फा) लिमिटेड ने मिलकर 13 बोलियां लगाई थीं. प्रस्तावित 10 ब्लॉक में से सात को एकल बोलियां मिली थीं जबकि अन्य तीन ब्लॉक के लिए दो-दो बोलियां आई थीं. एक्सॉनमोबिल, शेवरॉन और टोटलएनर्जीज जैसे वैश्विक ऊर्जा दिग्गजों ने ने कोई बोली नहीं लगाई. डीजीएच के अनुसार, ओएनजीसी छह ब्लॉकों के लिए एकमात्र बोलीदाता थी जबकि कृष्णा गोदावरी बेसिन में अत्यंत गहरे समुद्र में स्थित ब्लॉक के लिए रिलायंस-बीपी एकमात्र बोलीदाता थी. कुल मिलाकर, ओएनजीसी ने 10 में से नौ ब्लॉक के लिए बोली लगाई और सात ब्लॉक हासिल करने में सफल रही. इसने सिर्फ उस ब्लॉक के लिए बोली नहीं लगाई जिसके लिए रिलायंस-बीपी ने दावेदारी पेश की थी.

1,000 करोड़ का आईपीओ नौ जनवरी को खुलेगा

- कंपनी लगभग 10 साल में दूसरी बार अपने शेयरों को सूचीबद्ध करने की योजना बना रही है

एजेंसी । नयी दिल्ली

गुजरात की कंपनी ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन का 1,000 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) नौ जनवरी को खुलेगा. यह प्रमुख शेयर बाजार बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने वाला 2024 का पहला सार्वजनिक निर्गम भी होगा. कंपनी लगभग 10 साल में दूसरी बार अपने शेयरों को सूचीबद्ध करने की योजना बना रही है. आरंभिक दस्तावेजों के अनुसार, ज्योति सीएनसी का तीन-दिन का आईपीओ 11 जनवरी को बंद होगा. वहीं एंकर निवेशक निर्गम से एक दिन पहले आठ जनवरी को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे. निर्गम के लिए मूल्य दायरा अभी तय नहीं किया गया है.

कंपनी को पिछले महीने आईपीओ लाने के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिली थी. ज्योति सीएनसी ने इससे पहले 2013 में भी आईपीओ के माध्यम से धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में आवेदन किया था लेकिन बाद में उसने अपना विचार बदल दिया था. आईपीओ के तहत कंपनी 1,000 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी. इसमें कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) नहीं होगी.

ब्रीफ खबरें

भाजपा नेता अर्जुन राम ने किया तुमांग पंचायत का दौरा

मैकलुस्कीगंज। भाजपा नेता अर्जुन राम ने बुधवार को खलारी का दौरा किया .दौरे के क्रम में अर्जुन राम तुमांग पंचायत गए.जहां तुमांग पंचायत के मुखिया संतोष कुमार महली और पंचायत समिति सदस्य सहदेव महली ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात की. साथ ही कई जनसमस्याओं को लेकर चर्चा की गई. इस मौके पर प्रदीप सिंह, विनय उरांव, अमर साव, रामेश्वर भोक्ता, कयूम अंसारी, बबलू भुईया, तारा साव, सुरेंद्र गंझू धर्मेंद्र पासवान, सरजू सिंह, संजय राम आदि उपस्थित थे.

जेबीकेएसएस पांच को करेगा धरना-प्रदर्शन

तमाड़। जेबीकेएसएस के द्वारा शुक्रवार 5 जनवरी को सलगाडीह स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के समीप एक दिवसीय धरना प्रदशन किया जायेगा. तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों को 70% नामांकन सुनिश्चित करने, कला एवं वाणिज्य की पढ़ाई विद्यालय में फिर से चालू करने,दिवाकालीन छात्रों का पुनः नामांकन करने, विषयवार शिक्षको को बहाल करने एवं जनजातीय व क्षेत्रीय भाषाओ की पढ़ाई शुरू करने आदि मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया जायेगा.

सोरलोंगा में मरांग गोमके की जयंती मनायी गयी

तमाड़। सोरलोंगा में बुधवार को झारखंड के महान सपूत मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 121 वीं जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी.जयंती पर श्रद्धांजलि देने के साथ ही उपस्थित सभी लोगों ने आदिवासी समाज के उत्थान और उनके विकास के लिए संकल्प लिया. इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजा पीटर व उनकी पत्नी आरती जायसवाल, शिशुपाल पातर, अनिता देवी, बसंती देवी, शारदा देवी, जीरामानी मुंडा, पूजा मुंडा आदी उपस्थित थे.

भू धंसान की चपेट में आने से सीसीएल कर्मी घायल

डकरा। डकरा कोयला खदान में पाइप लाइन का काम कर रहे मैकेनिकल फोरमैन शकील अख्तर अचानक भू धसान की चपेट में आने से घायल हो गए. सहकर्मियों द्वारा उन्हें डकरा अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है. मिली जानकारी के अनुसार द्वितीय पाली में शकील अपने सहकर्मियों के साथ डकरा खदान हॉल रोड में काम कर रहे थे. इसी बीच वे अचानक कमर तक जमीन के अंदर घुस गए और दो बड़े पत्थरों के बीच बुरी तरह फंस गए.

फुलचंद टूटी बने आदिवासी कांग्रेस के खूंटी जिलाध्यक्ष

खूंटी। फुलचंद टूटी खूंटी जिला आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बनाये गये हैं. आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जोसाई मराण्डी ने बुधवार को उन्हें प्रमाणपत्र सौंपा. उन्होंने कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष और अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कांग्रेस पार्टी के नीति सिद्धांतों पर चल कर संगठन को मजबूती प्रदान करने की बात कही.मौके पर आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सेबियसटन मराण्डी, अनूप लकडा, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा, विलसन तोपनो आदि ने फुलचंद टूटी को बधाई दी.

खूंटी मे कुएं में डूबने से युवक की हुई मौत

खूंटी। खूंटी थानांतर्गत बिरहू उरांव टोली निवासी अनूप अल्फ्रेड पोढ़ नामक 28 वर्षीय युवक की बुधवार सुबह उसके घर से लगभग 50 मीटर की दूरी पर स्थित एक कुएं में गिरकर डूबने से मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर खूंटी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद स्वजनों को सौंप दिया.

बीडीओ ने किसानों के बीच किया सरसों बीज का वितरण

खलारी। तुमांग लैंपस में प्रखंड विकास पदाधिकारी लेखराज नाग ने किसानों के बीच बीज का वितरण किया .फसल विस्तार योजना अंतर्गत पंचयात तुमंग एवं बिश्रामपुर में गेहूं बीज 51 किसानों के बीच 40 किलो प्रति एकड़ की दर से 2040 किलो एवं टरफा योजना अंतर्गत हेसलोग एवं मनातू ग्राम में मसूर बीज 14 किसानों के बीच 8 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से 112किलो, सरसों बीज 30 किसानों के बीच 2 किलो की दर से 60 किलो बीज का वितरण किया गया.इस कार्यक्रम में प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, लैंपस अध्यक्ष किसुन मुंडा, कृषक मित्र पंकज मुंडा , एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित थे.

अशोका से मोनेट डेनियल कोल वाशरी तक बिना ढंके हो रही ओवरलोडेड कोयले की ढुलाई

खलारी-पिपरवार में कोयले की ढुलाई में अनियमितता

संवाददाता। पिपरवार

पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में इन दिनों अशोका कोयला परियोजना की खदान से डेनियल मोनेट कोल वाशरी तक हाइवा डंपर से कोयले की ढुलाई बिना त्रिपाल ढंके और ओवरलोडिंग कोयले की ढुलाई की जा रही है. नियमानुसार कोयले की दुलाई हाईवा डंपरों से त्रिपाल लगाकर व पानी का छिड़काव कर किया जाना हैं. सीसीएल अधिकारियों की लापरवाही से वाहन चालक बगैर त्रिपाल लगाए एवं पानी का छिड़काव किए कोयले की ढुलाई कर रहे है. ट्रांसपोर्टिंग सड़क के किनारे बसे ग्रामीणों एवं राहगीरों को कोयला ढुलाई किए जाने से बराबर खतरा बना रहता हैं.

खास बातें

- कोयले की ढुलाई में बरती जा रही भारी अनियमितता
- धूल गर्द व प्रदूषण से बढ़ रही मरीजों की संख्या

बिना त्रिपाल ढके हो रही ढुलाई

इतना ही नहीं इन ओवरलोडिंग कोयले की ढुलाई बिना त्रिपाल ढके किए जाने के कारण उक्त सड़क पर धूल गर्दा उड़ने से काफी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के ग्रामीण गंभीर बीमारियो के संक्रमण के चपेट में पड़ते जा रहे हैं .जिस कारणअस्थमा एवं हृदय रोग संबंधी बीमारी तेजी से बढता जा रहा हैं. सीसीएल प्रबंधन और ना ही स्थानीय पुलिस प्रशासन भी गंभीर नहीं हैं बिना तिरपाल ढके एवं ओवरलोडिंग कोयले की ढुलाई पर जिले के डीटीओ ने सख्त पाबंदी होने के बावजूद भी हाईवा डंपर से ओवरलोड कोयले की धुलाई निरंतर जारी है .

हाइवा डंपरों में खलासी तक की व्यवस्था न

हाइवा डंपरों में खलासी तक की व्यवस्था नही हैं सिर्फ एक चालक के भरोसे इन हाइवा डंपर का परिचालन किया जा रहा है . खासकर ट्रांसपोर्टिंग के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के किनारेविद्यालय के छात्रों की छुट्टी के दौरान कतार लगी रहती है जिससे खतरों का अंदेशा बना रहता है . ट्रांसपोर्टिंग सड़कों के किनारे अवस्थित विद्यालय के शिक्षकों ने कहा कि बगैर तिरपाल ढके और ओवरलोडिंग कोयले की ढुलाई किए जाने से ट्रांसपोर्टिंग सड़कों पर धूल का अंबार उड़ता रहता है .

ग्रामीणों ने सीसीएल को दी आंदोलन की चेतावनी

सीसीएल पिपरवार विगत कुछ सप्ताह पूर्व वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ है . इधर बिना त्रिपाल ढके और ओवरलोडिंग कोयले की ढुलाई पर ग्रामीणों ने सीसीएल पिपरवार प्रबंधन के खिलाफ जन आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है . इस संबंध में ग्रामीणों ने कहा समय रहते कार्रवाई नहीं करने पर सीसीएल के खिलाफ आंदोलन करेंगे . डंपर के परिचालन से किसी प्रकार की क्षति होती है तो इसकी सारी जिम्मेवारी सीसीएल प्रबंधन की होगी .

जेल से छूटे प्रिंस खान के 22 साथी पुलिस के रडार पर

- जमानत मिलने के बाद भी पुलिस रख रही निगाह, बड़ी वारदात को अंजाम देने का संदेह
- एसएसपी की अनुशंसा पर न्यायिक जिला दंडाधिकारी ने आरोपियों को भेजा है नोटिस

रिजवान शम्स । धनबाद

रंगदारी और हत्या जैसे संगीन वारदात से दहशत बनाए रखने वाले गैंगस्टर प्रिंस खान के 22 साथी पुलिस के रडार पर हैं. प्रिंस के गिरोह के ये 22 लोग हाल के दिनों में अदालत से जमानत पाकर जेल से बाहर निकले हैं. इनके खिलाफ एसएसपी धनबाद ने झारखंड अपराध नियंत्रण अधिनियम की धारा तीन के तहत कार्रवाई की अनुशंसा की थी, जिसके बाद न्यायिक जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त धनबाद ने सभी को नोटिस भेजकर पक्ष रखने को कहा है.

गैंगस्टर प्रिंस खान समेत उसके कई करीबियों के खिलाफ धनबाद पुलिस पूर्व में ही सीसीए की कार्रवाई कर चुकी है. इधर प्रिंस गिरोह का जब आतंक बढ़ा तो पुलिस की कार्रवाई भी तेज हुई थी. पूरे गिरोह से लगभग छह दर्जन से अधिक लोगों को पकड़ कर सलाखों के पीछे भेजा गया था. इनमें प्रिंस का भाई बंटी और गोडविन दोनों शामिल हैं, जो फिलहाल धनबाद जेल में है. जबकि पकड़े गए अन्य लोगों में से करीब दो दर्जन लोग जमानत पाकर जेल से बाहर आ चुके हैं. पुलिस को संदेह है कि गिरोह से जुड़े ये 24 लोग कहीं फिर से गिरोह के लिए काम करना न शुरू कर दे, ऐसे में ये लोग न सिर्फ आमजन बल्कि पुलिस के लिए भी सिर दर्द साबित होंगे. पुलिस को आशंका है कि यदि इन पर निगरानी नहीं रखी जाए तो ये लोग फिर से संगठित होकर बड़े अपराध को अंजाम दे सकते हैं. ऐसे में इन पर निगाह रखने की कवायद शुरू की गयी है.

इन पर है पुलिस की निगाह

1. राशिद हसन , कमरमखदूमी रोड, वासेपुर
2. सद्दाम कुरैशी, करीमगंज, वासेपुर
3. मो. शकील, मदीना नगर, वासेपुर
4. अरशद अहमद, निशात नगर, वासेपुर
5. अजहर खान, जिन्नती मोहल्ला, शमशेर नगर
6. टिंकु कुरैशी, आरा मोड़, वासेपुर
7. फिरोज आलम, नबी नगर
8. टुन्ना खान, अली नगर, भूली रोड
9. आमिर खान, अली नगर, भूली
10. साहेब कुरैशी, करीमगंज, वासेपुर
11. शमीम रजा, पांडरपाला
12. रशिद जावेद, अंसार नगर, पांडरपाला
13. अल्ताफ रजा, आरा मोड़
14. खुर्शिद आलम, लाला टोला, आरा मोड़
15. नरगीश बानो, कादरी नगर, केंदुआडीह
16. सिराज अंसारी, अहिया नगर, भूली
17. बाबर अहमद, केंदुआडीह चार नंबर
18. माजिद अंसारी, पुटकी तीन नंबर
19. अमन कुमार वर्मा, केंदुआपुल
20. अरमान आलम, अली नगर
21. संतोष गोस्वामी, केंदुआडीह बाजार
22. मो. सद्दाम, कमरमखदूमी रोड, वासेपुर

छह माह की हाजिरी या इलाके में बंद होगा प्रवेश

एसएसपी धनबाद की तरफ से दिसंबर माह में ही सभी संबंधित आरोपियों के झारखंड अपराध नियंत्रण अधिनियम की धारा तीन के तहत कार्रवाई के लिए उपायुक्त को पत्र लिखा गया था. इसी के आलोक में दो जनवरी को न्यायालय जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त की तरफ से संबंधित लोगों को नोटिस भेजा गया है. नोटिस के आरोपियों की तरफ से यदि संतोषप्रद जवाब नहीं मिलेगा तो फिर आरोप से संबंधित धारा तीन के तहत अग्रतर कार्रवाई की जाएगी. अग्रेतर कार्रवाई में छह माह के लिए शहर में प्रवेश पर भी पाबंदी लग सकती है या फिर छह महीने तक थाने में हाजरी लगानी पड़ सकती है.

ओरमांझी के सदमा में मनायी गयी जयपाल सिंह मुंडा की जयंती

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के सदमा में बुधवार को आदिवासी सरना 22 पड़हा कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष बाबूलाल महली के नेतृत्व में एंजल गार्डन नर्सरी स्कूल सदमा में मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती मनायी गयी. इस अवसर पर पर वक्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए जयपाल सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर मुख्य रूप से जयंती कार्यक्रम में बिरसा मुंडा स्मारक समिति के अध्यक्ष हरिलाल मुंडा, कोषाध्यक्ष रमेश चंद्र उरांव, पूर्व मुखिया गीता कच्छप, झिरगा पाहन, बुद्धेश्वर मुंडा, लोकन मुंडा , इंदु मुंडा, रवि मुंडा, रितेश मुंडा , मुख्य रूप से उपस्थित थे.

विहिप ने किया अक्षत और पत्रिका का वितरण

खूंटी। श्रीराम लल्ला के अवधपुरी में 22 जनवरी को हानेवाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को तोरपा प्रखंड के अम्मा पकना और मोर्चा में अयोध्या में पूजित अक्षत का वितरण किया और लोगों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भागीदार बनने का निमंत्रण दिया. मौके पर विहिप के प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि सभी सनातनी निमंत्रण स्वीकार करें, अब सबको अयोध्या चलना है. इस अभियान को लेकर पूजित अक्षत एवं पत्रिका का वितरण के लिए अभियान चलाया जा रहा है. मौके पर जिला मंत्री उमेश मांझी, अजीत जयसवाल, मनोज साहू, घनश्याम दास, तुलसी हजाम, अनीता देवी, गीता देवी सहित कई राम भक्त उपस्थित थे.

पांच दिवसीय जय सरना फुटबॉल टूर्नामेंट तीसरा दिन

खेल से मानसिक और शारीरिक विकास होता है: अमरनाथ चौधरी

संवाददाता। ओरमांझी

शिव शिष्य परिवार के सौजन्य से जेएसएफ क्लब बरतुआ गणेशपुर द्वारा आयोजित पांच दिवसीय जय सरना फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन पंचायत खेल मैदान बरतुआ में किया जा रहा है. तीसरा दिन का पहला मैच नायक ब्रदर्स गेतलसूद बनाम ब्लू स्टार अनगड़ा के बीच खेला गया.जिसमें में गेतलसूद ने अनगड़ा को 1-0 से पराजित किया. मुंडा ब्रदर्स चंदवे बनाम मिलन स्पोर्टिंग क्लब घुटुवा के बीच खेला गया. जिसमें चंदवे ने घुटुवा को 3-0 से पराजित किया. क्वार्टर फाइनल मैच नायक ब्रदर्स गेतलसूद बनाम मुंडा ब्रदर्स चंदवे के बीच खेला गया. जिसमें गेतलसूद ने चंदवे को 3-0 से पराजित कर सेमी फाइनल में पहुंचा. इस अवसर पर मुख्य अतिथि बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष किसान मोर्चा के अमरनाथ चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि आजसू पार्टी के प्रकाश लकड़ा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फुटबॉल पर किक मारकर मैच का उद्घाटन किया.

तीरंदाजी केंद्र सिल्ली को पुरस्कार

खास बातें

- केंद्र के 22 खिलाड़ी राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार में नौकरी कर रहे
- देश व विदेशों में भी तीरंदाजी के क्षेत्र में सिल्ली का नाम रोशन किया

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

बिरसा मुंडा तीरंदाजी केंद्र सिल्ली के द्वारा तीरंदाजी के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने पर रांची स्थित सीएमपीडीआई में झारखंड खेल प्रोत्साहन पुरस्कार से नवाजा गया. राज्यसभा सांसद महुआ मांझी ने कोच के आचार्य प्रकाश राम को सम्मानित किया गया. यह प्रोत्साहन पुरस्कार जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर उम्मीद फाउंडेशन के द्वारा दिया गया. बताते चले की सिल्ली बिरसा मुंडा तीरंदाजी केंद्र के द्वारा 2015 में राष्ट्रीय पुरस्कार, 2013 में चाइल्ड वार्ड, 2018 में झारखंड रत्न पुरस्कार 2021 में प्रधानमंत्री वार्ड से खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया. इस केंद्र में 22 खिलाड़ी राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार में नौकरी प्राप्त कर अपने भविष्य को उज्जवल बनाने का काम किए हैं.

बिरसा मुंडा तीरंदाजी एकेडमी सिल्ली ने देश एवं विदेशों में भी तीरंदाजी के क्षेत्र में सिल्ली का नाम रोशन किया है. प्रोत्साहन पुरस्कार मिलने पर बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकेडमी के अध्यक्ष नेहा महतो एवं संरक्षक सुदेश महतो, सुशीर महतो, सुनील सिंह, जयपाल सिंह, कृष्णा महतो, बृजेश प्रसाद आदि ने बधाई दिया है.

बैठक लतरातू डैम में पीडीएस दुकानदारों ने सात सूत्री मांगों के समर्थन में हुंकार भरी

पीडीएस दुकानदारों का दोहन और शोषण बंद करें : सुशील

संवाददाता। लापुंग

झारखंड राज्य लक्षित जन वितरण प्रणाली दुकानदार संघ बेड़ो प्रखंड के तत्वाधान में लापुंग प्रखंड के लतरातु डैम में वनभोज सह चिंतन बैठक का आयोजन किया. चिंतन बैठक कार्यक्रम के दौरान झारखंड राज्य लक्षित जन वितरण प्रणाली दुकानदार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार साहु की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जनवितरण प्रणाली दुकानदारों के ऊपर शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद की गई. प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार साहु ने कहा कि सरकार जन वितरण प्रणाली दुकानदारों का दोहन शोषण करना बंद करें और हमारी सात सूत्री मांगों को अविलंब पूरा करे. सरकार जन वितरण प्रणाली संघ को तोड़ने की कोशिश करना छोड़ दे. हम एक हैं और एक ही रहेंगे. वहीं सरायकेला खरसांवां से आए झारखंड प्रदेश के महासचिव नृपेंद्र कृष्ण महतो ने कहा कि सरकार जन वितरण प्रणाली दुकानदारों के लिए पूर्व की भांति अविलंब अनुकंपा व्यवस्था लागू करे. सरकार हमें डराना धमकाना बंद करे अन्यथा जन वितरण प्रणाली के दुकानदार उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे. हजारीबाग से आयीं प्रदेश उपाध्यक्ष बिंदु देवी ने कहा कि जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों को सरकार न्यूनतम चालीस हजार रुपये मानदेय का भुगतान करे. बैठक को मुख्य रूप से पूर्व रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष रामनरेश सिंह ने कहा कि सभी संघ मिलकर एक साथ डीलर के हित में मिलकर संघर्ष करें जिससे डीलर के हितों की रक्षा किया जा सके. इस मौके पर चिंतन बैठक को काशी नाथ, आशिक खलील, राजेंद्र प्रसाद रौनियार, पतरस एक्का सहित राज्य के विभिन्न जिलों से आए पीडीएस के दुकानदारों ने बैठक को संबोधित किया. बैठक सह वनभोज कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने एकजुटता की रणनीति बनाई और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण लतरातु डैम, साईं मंदिर का परिभ्रमण भी किया.

न्यूज अपडेट

टुसू मेले के आयोजन को लेकर समिति गठित

सिकिदिरी। 24 जनवरी को आयोजित टुसू मेले का आयोजन को लेकर बुधवार को वन एवं पर्यावरण टोटी झरना टुसू मेला समिति की बैठक रोहण्डीह के टोटी झरना स्थल में हुई. इस की अध्यक्षता मनेष कुमार महतो ने की.चाड़ पंचायत के विभिन्न गांवों के ग्रामीणों ने भाग लिया. बैठक में सर्वसम्मति से 24 जनवरी को टुसू मेले का आयोजन करने का निर्णय लिया गया. इसमें अध्यक्ष मनेष कुमार महतो,उपाध्यक्ष प्रीतम महतो,सचिव शिबू महतो,सहसचिव रंजीत कुमार महतो, कोषाध्यक्ष बबलू महतो व दिलीप महतो, मुख्य संरक्षक बलिराम महतो को बनाया गया है.

बचरा में हिट एंड रन कानून का वाहन चालकों ने किया विरोध

पिपरवार। बचरा चार नंबर खेल मैदान में वाहन चालकों की बैठक संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता और संचालन आजसू पार्टी के पिपरवार नगर अध्यक्ष विनोद सिंह उर्फ विधायक ने किया. बैठक में सीसीएल के पिपरवार, मगध संघमित्रा और आम्रपाली चंद्रगुप्त एरिया के वाहन चालक मौजूद थे.बैठक में केंद्र सरकार के द्वारा लाये गए हिट एंड रन कानून के खिलाफ पुरजोर विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई. बैठक मे मुख्य रूप से बिनोद सिंह,बल्लु सिंह,इकबाल सिंह,सत्येंद्र यादव,सत्येंद्र मुंडा,मंटू साहु, गुड्डू सिंह,महेश महतो,रोशन कुमार,गुड्डू साहु सहित कई पिपरवार,मगध संघमित्रा और आम्रपाली चन्द्रगुप्त एरिया के वाहन चालक मौजूद थे.

जरुरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया

कांके। पिरुटोला स्थित दारुल उलूम अशरफिया में पूर्व जिला परिषद सदस्य अईनुल हक अंसारी ने 100 बच्चों के बीच कंबल वितरण किया. इस अवसर पर अईनुल हक अंसारी ने मदरसा के बच्चों को सम्बोधित कर कहा कि आप बेहतर दर्जे के सम्मान पाने वाले हैं.मौके पर गांव के सदर मतिउर्रहमान, सेक्रेट्री सज्जाद हुसैन, लेयाकत हुसैन, मदरसा के प्राचार्य नैय्यर इकबाल, पूर्व मुखिया सोमरा उरांव, मौलाना अनिसुर्रहमान, मौलाना रेयाज, मौलाना तस्लीम, हफीज अब्दुल हसीब, कारी सदाकत, हफीज इकराम, हाफिज कुदरत, फिरदोश आलम, मो.खालिद सैफुल्लाह, रफीक अंसारी, जमील अख़्तर, इम्तियाज अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे.

अयोध्या से आए अक्षत कलश के साथ निकाला जुलूस

पिपरवार। कोयलांचल क्षेत्र के राय में अयोध्या से आए पूजित अक्षत और कलश को लेकर गाजे बाजे के साथ जुलूस निकाला गया. इसदौरान राय और बमने पंचायत के सभी मंदिरों का भ्रमण कर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा एवं 22 जनवरी को श्री राममंदिर उद्घाटन को लेकर सभी सनातनियों के घरों में अक्षत और निमंत्रण पत्र दिया गया. इस दौरान रामलला के जमकर नारे लगाए गए. इस मौके पर राय शिव मंदिर पुजारी कैलाश मिश्र,सहदेव महतो,अशोक प्रजापति, जगदीश सोनी, सुरेश गुप्ता, शंकर साहनी, राजू गुप्ता, रितेश केसरी, संजय महतो, राजेश सोनी, एतवारा महतो, हीरो सोनी, महेश शर्मा सहित अनेकों राम भक्त शामिल थे .

बारेंदा में विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ

सोनाहातू। प्रखंड के बारेंदा पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा शुभारंभ किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार पुस्तकालय सलाहकार समिति के सदस्य डॉ राजा राम महतो, बारेंदा मंडल के सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार महतो, सोनाहातू मंडल के सांसद प्रतिनिधि दिलेश्वर कोइरी, बीडीओ खगेश कुमार ने संयुक्त रूप से विधिवत उद्घाटन किया. हम सभी भारत वासी मिलकर ही देश का विकास की रफ्तार को और आगे ले जा सकते है. वहीं सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार महतो ने केंद्र सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी.सभा का समापन सांसद प्रतिनिधि पश्चिम दिलेश्वर कोइरी ने किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता सोनाहातू बीडीओ खगेश कुमार ने किए.

तमाड़ में फुटबॉल और कबड्डी मैच का आयोजन

तमाड़। तमाड़ प्रखंड के आजिविका महिला संकुल संगठन के द्वारा फुटबॉल तथा कबड्डी मैच का आयोजन किया गया.इस मैच का आयोजन लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध राष्ट्रीय अभियान के तहत अमलेशा मैदान में किया गया.कबड्डी मैच का फाइनल तमाड़ और आगरा के बीच खेला गया. जिसमें आमलेशा की टीम 8_4 प्वाइंट से विजयी रही.वहीं फुटबॉल मैच का फाइनल बरलांगा औरअम्लेशा के बीच खेला गया.जिसमें बरलंगा टीम 1-0 से विजय हुआ.मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक प्रतिनिधि ऋषिकेश महतो ने कहा की खेल संसाधनों के आभाव के वावजूद दीदियों ने जिस तरह के खेल का प्रदर्शन किया, वह काबिले तारीफ है.

डकरा में सावित्रीबाई फुले और मारंग गोमके की जयंती मनी

डकरा। एसटी एससी ओबीसी एकता मंच के द्वारा अंबेडकर पार्क डकरा में भारत के प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले एवं मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती मनायी गयी. इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि सावित्रीबाई फुले एक प्रख्यात समाज सेविका थी. वे समाज सुधारक,महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण काम करने के लिए जाना जाती है. वहीं जयपाल सिंह मुंडा भारतीय आदिवासियों एवं झारखंड आंदोलन के सर्वोच्च नेता थे. झारखंड के आदिवासी उन्हें मारंग गोमके कहते थे. मंच के सदस्यों के द्वारा इन दोनों सामाजिक महानुभावो के चित्र पर माल्यापर्ण कर नमन किया. कार्यक्रम में देवपाल मुंडा,कन्हाई पासी, इंदिरा देवी, अनिल पासवान, अभिजीत कौशल, अमरलाल सतनामी, भजो राम सतनामी आदि मौजूद थे.

राहे में महिलाओं से लाखों रुपये की ठगी

राहे। प्रखंड के कई गांवों में बाल बाड़ी खोलने के नाम पर महिलाओं से लाखों रुपए की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है.मामले की जानकारी महिलाओं ने राहे ओपी में दिया है. जाराडीह गांव के राधिका देवी,बेला गांव के गीता देवी, पोगड़ा गांव के ममता देवी,पोआदिरी गांव के धरनी देवी ने बताया कि सिल्ली के राजागोडा गांव रविन्द्र महतो ने बाल बाड़ी खोलने के लिये 5 हजार रुपये लिये.दिसम्बर 2022 से उगाही किया है. दिसम्बर 2023 में केंद्र खोलने के की बात कहा गया था.दिसम्बर बीत जाने के बाद सम्पर्क किया तो संपर्क नहीं हो पाया. राहे प्रखंड में 300 केंद्र खोलने के नाम पर राशि की वसूली हुई है. भुक्तभोगियों प्रशासन से न्याय की मांग किया है.

भारतीय कुश्ती में नया विवाद : पहलवान बोले - इन लोगों के मन में राष्ट्रीय पुरस्कारों की कोई इज्जत नहीं है

बजरंग, साक्षी व विनेश के खिलाफ पहलवान जुटे

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय कुश्ती में जारी संकट में बुधवार को नया मोड़ आया जब सैकड़ों जूनियर पहलवान अपने करियर में एक महत्वपूर्ण साल बर्बाद होने के खिलाफ जंतर मंतर पर जमा हुए और उन्होंने इसके लिये शीर्ष पहलवानों बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट को दोषी ठहराया. बसों में भरकर जूनियर पहलवान उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से यहां पहुंचे. इनमें से करीब 300 बागपत के छपरौली के आर्य समाज अखाड़े से थे, जबकि कई नरेला की वीरेंद्र कुश्ती अकादमी से भी थे. सुरक्षाकर्मियों को उन्हें काबू करने में काफी परेशानी हुई. ये पहलवान बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ नारे लगा रहे थे. इन्होंने बैनर पकड़ रखे थे जिस पर तीनों पहलवानों की तस्वीरों के साथ लिखा था, कर दिया देश की कुश्ती को बर्बाद, साक्षी, बजरंग और फोगाट.

भारतीय कुश्ती महासंघ के नये पदाधिकारियों के चुनाव के तुरंत बाद राष्ट्रीय अंडर 15 और अंडर 20 चैम्पियनशिप गोंडा में कराने का फैसला किया गया, जिसके बाद मंत्रालय ने महासंघ को निलंबित कर दिया और ये टूर्नामेंट भी रद्द हो गए. प्रदर्शनकारी पहलवानों में से कइयों के पास आखिरी बार जूनियर स्तर पर खेलने का मौका था. मुजफ्फरनगर स्टेडियम के कोच प्रदीप कुमार ने कहा, उत्तर प्रदेश के 90 प्रतिशत से अधिक अखाड़े इस प्रदर्शन में हमारे साथ हैं. एक तरफ सिर्फ तीन पहलवान है और दूसरी तरफ लाखों हैं. उन्होंने देश के लाखों पहलवानों का करियर खराब कर दिया. उन्होंने कहा, इन लोगों के मन में राष्ट्रीय पुरस्कारों की कोई इज्जत नहीं है. उन्हें सड़क पर पटक रहे हैं. बजरंग और विनेश ने अपने सरकारी सम्मान लौटा दिये हैं. प्रदीप ने कहा, वे कहते आ रहे हैं कि उनकी लड़ाई महिला और जूनियर पहलवानों के लिए हैं, लेकिन उन्होंने लाखों के करियर बर्बाद कर दिया. उनका प्रदर्शन डब्ल्यूएफआई में शीर्ष पद पाने के लिये है. एक बार ऐसा होने पर उनका सारा प्रदर्शन बंद हो जायेगा. करीब एक साल पहले जंतर मंतर पर ही ये तीनों शीर्ष पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर धरने पर बैठे थे. उस समय किसान समूहों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनेताओं, महिला संगठनों और पहलवानों ने इनका समर्थन किया था. जनवरी 2023 से राष्ट्रीय शिविर और प्रतिस्पर्धायें ठप पड़ी है.

खास बातें

- यूपी, हरियाणा और दिल्ली के कई हिस्सों से आए पहलवान
- जनवरी 2023 से राष्ट्रीय शिविर और प्रतिस्पर्धायें ठप

फैसला : नये महासंघ को भी निलंबित कर दिया गया

आर्य समाज अखाड़े के विवेक मलिक ने कहा, इन जूनियर पहलवानों का पूरा एक साल खराब हो गया. नये डब्ल्यूएफआई ने इन पहलवानों के भले के लिए फैसला लिया था जो जिला या प्रदेश स्तर की स्पर्धा भी नहीं खेल सके हैं. नये महासंघ को भी निलंबित कर दिया गया. इसका चुनाव अदालत के निर्देशों के अनुसार हुआ था लेकिन इसे काम नहीं करने दिया गया. निलंबन हटना चाहिये और महासंघ को काम करने देना चाहिए. इन प्रदर्शनकारी पहलवानों ने मांग की है कि निलंबित डब्ल्यूएफआई को फिर बहाल किया जाये और तदर्थ समिति को भंग किया जाये.

संजय सिंह के बिना डब्ल्यूएफआई हमें स्वीकार्य : साक्षी मलिक

भाषा। नयी दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने बुधवार को कहा कि नये भारतीय कुश्ती महासंघ से उन्हें कोई ऐतराज नहीं है, अगर बृजभूषण शरण सिंह के विश्वस्त संजय सिंह को इससे अलग रखा जाता है. साक्षी ने 21 दिसंबर को संजय सिंह के डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बनने के बाद खेल से संन्यास ले लिया था. रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता ने दावा किया कि उनकी मां को डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण के समर्थक धमकीभरे फोन कर रहे हैं. मलिक ने पत्रकारों से कहा , हमें नये महासंघ से कोई परेशानी नहीं है. सिर्फ एक व्यक्ति संजय सिंह के रहने से परेशानी है. संजय सिंह के बिना नये महासंघ से या तदर्थ समिति से भी हमें कोई मसला नहीं है. सरकार हमारे लिये अभिभावक की तरह है और मैं उनसे अनुरोध करूंगी कि आने वाले पहलवानों के लिये कुश्ती को सुरक्षित बनाये.

हमारी वजह से जूनियर पहलवानों का नुकसान न हो : साक्षी

सभी ने देखा कि डब्ल्यूएफआई चुनाव के बाद बृजभूषण सिंह ने कैसे सत्ता का दुरूपयोग किया. बिना किसी से पूछे अपने शहर में जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कराने का ऐलान कर दिया. साक्षी ने तदर्थ समिति से तुरंत जूनियर वर्ग के टूर्नामेंट कराने का अनुरोध किया. उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहती कि हमारी वजह से जूनियर पहलवानों का नुकसान हो. तदर्थ समिति सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की घोषणा कर चुकी है और अब मैं अनुरोध करूंगी कि अंडर 15, अंडर 17 और अंडर 20 राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का भी ऐलान किया जाये. इस बीच सैकड़ों जूनियर पहलवान अपने कैरियर में एक महत्वपूर्ण साल बर्बाद होने के खिलाफ बुधवार को जंतर मंतर पर जमा हुए हैं और उन्होंने इसके लिये बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट को दोषी ठहराया.

ब्रीफ खबरें

ब्रिसबेन इंटरनेशनल में दूसरे दौर में हारी ओसाका

ब्रिसबेन। मां बनने के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रही नाओमी ओसाका ब्रिसबेन इंटरनेशनल के दूसरे दौर में तीन बार की चैम्पियन कैरोलिना प्लिसकोवा से 3-6, 7- 6, 6- 4 से हार गयीं. दो बार अमेरिकी ओपन और आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने वाली ओसाका ने पहले मैच में तमारा कोर्पेश को सीधे सेटों में हराया था. यह मई 2022 के बाद एलीट स्तर पर उसका पहला मैच था. जुलाई में ओसाका ने बेटी शाइ को जन्म दिया था.

टेस्ट टीम चयन का सीएसए ने किया बचाव

जोहानिसबर्ग । न्यूजीलैंड के टेस्ट दौरे के लिए कमजोर टीम चुनने पर मौजूदा और पूर्व खिलाड़ियों से आलोचना झेल रहे क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने अपना बचाव करते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और घरेलू टी20 लीग दोनों को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है. दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के टेस्ट दौरे के लिए सात नये चेहरों को चुना है जिसमें कप्तान भी नया है. सीएसए ने कहा कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका न्यूजीलैंड दौरे के लिये टेस्ट टीम को लेकर चिंताओं से वाकिफ है.

हबास मोहन बागान के अंतरिम मुख्य कोच

कोलकाता । मोहन बागान सुपर जायंट ने इंडियन सुपर लीग में क्लब के खराब प्रदर्शन के बाद बुधवार को अपने मुख्य कोच जुआन फर्नांडो से नाता तोड़ने का फैसला किया. इंडियन सुपर लीग फ्रेंचाइजी ने घोषणा की कि तकनीकी निदेशक अंतोनियो हबास को अगले हफ्ते होने वाले कलिंग सुपर कप के लिए अंतरिम कोच बनाया गया है. फर्नांडो को दिसंबर 2021 में मुख्य कोच नियुक्त किया गया था.

दूसरा टेस्ट : अफ्रीका ने पहले बैटिंग की, एक दिन-दो पारी और 23 विकेट

भारत ने 11 गेंद में गंवाए 6 विकेट, 0 पर 6 आउट

भाषा । केपटाउन

भारत-साउथ अफ्रीका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले का पहला दिन क्रिकेट इतिहास में हमेशा-हमेशा के लिए यादगार हो गया. साल 2024 के अपने पहले टेस्ट में भारतीय क्रिकेटर्स का प्रदर्शन हैरान करता है. मैच के पहले दिन दोनों टीमों के कुल 23 विकेट गिरे. यानी दोनों ही टीमें बारी-बारी ऑलआउट हो गई. टॉस हारकर टीम इंडिया ने पहले साउथ अफ्रीका को 55 रन पर समेटा तो इसके बाद खुद 153 रन पर आउट हो गई, जिससे उसने 98 रन की बढ़त हासिल की. अपनी दूसरी पारी में दिन का खेल खत्म होने तक साउथ अफ्रीका तीन विकेट के नुकसान पर 62 रन बना ली थी और भारत की लीड 36 रन ही रह गई है.

भारत ने मोहम्मद सिराज के करियर के सर्वश्रेष्ठ छह विकेट के प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को दूसरे और आखिरी टेस्ट के शुरूआती दिन दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 55 रन पर समेटने के बाद चाय तक चार विकेट पर 111 रन बनाकर 56 रन की बढ़त हासिल की. शीर्ष क्रम के चरमराने के बावजूद भी भारत ने 56 रन की बढ़त बना ली. सिराज ने लगातार नौ ओवर के अपने पहले स्पैल में 15 रन देकर छह विकेट झटके. दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज उनके पिच से हासिल किये गये असमान उछाल और मूवमेंट से निपटने में असफल रही. दक्षिण अफ्रीका का यह 1991 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम स्कोर है. भारतीय बल्लेबाज भी हालांकि दक्षिण अफ्रीका के बायें हाथ के तेज गेंदबाज नानड्रे बर्गर (3/42) के अजीब कोण और उछाल के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं दिखा सके.

1991 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका का यह सबसे कम स्कोर

बल्लेबाजों को सीम मूवमेंट का सामना करने में काफी परेशानी हुई

बुधवार को उमस भरी सुबह दक्षिण अफ्रीका बल्लेबाजों को सिराज की तेजी, स्विंग और सीम मूवमेंट का सामना करने में काफी परेशानी हुई जिससे पूरी टीम पहली पारी में महज 23 .2 ओवर में पवेलियन पहुंच गयी. केवल डेविड बेडिघंम (12 रन) और काइल वेरेयने (15 रन) ही दो बल्लेबाज रहे जो दोहरे अंक तक पहुंच सके जिससे स्टैंड में मौजूद दक्षिण अफ्रीकी दर्शक मायूस हो गये. सिराज ने नौ ओवर में तीन मेडन से 15 रन देकर छह विकेट झटके.

फ्रांस क्वार्टर फाइनल में

पोलैंड युनाइटेड कप के सेमीफाइनल में

पर्थ । पोलैंड ने चीन को 3 . 0 से हराकर युनाइटेड कप टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि फ्रांस ने इटली को हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई. शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने दुनिया की 14वें नंबर की खिलाड़ी झेंग किनवेन को महिला एकल में 6 . 2, 6 . 3 से हराया. वहीं हुबर्ट हुरकाज ने झांग झिंजेन को पुरुष एकल में 6 . 3, 6 . 4 से मात दी. मिश्रित युगल में कैटरीना पीटर और जान जीलिंस्की ने याउ शियाओदी और सुन फाजिंग को 6.3, 5.7, 10.7 से हराया. पोलैंड की टीम अब सिडनी में सेमीफाइनल खेलेगी जहां उसका सामना फ्रांस और नॉर्वे के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा. यूनान को कनाडा से खेलना है और अगले दौर में पहुंचने के लिये उसे हर हालत में यह मैच जीतना होगा.

सैंडपेपर कांड के बाद वॉर्नर को पूरा सम्मान मिलने पर संशय

भाषा। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर साइमन कैटिच का मानना है कि 2018 के गेंद से छेड़खानी प्रकरण के मद्देनजर डेविड वॉर्नर को जनता का पूरा सम्मान नहीं मिलेगा, क्योंकि देश में कई लोगों को अब तक यकीन नहीं होता कि उस समय उनकी टीम ने क्या किया. तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान वॉर्नर और कैमरन बेनक्रॉफ्ट को 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में 'सैंडपेपर गेट' कांड के बाद प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था. वॉर्नर पर आजीवन प्रतिबंध लगाया गया था और उनकी छवि भी खराब हुई. कैटिच का मानना है कि पांच साल बाद भी उन्हें पूरी तरह से माफी नहीं मिली है. उन्होंने 'सेन रेडियो' से कहा , यह कहना मुश्किल है कि उन्हें पूरा सम्मान मिलेगा, क्योंकि लोगों को वह घटना पसंद नहीं आई थी और आनी भी नहीं चाहिए थी. कइयों को यकीन ही नहीं हुआ कि आस्ट्रेलियाई टीम ऐसा भी कर सकती है. सिडनी में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने जा रहे वॉर्नर वनडे से भी संन्यास ले चुके हैं. कैटिच ने हालांकि कहा कि उस घटना के लिये वॉर्नर को पूरी तरह से दोषी नहीं कहा जा सकता. उन्होंने कहा, पूरी घटना के लिये उन्हें दोषी कहना गलत होगा.

नवारो कलैंड टेनिस के क्वार्टर फाइनल में

ऑकलैंड। अमेरिका की पूर्व युवा स्टार अमांडा अनिसिमोवा ने आठ महीने के ब्रेक के बाद वापसी करते हुए ऑकलैंड टेनिस क्लासिक के दूसरे दौर में मारी बूजकोवा को 6 . 0, 6 . 1 से हराया. मानसिक स्वास्थ्य कारणों और थकान की वजह से टेनिस से ब्रेक लेने के बाद अमांडा ने वापसी की है. अमेरिकी ओपन जूनियर चैम्पियन रह चुकी अमांडा फ्रेंच ओपन 2019 सेमीफाइनल खेल चुकी हैं. इससे पहले अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने एलिना अवानेसियान को 6 . 1, 6 . 2 से हराया.

विराट कोहली की आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी

भाषा । दुबई

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

सेंचुरियन टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन के बाद जारी ताजा आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में चार पायदान आगे नौवें स्थान पर पहुंच गये. कोहली 2022 में शीर्ष 10 से बाहर हो गये थे लेकिन पिछले हफ्ते दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरूआती टेस्ट में 38 और 76 रन की पारी खेलने से वह फिर इसमें वापसी करने में सफल रहे. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार वह शीर्ष पर चल रहे केन विलियमसन से 103 रेटिंग अंक नीचे हैं जबकि जो रूट और स्टीव स्मिथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 14वें स्थान पर खिसक गये, उन्होंने सेंचुरियन में पांच रन बनाये थे और एक पारी में वह खाता भी नहीं खोल सके थे. केएल राहुल भी 11 पायदान की उछाल से 51वें स्थान पर पहुंच गये. उन्होंने श्रृंखला के शुरूआती मैच में 101 और चार रन बनाये थे.

अंडर-15 और अंडर-20 चैंपियनशिप की घोषणा

नई दिल्ली । भारत में कुश्ती का संचालन कर रहे तदर्थ पैनल ने बुधवार को अगले छह सप्ताह के अंदर अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन की घोषणा की. इससे पहले जूनियर पहलवानों ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया और भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा गठित पैनल को भंग करने की मांग की. पैनल ने युवा पहलवानों की चिंता को समझा, जिनका करियर पिछले एक साल से शीर्ष पहलवानों के विरोध के कारण अधर में लटका हुआ है. जनवरी 2023 के बाद राष्ट्रीय शिविर या जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन नहीं किया गया है.

भारत के खिलाफ खेलना खास अनुभव : डि जोर्जी

भाषा। केपटाउन

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शुरुआती कदम रख रहे दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज टोनी डिजोर्जी ने कहा कि भारत के खिलाफ खेलना उनके लिये खाय अनुभव है क्योंकि जिन खिलाड़ियों को वह टीवी पर देखा करते थे, अब उनके खिलाफ खेल रहे हैं. अब तक सिर्फ तीन टेस्ट और पांच वनडे खेल चुके डिजोर्जी ने पीटीआई को दिये इंटरव्यू में कहा, यह मेरे लिये खास अनुभव रहा है. करियर की शुरुआत में भारत के खिलाफ अच्छा अच्छा खेलना और उन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना

जिन्हें अब तक टीवी पर ही देखा है. यह शानदार अनुभव है. उन्हें देखकर जमैका के मशहूर रेगे गायक बॉब मार्ले की याद आती है, जिनके घुंघराले बाल चेहरे पर लहराते थे. वहीं भुजाओं पर बने टैटू एमएमए फाइटर होने का आभास देते हैं लेकिन उनकी शख्सियत का सबसे दिलकश पहलू उनका मजाकिया स्वभाव है.

रील पर अभ्यास सत्र साझा किया : डिजोर्जी ने अपनी एक इंस्टाग्राम रील पर अभ्यास सत्र की वीडियो डालते हुए कहा, अभ्यास के दौरान जिस तरह से मैं थ्रोडाउन पर पंच लगाता हूं, मुझे तो मुक्केबाज होना चाहिए था. इतालवी मां और नाइजीरियाई पिता से जन्में डिजोर्जी ने भारत के खिलाफ वनडे में पहला अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा और अगले मैच में 81 रन बनाये. उन्होंने कहा , क्रिकेट बहुत कठिन है और आप कड़ा अभ्यास करते रहते हैं. इसमें गलतियां भी होती हैं. मैं हंसी मजाक के बीच माहौल को हल्का बनाये रखने में विश्वास करता हूं.अभ्यास के दौरान गलतियों में सुधार भी करता रहता हूं. उन्होंने कहा, मैं सुबह प्रार्थना करता हूं और उसके बाद कड़ा अभ्यास करता हूं. मैं अपने खेल का पूरा मजा लेने की कोशिश करता हूं. इंस्टाग्राम और टिक टॉक रील बनाने के शौकीन इस क्रिकेटर ने कहा, यह खुद को अभिव्यक्त करने का तरीका है.

टेस्ट मैच आगा सलमान और आमिर जमाल के अर्धशतकों की मदद से पाकिस्तान ने की वापसी

कमिंस के पांच विकेट, पाकिस्तान ने 313 रन बनाये

एजेंसी। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने लगातार तीसरी बार पारी के पांच विकेट लेकर पाकिस्तान के शीर्षक्रम को झकझोर दिया, लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाजों के जुझारू प्रदर्शन के दम पर मेहमान टीम ने तीसरे और आखिरी क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन 313 रन बनाये. लंच के बाद पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 96 रन था और लग रहा था कि टीम सस्ते में सिमट जायेगी. इससे पहले पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था. विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के 88 रन, आगा सलमान और आमिर जमाल के अर्धशतकों की मदद से पाकिस्तान ने वापसी की. ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन का खेल समाप्त होने पर बिना किसी नुकसान के छह रन बनाये थे. अपना आखिरी टेस्ट खेल रहे डेविड वॉर्नर और उस्मान ख्वाजा को स्पिनर साजिद खान ने काफी परेशान किया. वॉर्नर ने पहली गेंद पर चौका लगाया लेकिन अगली गेंद पर बाल-बाल बचे. इस टेस्ट में पूरा फोकस भले ही वॉर्नर पर होइ लेकिन तेज गेंदबाजों ने पहले दिन सुर्खियां बंटोरी. मिचेल स्टार्क ओर जोश हेजलवुड ने पहले दोनों ओवर में विकेट लिये. इसके बाद कमिंस ने मोर्चा संभाला जो मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में दस विकेट ले चुके हैं. उन्होंने बाबर आजम समेत दो कीमती विकेट चटकाये. स्टार्क ने शफीक को दूसरी स्लिप में स्टीव स्मिथ के हाथों लपकवाया.

मैदानी अंपायर ने पहले बल्लेबाज के पक्ष में फैसला दिया था लेकिन टीवी अंपायर ने उसे बदल दिया

वहीं अगले ओवर में हेजलवुड ने पहला टेस्ट खेल रहे सैम अयूब को एलेक्स कारी के हाथों कैच आउट कराया. दो विकेट चार रन पर गिरने के बाद बाबर और शान मसूद ने मोर्चा संभाला. कमिंस ने बाबर (26) को आउट करके पाकिस्तान को करारा झटका दिया. मैदानी अंपायर ने पहले बल्लेबाज के पक्ष में फैसला दिया था लेकिन टीवी अंपायर ने उसे बदल दिया. सउद शकील को कमिंस ने दूसरा शिकार बनाया. कप्तान मसूद और रिजवान ने 49 रन की साझेदारी की जिसे तोड़ते हुए मिचेल मार्श ने मसूद को पवेलियन भेजा. रिजवान ने इस बीच अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन शतक बनाने से चूक गए और कमिंस की गेंद पर हेजलवुड को कैच दे बैठे.

सूर्यकुमार को वनडे में कुछ नहीं सूझता टी-20 में वह बेहतरीन है : नासिर हुसैन

भाषा। दुबई

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मानना है कि 50 ओवरों के क्रिकेट में सूर्यकुमार यादव को कुछ नहीं सूझता, लेकिन टी20 में वह जबरदस्त खेलते हैं और इस साल होने वाले टी20 विश्व कप में उन पर नजरें होंगी. भारत के लिए 2021 में टी20 क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सूर्यकुमार अब तक 60 टी20 मैचों में चार शतक और 17 अर्धशतक जड़ चुके हैं.

उन्होंने 2022 में आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल किया था. वह वनडे में समान प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं. हुसैन के हवाले से आईसीसी ने कहा कि इस समय दुनिया की नजरें टी20 क्रिकेट में सूर्यकुमार पर लगी है. वह जबरदस्त खेलता है. मिस्टर 360 है, क्योंकि चारों तरफ स्ट्रोक लगाता है. 50 ओवरों के क्रिकेट में वह हालांकि इसे दोहरा नहीं पाता. उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में हर बार उसे पता होता है कि क्या करना है. टी20 मजेदार क्रिकेट है और सूर्यकुमार की बल्लेबाजी देखना और भी मजेदार. टी20 विश्व कप अमेरिका और वेस्टइंडीज में जून में होगा और हुसैन ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका खिताब जीत सकता है. उन्होंने कहा, मैंने इस बारे में ज्यादा नहीं सोचा, लेकिन दक्षिण अफ्रीका जीत सकता है. इंग्लैंड मौजूदा चैम्पियन है लेकिन इस समय फॉर्म में नहीं है. वेस्टइंडीज की टीम अच्छी है और पाकिस्तान भी. मुझे लगता है कि फाइनल दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच होगा.

खास बातें

- सूर्यकुमार अब तक 60 टी-20 मैचों में जड़ चुके हैं चार शतक
- इस साल होने वाले टी-20 विश्व कप में उन पर होंगी नजरें

बुधवार को नयी दिल्ली में ठंड के मौसम में गर्म कपड़े पहनकर गाज़ीपुर फूल बाजार में फूलों की माला बनाते कारीगर. - फोटो : पीटीआई

आओ जानें
देश द्वारा अग्रणी निर्यात

भारत	पेट्रोलियम	फ्रांस	विमान
अर्जेंटीना	सोयाबीन	जर्मनी	वाहन इंजन
ऑस्ट्रेलिया	आयरन	आइसलैंड	एल्युमिनियम
ऑस्ट्रिया	विषाक्त पदार्थ	इंडोनेशिया	कोयला
ब्राज़ील	सोयाबीन	इज़राइल	हीरे
बांग्लादेश	टी-शर्ट	इटली	औषधियां
कनाडा	पेट्रोलियम	जापान	वाहन इंजन
चीन	इलेक्ट्रॉनिक्स	केन्या	चाय
चिली	तांबा	स्पेन	पेट्रोलियम
कोटे डी आइवर	कोको	सीरिया	जैतून का तेल
क्यूबा	सिगार	स्वीडन	पेट्रोलियम
डेनमार्क	चिकित्सा	स्विट्ज़रलैंड	सोना
ग्वाटेमाला	केले	तुर्की	पेट्रोलियम
गुयाना	ड्रिलिंग प्लेटफार्म	यूक्रेन	मक्का
मिस्र :	पेट्रोलियम	यूएई	पेट्रोलियम
इथियोपिया	कॉफ़ी	यूनाइटेड किंगडम	पेट्रोलियम
फिनलैंड	पेट्रोलियम	यूएसए	पेट्रोलियम
फिजी	पानी	किरिबाती :	टूना

ब्रीफ खबरें

ईरान में धमाका, 25 की मौत

तेहरान। ईरान के करमान शहर में बुधवार को हुए दो धमाकों में कम से 25 लोगों की मौत हो गयी, जबकि 40 अन्य घायल हुए हैं. ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने यह जानकारी दी. एजेंसी ने बताया कि 2020 में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए जनरल कासिम सुलेमानी की बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में ये धमाके हुए. क्षेत्र के उप गवर्नर ने इन धमाकों को 'आतंकवादी' हमला करार दिया है.

पाक में पांव जमाने की कोशिश में आईएसआईएस

इस्लामाबाद । अशांत खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र में बड़ी संख्या में तहरीक-ए-तालिबान आतंकवादियों की आमद के बीच पाकिस्तान के सामने इस्लामिक स्टेट की ओर से भी खतरा बना हुआ है जो देश में अपने पांव जमाने की कोशिश कर रहा है. पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने यह बात कही. सीनेट को अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की बढ़ती गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई.

धोखाधड़ी के मामले में सुनार पर मुकदमा

ठाणे । महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक स्वर्ण व्यापारी के साथ कथित तौर पर 71.18 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में गुजरात के राजकोट के एक सुनार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. पीड़ित और आरोपी के बीच लंबे समय तक व्यापारिक संबंध थे. वागले एस्टेट पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि दो जुलाई 2023 को पीड़ित ने आरोपी के अनुरोध के अनुसार 71,18,491 रुपये के आभूषण उसे उपलब्ध कराये, लेकिन आरोपी ने इसके लिए भुगतान नहीं किया.

संजय सिंह भरेंगे एक लाख रुपये हर्जाना

लखनऊ । लखनऊ की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह को मानहानि के एक मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह को एक लाख रुपये का हर्जाना देने का बुधवार को निर्देश दिया. दीवानी न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी) कमला कांत गुप्ता ने संजय सिंह को दो महीने के भीतर हर्जाना देने का निर्देश दिया, जिसके बाद उन्हें भुगतान की तारीख तक इस राशि पर छह प्रतिशत ब्याज देना होगा.

अभ्यर्थियों की टॉयलेट ब्रेक के बाद भी होगी तलाशी

नयी दिल्ली। इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को शौचालय के लिए ब्रेक लेने के बाद फिर से जामातलाशी और बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की प्रक्रिया से गुजरना होगा. राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि अधिकारियों, परीक्षकों, स्टाफ सदस्यों और जलपान परोसने में मदद करने वालों को भी इसी प्रक्रिया से गुजरना होगा.

महाराष्ट्र के पालघर में 3.4 तीव्रता का भूकंप

पालघर (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में बुधवार को 3.4 तीव्रता का भूकंप आया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि भूकंप से किसी नुकसान की सूचना नहीं है. जिला प्रशासन की एक विज्ञप्ति के अनुसार, भूकंपीय गतिविधि एक बजकर 47 मिनट पर दर्ज की गयी. हालांकि, अधिकारियों ने भूकंप के केंद्र का सटीक स्थान नहीं बताया. उन्होंने बताया कि अभी तक किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की कोई सूचना नहीं है.

कोच्चि-लक्षद्वीप पनडुब्बी ऑप्टिकल फाइबर परियोजना का उद्घाटन

आकार में भले छोटा लेकिन लक्षद्वीप का दिल बड़ा : मोदी

एजेंसी। कावारत्ती

- अब लक्षद्वीप में इंटरनेट 100 गुना अधिक गति से होगा उपलब्ध
- कम तापमान वाले थर्मल डी-सैलिनेशन (एलटीटीडी) संयंत्र का भी उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार द्वारा शुरू किए गए सुधारों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों का गवाह बने मुस्लिम बहुल लक्षद्वीप के लोगों का दिल जीतने के प्रयास के तहत बुधवार को कहा कि यह द्वीपसमूह भले ही छोटा है लेकिन इसका दिल बड़ा है. प्रधानमंत्री ने यहां केंद्र शासित प्रदेश में 1,150 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद यह बात कही. उन्होंने कहा कि लक्षद्वीप का क्षेत्रफल भले ही छोटा हो लेकिन उसका दिल बहुत बड़ा है. मैं यहां मिल रहे प्यार और आशीर्वाद से अभिभूत हूं. मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं. प्रधानमंत्री मंगलवार को लक्षद्वीप पहुंचे थे. उन्होंने आज एक समारोह में इन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. समारोह में महिलाओं और बच्चों सहित सैकड़ों द्वीपवासियों ने भाग लिया.

केंद्र की पूर्ववर्ती गैर-भाजपा सरकारों पर साधा निशाना : मोदी ने अपने संबोधन में केंद्र की पूर्ववर्ती गैर-भाजपा सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि दशकों से उनकी एकमात्र प्राथमिकता अपने राजनीतिक दलों का विकास करना रही. उन्होंने कहा कि दूर-दराज के राज्यों, सीमावर्ती क्षेत्रों या जो समुद्र के बीच हैं, उन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया. ऐसे क्षेत्रों के विकास के लिए अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताते हुए मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमारी सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों और समुद्र के किनारे के स्थानों को अपनी प्राथमिकता बनाया है. उन्होंने कहा कि 2020 में, मैंने आपको गारंटी दी थी कि आपको अगले 1,000 दिनों के भीतर तेज इंटरनेट सुविधा मिलेगी. आज कोच्चि-लक्षद्वीप पनडुब्बी ऑप्टिकल फाइबर परियोजना का उद्घाटन किया गया है. अब लक्षद्वीप में इंटरनेट 100 गुना अधिक गति से उपलब्ध होगा. प्रधानमंत्री ने अगस्त 2020 में लाल किले पर अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में यह घोषणा की थी.

सावित्रीबाई फुले को नमन किया

नयी दिल्ली। समाज सुधारक, शिक्षिका व कवयित्री सावित्रीबाई फुले की आज 193वीं और स्वतंत्रता सेनानी रानी वेलू नचियार की 294वीं जयंती है. जयंती पर पीएम नरेंद्र मोदी ने सावित्रीबाई फुले और रानी वेलू नचियार को श्रद्धांजलि अर्पित की. मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सावित्रीबाई फुले और रानी वेलु नचियार की जयंती पर उन्हें सादर नमन. दोनों ने अपने साहस और दयालुता से समाज को प्रेरित किया. हमारे देश के लिए उनके योगदान अमूल्य हैं.

महिलाओं के सशक्तीकरण के वादे को पूरा किया : मोदी

त्रिशूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस और वाम दलों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक में देरी की जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महिलाओं को सशक्त बनाने वाले आरक्षण विधेयक को पारित कराना सुनिश्चित किया. प्रधानमंत्री ने यहां महिलाओं की एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'नारी शक्ति वंदन' विधेयक अब कानून बन गया है और उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पूरा किया है. महिला आरक्षण विधेयक को केंद्र सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम नाम दिया है. प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाते हुए कहा कि अफसोस की बात है कि आजादी के बाद वामपंथी दलों और कांग्रेस की सरकारों ने हमारी महिलाओं की ताकत को कम आंका. उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अन्य दलों ने लोकसभा में आरक्षण विधेयक में देरी की. हालांकि, नारी शक्ति वंदन विधेयक अब कानून बन गया है.

रामंदिर आंदोलन के मामले में हिंदू कार्यकर्ता की गिरफ्तारी

हिंदुओं की भावनाओं पर चोट : भाजपा

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इकाई ने एक हिंदू कार्यकर्ता की हाल में हुई गिरफ्तारी के खिलाफ बुधवार को राज्य के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया. श्रीकांत पुजारी (51) को, 1992 में अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बनाने के लिए चलाए गए आंदोलन के दौरान हुए विवाद के सिलसिले में चार दिन पहले हुबली-धारवाड़ पुलिस ने लंबित मामलों का निपटारा करते हुए गिरफ्तार किया.

पुजारी ने 31 साल पहले आंदोलन में कथित तौर पर हिस्सा लिया था. कर्नाटक के गृहमंत्री डॉ जी. परमेश्वर ने हाल ही में पुलिस को लंबित मामलों में कार्रवाई करने का निर्देश दिया था. पुलिस ने इसी सिलसिले में पुजारी को 1992 में हुबली में हुए विवाद को लेकर गिरफ्तार किया.

भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन का आह्वान करते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस कर्नाटक में बार-बार हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश कर रही है. पुजारी की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राम मंदिर के उद्घाटन और वहां भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा से कुछ ही दिन पहले, 31 साल पुराने मामले को दोबारा खोले जाने से राज्य सरकार की मंशा साफ जाहिर हो जाती है.

तिरुपति मंदिर को 40 करोड़ रुपये का चढ़ावा

तिरुपति। तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर के आधिकारिक संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को 23 दिसंबर, 2023 से एक जनवरी तक 10 दिवसीय वैकुंठद्वार दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं से 40 करोड़ रुपये का चढ़ावा (हुंडी संग्रह) प्राप्त हुआ है. अधिकारी ने बताया कि टीटीडी ने विश्व प्रसिद्ध 36 लाख 'तिरुपति लड्डू' बेचे और दो लाख से अधिक तीर्थयात्रियों का मुंडन संस्कार करवाया. टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी ए. वी. धर्म रेड्डी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि रिकॉर्ड संख्या में 6.47 लाख श्रद्धालुओं ने वैकुंठद्वार दर्शन किए... भक्तों को आरामदायक और परेशानी मुक्त श्रीवारी दर्शन कराया गया. उन्होंने कहा कि समय-निर्धारित टोकन के माध्यम से श्रद्धालु कतार में लंबे समय तक इंतजार करने से बचे और सामान्य से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं को वैकुंठद्वार दर्शन के दौरान अन्न प्रसादम (भोजन) मिला.

असम में बस-ट्रक की टक्कर में 12 की मौत, 30 घायल

एजेंसी। गोलाघाट

खास बातें
- 45 लोगों को ले जा रही बस ट्रक से टकराई
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुर्घटना पर किया शोक व्यक्त

असम के गोलाघाट जिले में बुधवार को कोयला ले जा रहे एक ट्रक और बस की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, वहीं 30 अन्य घायल हो गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. गोलाघाट के पुलिस अधीक्षक राजन सिंह ने बताया कि दुर्घटना आज सुबह डेरगांव के पास बलिजान में हुई. 45 लोगों को ले जा रही बस ट्रक से टकरा गई.

यह बस अपर असम की ओर जा रही थी. उन्होंने कहा कि अब तक की जानकारी के अनुसार हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई है. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की. प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि असम के गोलाघाट में सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत के बारे में जानकर दुख हुआ. शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं. घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना.

हाथ से मैला उठाना: गुजरात सरकार को लगी फटकार

एजेंसी। अहमदाबाद

गुजरात उच्च न्यायालय ने 1993 से 2014 के बीच हाथ से मैला ढोने के दौरान मारे गए 16 सफाई कर्मियों के परिजनों को मुआवजा नहीं देने को लेकर बुधवार को गुजरात सरकार को फटकार लगाई. अदालत ने इसी के साथ राज्य सरकार को हलफनामा देकर भुगतान नहीं करने का कारण बताने का निर्देश दिया. मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध पी मायी की पीठ ने राज्य से यह भी जानना चाहा कि उसने 2013 के हाथ से मैला उठाने के खिलाफ कानून को अपनाने के लिए क्या कदम उठाए हैं, और क्या सरकार इस प्रथा को खत्म करने की स्थिति में है या अब भी इसके लिए सफाई कर्मियों की मदद ले रही है. अदालत अहमदाबाद स्थित गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) मानव गरिमा द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी. याचिका में हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम-2013 को लागू कराने का अनुरोध किया गया है.

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को सूचित किया कि हाथ से मैला ढोने वाले 16 मृत लोगों के परिवार को अब तक उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुसार मुआवजा नहीं दिया गया है.

'कर्नाटक में गोधरा जैसी घटना की आशंका'

बेंगलुरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद ने बुधवार को दावा किया कि अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले कर्नाटक में 'गोधरा जैसी घटना' के घटित होने की आशंका है. विधान पार्षद हरिप्रसाद (एमएलसी) ने कहा, कर्नाटक सरकार को सतर्क रहना चाहिए क्योंकि गुजरात में इसी तरह के अवसर पर गोधरा में कार सेवकों को आग लगा दी गई थी. वर्ष 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड के बाद गुजरात में भयानक सांप्रदायिक दंगे हुए थे. यहां भी ऐसी ही (गोधरा जैसी) स्थिति बन सकती है. इसलिए कर्नाटक में किसी भी तरह की अप्रिय घटना की गुंजाइश पैदा नहीं होने देनी चाहिए.

सांसद बोले -भगवान राम मेरे हृदय में बसते हैं

किसी के न्योते की जरूरत नहीं : दिग्विजय

एजेंसी। इंदौर

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने बुधवार को कहा कि अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर में दर्शन के लिए उन्हें किसी व्यक्ति के न्योते की जरूरत नहीं है क्योंकि भगवान राम उनके हृदय में बसते हैं. क्या सिंह को 22 जनवरी को आयोजित राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का न्योता मिला है? इस सवाल का सीधा जवाब ना देकर उन्होंने इंदौर में संवाददाताओं से कहा कि मुझे भगवान राम के दर्शन के लिए किसी के न्योते की जरूरत नहीं है. भगवान राम हमारे हृदय में हैं.

2012 के गुजरात विधानसभा चुनावों के बाद शुरू हुई चोरी : दिग्विजय ने कहा कि भाजपा के नेता पूछते हैं कि अगर ईवीएम में गड़बड़ है, तो कांग्रेस कर्नाटक और तेलंगाना के पिछले विधानसभा चुनाव कैसे जीत गई? उन्होंने कहा कि अगर गुप्त रूप से चोरी करने वाला कोई व्यक्ति सारा माल उठाकर ले जाएगा, तो पकड़ा जाएगा. इसलिए वह धीरे-धीरे चोरी करता है. यह चोरी 2012 के गुजरात विधानसभा चुनावों के बाद शुरू हुई.

आम लोगों का लोकतंत्र से विश्वास उठ जाएगा

वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि बड़ी तादाद में विपक्षी सांसदों को संसद से इस कसूर के लिए निलंबित कर दिया गया कि उन्होंने संसद की सुरक्षा में चूक की घटना पर गृह मंत्री अमित शाह से सदन में बयान देने की मांग की थी. सिंह ने कहा कि अगर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार का यही रवैया रहा, तो आम लोगों का लोकतंत्र के प्रति विश्वास धीरे-धीरे उठता चला जाएगा.

मालगाड़ी की चपेट में आने से शेरनी घायल

अमरेली। गुजरात के अमरेली जिले में बुधवार को रेल पटरी पार करने की कोशिश के दौरान मालगाड़ी की चपेट में आने से एक शेरनी घायल हो गई. वन विभाग ने यह जानकारी दी. सुबह करीब पांच बजे भम्मर इलाके में विजपडी रेलवे स्टेशन के पास हुई इस घटना में शेरनी को मामूली चोटें आईं. वन विभाग के बयान के अनुसार, ट्रेन महुवा से सुरेंद्रनगर जा रही थी. बयान में कहा गया कि लगभग सात से आठ वर्षीय शेरनी को बचा लिया गया और इलाज के लिए एक पशु केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया. वर्ष 2020 की एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात में एशियाई शेरों की आबादी 2015 से पांच वर्षों में 523 से लगभग 29 प्रतिशत बढ़कर 674 हो गई.

कार्रवाई इस तरह की भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगी, मैं खुद एक मजदूर का बेटा हूं : सीएम

ट्रक ड्राइवर से औकात पूछने वाले डीएम को पद से हटाया

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार ने ट्रक चालकों के विरोध के बीच एक चालक की औकात को लेकर सवाल उठाने वाले शाजापुर जिला कलेक्टर किशोर कन्याल को उनके पद से हटा दिया है. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को कन्याल को कलेक्टर पद से हटाने का फैसला साझा करते हुए कहा कि उनकी सरकार में इस तरह की भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

मुख्यमंत्री (सीएमओ) के अनुसार, यादव के निर्देश पर कन्याल को शाजापुर कलेक्टर के पद से हटा दिया गया है. राज्य सरकार ने बुधवार को एक आदेश जारी कर कन्याल को राज्य उप सचिव के पद पर स्थानांतरित कर दिया. नरसिंहपुर की कलेक्टर रिजु बाफना को शाजापुर का नया कलेक्टर बनाया गया है. मंगलवार को एक ड्राइवर यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान कन्याल अपना आपा खो बैठे और बाद में उन्होंने कहा कि अगर उनके शब्दों से किसी को ठेस पहुंची है तो वह खेद व्यक्त करते हैं. इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम गरीबों के उत्थान के लिए काम करते हैं. कोई भी कितना भी बड़ा अधिकारी क्यों न हो, उसे गरीबों के काम और भावनाओं का सम्मान करना चाहिए. हमारी सरकार में इस तरह की भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगी. यादव ने कहा कि वह खुद एक मजदूर के बेटे हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि जो अधिकारी ऐसी भाषा बोलते हैं वे क्षेत्र तैनाती के लायक नहीं हैं. मुझे उम्मीद है कि वहां तैनात अधिकारी (शाजापुर कलेक्टर के रूप में) इस तरह का व्यवहार नहीं करेंगे. मैं इससे दुखी हूं.

क्या है मामला

सोशल मीडिया पर मंगलवार को प्रसारित एक वीडियो क्लिप में कलेक्टर चालकों और अन्य लोगों से कानून अपने हाथ में नहीं लेने के लिए कहते हुए दिख रहे हैं, तभी चालकों के एक प्रतिनिधि ने उनसे अच्छे से बात करने के लिए कहा. इस पर कन्याल को गुस्सा आ गया और उन्होंने संबंधित व्यक्ति से पूछा कि क्या करोगे तुम, क्या औकात है तुम्हारी? उस व्यक्ति ने इसके जवाब में कहा कि वे यह लड़ाई इसलिए लड़ रहे हैं क्योंकि उनकी कोई औकात (सामाजिक प्रतिष्ठा) नहीं है. इसके बाद एक पुलिसकर्मी ने उस व्यक्ति को वहां से हटा दिया. कन्याल ने बाद में जिला कलेक्टर के आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें कहा गया कि मंगलवार को लगभग 250 ट्रक और बस चालकों की बैठक बुलाई गई थी जिनमें से कई ने हंगामा किया और विरोध प्रदर्शन किया. बैठक उन्हें अपने मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीके से उठाने के लिए आयोजित की गई थी.

मस्जिदों को आबाद रखने में हमें कोई आपत्ति नहीं है : ओम माथुर

एजेंसी। जयपुर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ओम माथुर ने देश में मस्जिदों को आबाद रखने की एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की अपील पर मंगलवार को प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा को इसमें कोई समस्या या आपत्ति नहीं है क्योंकि हिंदू धर्म दूसरों की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाता है. हालाँकि, उन्होंने सवाल किया कि क्या भगवान राम के जन्मस्थान पर मस्जिद का निर्माण उचित है? उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख ओवैसी खुद राम मंदिर का दौरा करने के लिए अयोध्या जाएंगे. ओम माथुर ने मंगलवार को यहां अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा कि भाजपा या भाजपा की सरकार या हिंदू धर्म या सनातन धर्म किसी की भी आस्था पर कोई टिप्पणी नहीं करता है. अगर वे कहते हैं कि आबाद रखो, तो हम उसमें प्रसन्न हैं, आबाद रखने में कहां मना है. उन्होंने कहा कि लेकिन जहां राम लला का जन्म हुआ, वहां जबरदस्ती मस्जिद बनाई गई. यह इतिहास में साबित हो चुका है. उच्चतम न्यायालय का निर्णय हो चुका है. इसलिये हमने किसी की मस्जिद तोड़ने का काम नहीं किया.

प्रभु श्रीराम की ससुराल मिथिला के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में लोग भव्य आयोजन को देखने को आतुर

ससुराल मिथिला का अभिमान, अब विराजेंगे बबुआ श्रीराम

- सबके सिया सबके राम भाजपा का नया स्लोगन
- निकली लव-कुश रथयात्रा, 22 जनवरी को पहुंचेगी अयोध्या
- सोने के धनुष-बाण का होगा अर्पण
- मिथिला से जायेगी पाग, पान और माखन की सौगात
- 22 को एक और भव्य दिवाली की तैयारी

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

अयोध्या में श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरा बिहार प्रभु राम के भक्ति भाव से सराबोर है. जगह-जगह अक्षत -कलश शोभा यात्राएं निकल रही हैं, घर-घर जाकर अयोध्या में पूजित अक्षत को पहुंचाया जा रहा है. भाजपा, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित दर्जनों सनातनी संस्थाएं इस कार्य में लगी हैं. प्रदेश भाजपा मुख्यालय से लव-कुश समाज ने भव्य ''लव- कुश रथयात्रा'' निकाली है. जो पूरे राज्य का भ्रमण करते हुए 22 को अयोध्या पहुंचेगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी को अयोध्या न आने की आमजनों से अपील के बावजूद सूबे के हर जिले से हजारों- हजार की संख्या में राम भक्त अयोध्या जाने को उतावले हैं. सभी लोग 22 जनवरी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिस दिन अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होगी. राज्य के विभिन्न जिलों से विशेष ट्रेनें चलाये जाने की सूचना है. प्रभु श्री राम की ससुराल मिथिला के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में लोग भव्य आयोजन को देखने को आतुर हैं. आखिर श्री राम मिथिलांचल के 'ओझा' जो ठहरे. मिथिला में दामाद को 'ओझा' कहा जाता है.

इस बाबत प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता नंदकिशोर यादव ने कहा कि 2024 देश के आध्यात्मिक और सनातनी संस्कृति के उन्नयन के लिए जाना जाएगा. अयोध्या अपने नये अवतार के रूप में दिख रही है. पीएम मोदी के आह्वान पर 22 जनवरी को न केवल बिहार बल्कि देश में एक और दिवाली मनेगी.

उधर, अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कान) मंदिर की ओर से अयोध्या में 15 जनवरी से 15 फरवरी तक सुबह शाम 10 हजार भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण होगा. मंदिर के अध्यक्ष कृष्ण कृपा दास के अनुसार इसके लिये 10 ट्रक चावल अयोध्या भेजा जाएगा. भक्तों में श्रीमद्भागवत गीता की 10 लाख प्रतियां भी बांटी जायेंगी.

निकली 'सबके सिया सबके राम' रथयात्रा

इधर, लव-कुश कुश समाज की ओर से भव्य लव-कुश रथयात्रा निकाली है, जो सूबे के सभी 38 जिलों का भ्रमण करती हुई 22 को अयोध्या पहुंचेगी. प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने रथ को रवाना किया. यात्रा में आकर्षक झांकियां भी शामिल की गयी हैं. 'सबके सिया सबके राम' के स्लोगन के साथ निकली यह रथयात्रा 20 जनवरी को बक्सर पहुंचेगी. वहां राम कर्म भूमि (विश्वमित्र आश्रम) से आशीर्वाद लेकर गाजीपुर-वाराणसी के रास्ते 22 को अयोध्या पहुंचेगी. यात्रा की रवानगी के वक्त बड़ी संख्या में किन्नर समाज के लोग भी उपस्थित थे.

सोने का धनुष-बाण की सौगात

श्री महावीर मंदिर न्यास (पटना) के सचिव आचार्य किशोर कुणाल के मुताबिक मिथिलांचल से जुड़ी सामग्री भी रामलला को भेंट की जाएगी. उनकी प्राण-प्रतिष्ठा प्रतिष्ठा से पूर्व स्वर्णजड़ित धनुष-बाण अर्पित किया जाएगा. इसके अलावा ससुराल मिथिला की विशेष सौगात पाग, पान व मखान समेत अन्य उपहार भेंट किये जायेंगे.

प्रभु राम के ससुराल मिथिला में हर्ष का माहौल

सदियों बाद दामाद के घर-अंगना को सजता-निखरता देख माता जानकी की नैहर मिथिला के लोग फूले नहीं समा रहे हैं. चहुंओर हर्ष का माहौल है. मंगल गीत गाये जा रहे हैं. घर-घर दीपक जलाने की योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है. बेटी के ससुराल में क्या-क्या सौगात भेजी जाए, उसकी सूची बनायी जा रही है.

पीएम मोदी ने स्वाति मिश्रा के 'राम आएंगे आएंगे... राम आएंगे' भजन की सराहना की

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले राम लला के स्वागत में बिहार की भजन गायिका स्वाति मिश्रा के गाए एक भजन की बुधवार को सराहना की और उसे सोशल मीडिया पर साझा करते हुए इसे मंत्रमुग्ध करने वाला बताया. बिहार के छपरा जिले की रहने वाली स्वाति मिश्रा ने तकरीबन दो महीने पहले अपने यू-ट्यूब चैनल पर 'मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे... राम आएंगे' भजन साझा किया था. अब तक करोड़ों की संख्या में लोग उनके इस भजन को देख चुके हैं. उनके लाखों सब्सक्राइबर्स भी हैं. मोदी ने 'एक्स' पर उनके भजन का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि श्री राम लला के स्वागत में स्वाति मिश्रा जी का भक्ति से भरा यह भजन मंत्रमुग्ध करने वाला है. उन्होंने इसके साथ ही हैशटैग 'श्रीरामभजन' भी लिखा.

उल्लेखनीय है कि साल 2023 के 'मन की बात' की आखिरी कड़ी में प्रधानमंत्री ने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर को लेकर पूरे देश में उत्साह व उमंग है और लोग अपनी भावनओं को अलग-अलग तरह से व्यक्त कर रहे हैं. आकाशवाणी के इस मासिक रेडियो कार्यक्रम के जरिए मोदी ने देशवासियों से अपने गीत व भजन हैशटैग श्रीरामभजन के साथ सोशल मीडिया पर साझा करने की अपील की थी. उन्होंने कहा था कि ये संकलन भावों का, भक्ति का, ऐसा प्रवाह बनेगा जिसमें हर कोई राम-मय हो जाएगा. प्रधानमंत्री मोदी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे.

कंपनी को मिला पांच लाख पैकेट तैयार करने का ऑर्डर

श्रद्धालुओं को मिलेगा इलायची दाने का प्रसाद

एजेंसी। अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर में श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तारीख नजदीक आ रही है. श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने फैसला किया है कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में 'इलायची दाना' दिया जाएगा. 'इलायची दाना' चीनी और इलायची के मिश्रण से बनाया जाता है. ये आमतौर पर देश भर के मंदिरों में प्रसाद के रूप में दिया जाता है.

श्रद्धालुओं को दिए जाने वाले इस प्रसाद को तैयार करने का ऑर्डर राम विलास एंड संस को दिया गया है. राम विलास एंड संस के मिथिलेश कुमार ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि में प्रसाद वितरण हो रहा है, उसमें

छोटी इलायची और चीनी मिलाकर इलायची दाना प्रसाद यहां तैयार किया जाता है. हम लोग इसमें निरंतर लगे हुए हैं और रोज प्रसाद तैयार हो रहा है बाकी जैसा भी ट्रस्ट से आदेश आएगा, वैसी ही हम तैयारी करेंगे. इलायची दाने के कुछ स्वास्थ्य लाभ भी बताए जाते हैं. राम विलास एंड संस के बोल चंद्र गुप्ता कहते हैं कि इसमें पोटेशियम है, मैग्नीशियम है, तमाम खनिज इसमें मिलते हैं. ये पेट के लिए रामबाण औषधि के रूप में काम करता है. पूरा यूपी कवर करता है, ग्राहक अपने आप आते हैं और गोरखपुर और पूर्वांचल में जितने हैं, सब यहीं से लेते हैं. फैक्ट्री के कर्मचारी 22 जनवरी से पहले प्रसाद के पांच लाख पैकेट तैयार करने के लिए लगन से काम कर रहे हैं. इसके अलावा भगवान राम के ननिहाल यानि छत्तीसगढ़ से 100 टन चावल भी अयोध्या पहुंच गया है.

अयोध्या के रामसेवकपुरम इलाके में राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से बनाया गया सेंट्रल स्टोर, भंडारण गोदाम के रूप में काम कर रहा है. इसमें देशभर से भेजे गए खाने-पीने के सामान को स्टोर करके रखा गया है. सेंट्रल स्टोर यूनिट में चावल के अलावा देशभर के लगभग हर कोने से खाद्य सामाग्री पहुंची है.

अयोध्या में लता मंगेशकर चौक बना नया सेल्फी केंद्र

एजेंसी। अयोध्या

उत्तर प्रदेश की अयोध्या नगरी में मशहूर गायिका लता मंगेशकर को समर्पित चौक स्थानीय निवासियों और यहां आने वाले पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बन गया है. इस चौक पर लोग उत्साह के साथ सेल्फी ले रहे हैं. कला में लोगों को अपनी ओर खींचने की शक्ति होती है और इस चौराहे के केंद्र में स्थापित 14 टन वजनी एक विशाल अलंकृत वीणा की प्रतिकृति अपना यह काम बखूबी कर रही है. अधिकारियों ने पहले बताया था कि 40 फुट लंबी और 12 मीटर ऊंची इस प्रतिकृति को प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार ने बनाया है. इसे करीब 7.9 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाया गया है. लता मंगेशकर चौक राम पथ और धर्म पथ के चौराहे पर स्थित है. राम मंदिर के आगामी अभिषेक समारोह से पहले दोनों पथों को सुंदर प्रकाशमान

स्तंभों के साथ खूबसूरती से सजाया गया है. अयोध्या और पड़ोसी जिलों से सैकड़ों लोग 31 दिसंबर की रात को नववर्ष का जश्न मनाने के लिए लता मंगेशकर चौक पर एकत्र हुए थे. चौक पर सेल्फी लेने के लिए लोगों ने रविवार रात 10 बजे से ही चौक पर आना शुरू कर दिया था.

स्थानीय लोग इस सार्वजनिक स्थान के अचानक लोकप्रिय होने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अयोध्या में 30 दिसंबर को हुए रोड शो को देते हैं. इस दौरान वह लता मंगेशकर चौक पर रुके थे और तस्वीर खिंचवाई थीं. प्रधानमंत्री की यहां की यात्रा से एक दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी चौक पर एक सेल्फी ली थी. नववर्ष की पूर्व संध्या पर चौक पर अपनी पत्नी साधना के साथ पहुंचे स्थानीय निवासी अखिलेश पांडेय ने कहा कि हम नववर्ष के अवसर पर लखनऊ जाते थे या फिर घर में रहते थे. लेकिन अब हमारे शहर का विकास हुआ है और यहां पर इस तरह के स्थान हैं.

क्या हैं खासियतें

- 7.9 करोड़ से हुआ है लता मंगेशकर चौक का निर्माण
- स्मृति चौक पर गूंजते हैं लता मंगेशकर के भजन
- मां शारदा की वीणा सुर साम्राज्ञी चौक की पहचान
- वीणा की लंबाई 10.8 मीटर और ऊंचाई 12 मीटर है
- 14 टन वजनी वीणा को बनाने में लगे थे 70 लोग
- कांसा एवं स्टेनलेस स्टील से एक माह में बनी वीणा
- पद्म पुरस्कार विजेता राम सुतार ने बनाई है वीणा की डिजाइन

कॅरियर-काउंसिलिंग

लेदर इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर बना सकते हैं कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर/ रजनीश प्रसाद। चमड़ा प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग की एक शाखा है जो चमड़े के शोधन और उत्पादन से संबंधित है. यह कृत्रिम चमड़े के संश्लेषण द्वारा कुशल उपयोग के लिए व्यावसायिक सामान बनाता है. फैशन उद्योगों में वृद्धि और लोगों द्वारा चमड़े के उत्पादों को पसंद करने के कारण चमड़ा प्रौद्योगिकी के अध्ययन की अत्यधिक मांग रही है. चमड़ा प्रौद्योगिकी सिर्फ परिधानों में चमड़े का अध्ययन नहीं है, बल्कि प्रौद्योगिकी की मदद से डिजाइन करने और समग्र विवरणों पर ध्यान देने के लिए एक विस्तृत अध्ययन है. पाठ्यक्रमों के साथ चमड़ा प्रौद्योगिकी का अध्ययन कर सकते हैं. चूँकि भारत में चमड़ा उद्योग बहुत अधिक महत्व और ध्यान आकर्षित कर रहा है, इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी है, और भारत के साथ-साथ विदेशों में भी कई शीर्ष कॉलेज मौजूद हैं. चमड़े की ब्रांड बिल्डिंग पर सरकारी और निजी क्षेत्रों द्वारा काफी जोर दिया जा रहा है, जिसके कारण हाल के वर्षों में इस पाठ्यक्रम ने महत्वपूर्ण महत्व हासिल कर लिया है. इस कोर्स में छात्रों को फैशन स्टाइलिंग, डिजाइनिंग के बारे में सिखाया जाता है जो कंप्यूटर आधारित होता है. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से, छात्र चमड़ा प्रौद्योगिकी को डिजाइन करने में कंप्यूटर के उपयोग या अनुप्रयोग के बारे में सीखते हैं. इसने प्रौद्योगिकी के स्पर्श से फैशन उद्योग को पहले की तुलना में बदल दिया है.

प्रवेश परीक्षा

बीटेक लेदर टेक्नोलॉजी : प्रवेश परीक्षा लेदर टेक्नोलॉजी कोर्स करने के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होना होगा. प्रवेश परीक्षा का आयोजन कंडक्टिंग बॉडी द्वारा किया जाता है. छात्रों की उसकी आधिकारक वेबसाइट से प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करना है. आवेदन प्रक्रिया पूरी कर, आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा में छात्रों के प्रदर्शन के अनुसार उन्हें रैंक किया जाएगा. रैंक के आधार पर छात्रों को सीट अलॉट की जाएगी. कोर्स में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षाओं के बारे में बात करें तो छात्र प्रमुख परीक्षा जेईई मेंस और एडवांस के अलावा डब्ल्यूबीजेईई, वीआईटीईईई, एसआरएमजेईई जैसी कई संस्थान आधारित और राज्य आधारित प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं.

करियर

- टाटा चमड़ा
- अरके लेदर्स प्राइवेट लिमिटेड
- भारतीय इंटरनेशनल लिमिटेड
- प्राग इंटरनेशनल
- स्पोर्ट्सवियर कंपनियां
- जूनियर डिजाइनर लेबल
- निर्यात घर
- सरकारी संगठन
- चमड़ा फर्म
- चमड़ा उत्पाद उद्योग
- विश्वविद्यालय
- संस्थान
- कार्यकारी डिजाइनर लेबल

योग्यता

- इस कोर्स को करने के लिए उम्मीदवार को किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से कक्षा 12वीं पास करनी होगी.
- 12वीं कक्षा में उम्मीदवार के पास साइंस के मुख्य विषय पीसीएम यानी फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स होना चाहिए, जिसमें उन्हें कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य हैं.
- जेईई में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को 12वीं में कम से कम 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने है. (एनटीए द्वारा जारी सूचना के अनुसार)
- कोर्स में प्रवेश के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 17 वर्ष को.
- आरक्षित श्रेणी वाले उम्मीदवारों को सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन्स के अनुसार 5 प्रतिशत अंकों की छूट प्राप्त है.
- कोर्स में प्रवेश केवल प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एडमिशन लिया जा सकता है.

जॉब अलर्ट

ओडिशा कर्मचारी चयन आयोग

ओडिशा कर्मचारी चयन आयोग (ओएसएसएससी) ने अमिन रेवेन्यू इंस्पेक्टर, सहायक रेवेन्यू इंस्पेक्टर, सुपरवाइजर के पदों पर भर्ती निकाली है. इच्छुक उम्मीदवार इसपर आवेदन कर सकते हैं.

संगठन : ओडिशा अधीनस्थ कर्मचारी चयन आयोग
पद : अमिन रेवेन्यू इंस्पेक्टर, सहायक रेवेन्यू इंस्पेक्टर, सुपरवाइजर
पद संख्या : 2895
अधिसूचना : जारी
वेतन : 1,12,400
योग्यता : डिग्री
नौकरी का स्थान : ओडिशा
आवेदन मोड : ऑनलाइन
ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि : 25 जनवरी 2024
प्रारम्भिक लिखित परीक्षा तिथि : मई या जून 2024
ऑफिसियल साईट : https://www.osssc.gov.in
आयु सीमा : 20 से 38 वर्ष
चयन प्रक्रिया : प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य लिखित परीक्षा, स्किल टेस्ट, स्क्रीनिंग लिस्ट, मेरिट लिस्ट, दस्तावेज सत्यापन, मेडिकल परीक्षण

भारतीय डाक विभाग

पद नाम : स्टाफ कार ड्राइवर
पद संख्या : 78
अधिसूचना : जारी
वेतन : 63,200
योग्यता : 10वीं
नौकरी का स्थान : उत्तर प्रदेश सर्किल
आवेदन मोड : ऑफलाइन डाक द्वारा
आवेदन पत्र जमा करने की प्रारंभ तिथि : 29 दिसंबर 2023
आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि : 9 फरवरी 2024
ऑफिसियल साईट : indiapost.gov.in

राज्य चयन बोर्ड ओडिशा

राज्य चयन बोर्ड ओडिशा गैर सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षकों के पदों पर भर्ती के लिए रिक्तियां निकली है.

संगठन : राज्य चयन बोर्ड ओडिशा
पद नाम : टीचर
पद संख्या : 2064
अधिसूचना संख्या : 03/2024
नौकरी का स्थान : ओडिशा
आवेदन मोड : ऑनलाइन
ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म भरने की प्रारम्भ तिथि : 8 जनवरी 2024
ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि : 7 फरवरी 2024
ऑफिसियल साईट : https://ssbodisha.ac.in

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)